ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विपक्ष की गलत सूचना के बावजूद कर्नाटक की अर्थव्यवस्था मजबूत: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 23 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-53

पीएम मोदी ने भारत के लिए दो लक्ष्य निर्धारित किए हैं

2047 तक विकसित भारत और 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी : अमित शाह

पुणे, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुणे में वेस्टर्न रीजनल काउंसिल (पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद) की 27वीं बैठक की अध्यक्षता की, जहां उन्होंने भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने में कोऑपरेटिव सेक्टर के महत्व को रेखांकित किया । कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने भारत के लिए दो लक्ष्य निर्धारित किए हैं- 2047 तक विकसित भारत और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था। इन दो लक्ष्यों को कोऑपरेटिव सेक्टर के योगदान से हासिल किया जा सकता है, और इसीलिए उन्होंने अलग केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की है। उन्होंने केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के काम और उसके प्रभाव की सराहना करते हुए कहा, इस मंत्रालय के माध्यम से देश में बहुत सी चीजों में क्रांति आई है। मंत्रालय सहकार से समृद्धि के आदर्श वाक्य पर काम करता है। और यह जनता सहकारी बैंक भी उसी तर्ज पर काम करता है।फ शाह ने देश के कोऑपरेटिव सेक्टर से टेक्नोलॉजी को अपनाने का आग्रह करते हुए कहा, दोस्तों, आज जब हम सहकारी समितियों के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तो मैं निश्चित रूप से कहना चाहता हूं कि हमें प्रौद्योगिकी को भी अपनाना चाहिए। उन्होंने भारत के कोऑपरेटिव सेक्टर में महाराष्ट्र के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा, अगर हम देश में सहकारी और

शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र पर व्यापक नजर डालें, तो कुल 1,465 सहकारी बैंक हैं, जिनमें से 460 अकेले महाराष्ट्र में हैं। अगर देश में सबसे ज्यादा शहरी सहकारी बैंकों वाला कोई राज्य है, तो वह महाराष्ट्र है। अमित शाह ने सहकारी सेवाओं तक पहुंच में सुधार के सरकार के फैसले को रेखांकित करते हुए घोषणा की, भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार के कार्यालय को एक क्षेत्रीय कार्यालय बनाने का निर्णय लिया है, जिससे लोगों के लिए सेवाओं तक पहुंच बहुत आसान हो जाएगी। सीआरसीएस (Central Registrar of Co-operative Societies) का पहला क्षेत्रीय कार्यालय पुणे में खुलेगा।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश भर में सहकारी बैंकों को समर्थन देने के लिए अपनी सरकार के एक प्रमुख पहल पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हम एक UMBRELLA संगठन को सक्रिय कर रहे हैं, जो सभी सहकारी बैंकों को हर संभव तरीके से मदद करेगा। UMBRELLA संगठन के लिए 300 करोड़ रुपये के बजट को भी मंजूरी दी गई है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री के हाथों महाराष्ट्र सरकार ने पुणे के बालेवाड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत कराई। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों के 20 लाख लाभार्थियों को आवास के लिए मंजूरी पत्र प्रदान किए गए, जबकि 10 लाख लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए पहली किश्त जारी की गई।

अमित शाह ने योजना की शुरुआत करने के बाद अपने संबोधन में कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बहुत बधाई देना चाहता हूं। एक साथ 20 लाख लाभार्थियों को अपना खुद का घर मिलने का आनंद एक ही क्षण में आएगा। 10 लाख लाभार्थियों को घर बनाने के लिए पहली किश्त कार्यक्रम समाप्त होने के पहले देने का काम महाराष्ट्र सरकार ने किया है। सभी लाभार्थियों और उनके परिवार के सदस्यों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

अमित शाह ने कहा, देवेंद्र फडणवीस ने मुझे बताया कि 10 लाख लाभार्थियों की पहली किश्त उनके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर हो गई। राहुल गांधी की याद आई। उन्होने कहा था आप सबको अकाउंट देंगे। लेकिन अकाउंट में ट्रांसफर क्या करोगे? राहुल बाबा आज यह मोदी का चमत्कार देखो। दस लाख लोगों को पहली किश्त सीधे उनके बैंक अकाउंट में ट्रांसफर हो गई है। दस लाख लोगों को एक साथ किश्त देने का कार्यक्रम और 20 लाख लोगों को घर आवंटित करने का कार्यक्रम। मैंने सुना तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए। नरेंद्र मोदी को महाराष्ट्र की जनता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में महत्व-पूर्ण योगदान दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में सबसे जादा घर महाराष्ट्र को मिले हैं। घर का मतलब सिर्फ चार दीवारें नहीं है। घर का मतलब विकास के स्वप्न को सार्थक करना है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, महायुति सरकार ने बहुत सारे काम महाराष्ट्र के विकास के लिए किए हैं। आज यहां पर मैं महाराष्ट्र की जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। ▶10पर

तेलंगाना में बड़ा हादसा, टनल का हिस्सा धंसने से

दो इंजीनियरों सहित 8 फंसे, बचाव कार्य जारी

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर की सुरंग के अंदर रॉबिन्स टनल बोरिंग मशीन्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के दो इंजीनियरों सहित आठ लोगों के फंसे होने की पुष्टि हुई है। यह सुरंग आज सुबह नागरकुरनूल के अमराबाद मंडल के डोमलपेंटा के पास ढह गई। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव के साथ दुर्घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि सरकार फंसे हुए श्रमिकों को बचाने और उन्हें जीवित बाहर निकालने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। चल रहे बचाव अभियान में शामिल होने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की मदद ली जा रही है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि अंदर फंसे लोगों में दो इंजीनियर, दो मशीन ऑपरेटर और चार श्रमिक शामिल हैं। उनमें से छह उत्तर प्रदेश और झारखंड के थे, जबकि इंजीनियर रॉबिन्स के लिए काम कर रहे थे।

कंपनी के मुताबिक, घटना के दौरान 50 मजदूर घटनास्थल पर मौजूद थे। फंसे हुए लोगों में दो इंजीनियर, दो मशीन ऑपरेटर

और चार मजदूर शामिल हैं। एक इंजीनियर यूपी के चंदौली जिले का रहने वाला है।टनल में फंसे मजदूरों के नाम हैं - मनोज कुमार, श्रीनिवास, संदीप साहू, जगता एक्सेस, संतोष साहू, अनुज साहू, सनी सिंह, गुरप्रीत सिंह। ▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी ने एसएलबीसी सुरंग बचाव अभियान में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 22 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरकुरनूल जिले के डोमलपेंटा के पास एसएलबीसी सुरंग में हुई दुर्घटना के बारे में जानकारी लेने के लिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से बात की।सीएम रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री को घटना की पूरी जानकारी दी और बताया कि सुरंग के अंदर अभी आठ मजदूर फंसे हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया कि उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए सभी आवश्यक बचाव उपाय शुरू कर दिए गए हैं।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को यह भी बताया कि मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और जुपल्ली कृष्ण राव चल रहे बचाव अभियान की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।जवाब में, प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार पूर्ण सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि बचाव प्रयासों में सहायता के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की एक टीम तुरंत तैनात की जाएगी।तेलंगाना सरकार, केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय में, फंसे हुए मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए अथक प्रयास कर रही है। शनिवार रात को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अधिकारियों को राज्य और केंद्रीय दोनों टीमों के सहयोग से सफल परिणाम की उम्मीद है।

पंजाब में मंत्रालय फर्जीवाड़ा!

घिर गई भगवंत मान सरकार

मंत्री को ऐसा विभाग सौंपा जो था ही नहीं, 20 महीने बाद पता चला

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी के नेता और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की अपनी ही सरकार में कॉमेडी हो गई। असल में हुआ यूं कि पंजाब में एक बड़े मंत्री को सौंपा गया विभाग अस्तित्व में ही नहीं था और सरकार को इसके बारे में 20 माह बाद पता चला। इसके बाद इस विभाग को खत्म कर दिया गया है।

सरकार ने नोटिफिकेशन में ये स्वीकार किया है कि प्रशासनिक सुधार विभाग अस्तित्व में ही नहीं था। यह विभाग कैबिनेट मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल के पास था, जिसके चलते उनके विभाग वापस लेने के लिए आदेश जारी कर दिए गए हैं। राज्यपाल की मंजूरी के बाद ही इस संबंध में फैसला लिया गया है। अब कुलदीप सिंह धालीवाल सिर्फ एनआरआई मामलों के मंत्री होंगे।

धालीवाल के पास शुरू में कृषि और किसान कल्याण विभाग भी था लेकिन मई 2023 में कैबिनेट फेरबदल के दौरान उनसे ये प्रभार ले लिया गया। उस समय उन्हें प्रशासनिक सुधार विभाग भी आवंटित किया गया। सितंबर 2024 के कैबिनेट फेरबदल में भी उनके पास ये विभाग था। हालांकि सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रशासनिक सुधार विभाग के लिए मंत्री कुलदीप धालीवाल को न तो कोई स्टाफ आवंटित किया गया और न ही इस विभाग की कोई बैठक हुई। ▶10पर

पैसा था वन संरक्षण के लिए और खरीदी गई लैपटॉप-टैबलेट के साथ कई अन्य चीजें

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र से दौरान सदन में सीएजी की रिपोर्ट पेश की गई। इस रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट में बजट की भारी गड़बड़ी सामने आई है, जिसमें करोड़ों रुपये का दुरुपयोग और गलत तरीके से रकम को खर्च करने के मामले सामने आए हैं ।

इस रिपोर्ट में वन संरक्षण के लिए खर्च किए गए फंड में गड़बड़ी देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, वन विभाग द्वारा वन संरक्षण के लिए निर्धारित फंड का इस्तेमाल लैपटॉप, टैबलेट, आईफोन, फ्रीज और ऑफिस के लिए सजावट के सामान खरीदने में किया गया। यह रकम करोड़ों रुपये में थी, जो इस उद्देश्य के लिए निश्चित रूप से अनुचित तरीके से खर्च की गई। 2022 के रिकॉर्ड की जांच में कई ऐसे उदाहरण सामने आए

हैं, जहां कैंपा (प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) फंड का इस्तेमाल वनीकरण कार्यों के बजाय अन्य कामों के लिए किया गया। कैंपा को मिलने वाली फंड का उपयोग एक साल के भीतर करना होता है, लेकिन रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि 37 मामलों में इन फंड का उपयोग करने में 8 साल का समय लग गया। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने सड़क, पावर लाइन, वाटर सप्लाई लाइन, रेलवे और ऑफ रोड लाइन के लिए औपचारिक सहमति दी थी, लेकिन इसके बावजूद डिवीजनल फॉरेस्ट अफसर (डीएफओ) की मंजूरी नहीं ली गई थी। 2017 से 2022 के बीच 52 मामलों में डीएफओ की मंजूरी की अनदेखी की गई थी।

सीएजी की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) परियोजना के तहत 56.97 लाख रुपये का दुरुपयोग किया गया, जबकि यह पैसा किसी अन्य उद्देश्य के लिए था। इसके अलावा, अल्मोड़ा कार्यालय में बिना मंजूरी के सोलर फेंसिंग पर 13.51 लाख रुपये खर्च किए गए।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि जन जागरूकता अभियान के लिए निर्धारित 6.54 लाख रुपये का उपयोग मुख्य वन संरक्षक, सतर्कता और कानूनी प्रकोष्ठ के लिए ऑफिस बनाने पर किया गया। इसके अलावा, 13.86 करोड़ रुपये का दुरुपयोग अन्य विभागीय परियोजनाओं में किया गया, जिसमें टाईगर सफारी परियोजनाएं, कानूनी शुल्क, व्यक्तिगत यात्रा और आईफोन, लैपटॉप, फ्रिज, और कार्यालय आपूर्ति जैसी वस्तुओं की खरीद शामिल थी।

सीएजी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2017 से 2022 तक हुए वृक्षारोपण में से करीब 33 फीसदी पौधे ही जिंदा रह पाए। यह वन अनुसंधान संस्थान द्वारा निर्धारित पौधों के जीवित रहने की दर 60-65 फीसदी से कम है। इसके कई परिणाम सामने आए हैं। सबसे पहले, वृक्षारोपण खड़ी और चट्टानी ढलानों पर किया गया, जिसके कारण पेड़ों का जीवित रहना मुश्किल हो गया। इसके अलावा, क्षेत्र में मौजूद बड़े देवदार के पेड़ों ने नए वृक्षारोपण के विकास में रुकावट पैदा की। साथ ही, सुरक्षात्मक उपायों के अभाव ▶10पर

पूर्व आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को मिली बड़ी जिम्मेदारी

प्रधानमंत्री मोदी के प्रधान सचिव-2 नियुक्त

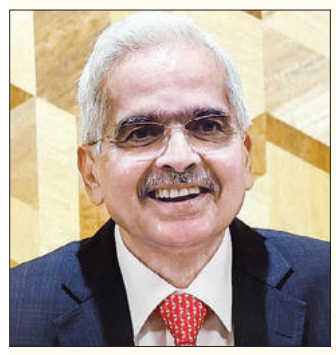

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रिंसिपल सेक्रेटरी-2 नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के साथ ही समाप्त होगी। वह दिसंबर 2018 में रिजर्व बैंक के गवर्नर नियुक्त किए गए थे, और 10 दिसंबर 2024 का उनका कार्यकाल समाप्त हुआ। आदेश के मुताबिक, वह प्रधानमंत्री के प्रिंसिपल सेक्रेटरी-1 डॉक्टर पीके मिश्रा के साथ प्रधानमंत्री के प्रिंसिपल सेक्रेटरी के रूप में काम करेंगे।

केंद्र सरकार में अपॉइंटमेंट कमेटी द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (रिटायर्ड) (टीएन:80) की प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने के दिन से प्रभावी होगी। उनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री के कार्यकाल के साथ या अगले आदेश तक जारी रहेगी।

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से ताल्लुक रखने वाले 67 वर्षीय शक्तिकांत दास तमिलनाडु कैडर के 1980 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। अपने करियर के दौरान उन्होंने केंद्र और तमिलनाडु सरकारों के लिए विभिन्न पदों पर काम किया है। केंद्र में उन्होंने विभिन्न चरणों में आर्थिक मामलों के सेक्रेटरी, फाइनेंस सेक्रेटरी और फर्टिलाइजर सेक्रेटरी के रूप में काम किया। वह दिल्ली के मशहूर सेंट स्टीफंस कॉलेज के स्टूडेंट रहे हैं। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,940/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 99,099/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 23^0

कश्मीर के मूल निवासियों का संकट बरकरार

कश्मीरी पंडितों से खाली न हो जाए कश्मीर वादी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 22 फरवरी।

कश्मीर वादी के मूल निवासी कश्मीरी पंडित परिवारों की संख्या में गिरावट जारी है। 2024 तक केवल 728 परिवार बचे हैं, जो 2021 में 808 परिवारों से कम है।

गैर-प्रवासी कश्मीरी पंडितों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति (केपीएसएस) द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण में कई सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है जो इस कमी में योगदान दे रही हैं।

सर्वेक्षण में आर्थिक कठिनाइयों, रोजगार के अवसरों की कमी, सुरक्षा चिंताओं और युवाओं की अधिक उम्र बढ़ने को कश्मीर में कश्मीरी पंडित आबादी में गिरावट के प्रमुख कारकों के रूप में इंगित किया गया है। 1990 में कश्मीरी पंडितों के पलायन ने इस समुदाय की संख्या को काफी प्रभावित किया, लेकिन मौजूदा गिरावट अधिक मौजूदा चुनौतियों से जुड़ी है।

केपीएसएस के अध्यक्ष संजय टिक्कू कहते हैं कि वर्ष 2021 और 2024 के बीच 80 परिवारों का पलायन मुख्य रूप से वादी में लक्षित हत्याओं के कारण हुआ। अन्य लोग बेहतर सुरक्षा और रहने की स्थिति की तलाश

में कश्मीर के भीतर, विशेष रूप से दक्षिण कश्मीर से श्रीनगर में स्थानांतरित हो गए।

टिक्कू बताते हैं कि कश्मीरी पंडितों को सरकारी लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एसआरओ 425 के तहत रोजगार और पुनर्वास लाभ प्राप्त करने के उनके दशकों पुराने प्रयास नौकरशाही की बाधाओं के कारण विलंबित हो गए हैं। कश्मीरी पंडित समुदाय के सामने सबसे अधिक दबाव वाले मुद्दों में से एक अविवाहित कश्मीरी पंडित युवाओं की बढ़ती संख्या है। टिक्कू बताते हैं कि 100 से अधिक युवा पुरुष और महिलाएं उपयुक्त विवाह साथी नहीं ढूंढ़ पाए हैं। कम परिवारों के साथ, युवाओं के लिए समुदाय के भीतर मैच ढूंढना मुश्किल होता जा रहा है, और अंतर-समुदाय विवाह दुर्लभ हैं।

घटती आबादी सांस्कृतिक और धार्मिक प्रथाओं को भी बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। हिंदू पुजारियों की भारी कमी ने पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों को पूरा करना मुश्किल बना दिया है, कई परिवार अब विशिष्ट कश्मीरी पंडित परंपराओं के बजाय व्यापक हिंदू प्रथाओं को अपना रहे हैं।जीवन की घटनाओं, जन्म और मृत्यु-के संतुलन में व्यवधान ने स्थिति को और जटिल बना दिया है, जिससे समुदाय के लिए अपने रीति-रिवाजों को बनाए रखना मुश्किल हो गया है।

हाल ही में, मीरवाइज उमर फारूक ने कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की वापसी को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वास-निर्माण प्रयासों का आह्वान किया। टिक्कू ने इस भावना का स्वागत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सुलह के प्रयासों को दोनों समुदायों द्वारा संचालित किया जाना चाहिए। टिक्कू कहते हैं कि मीरवाइज का आह्वान एक सकारात्मक कदम है, लेकिन नागरिक समाज के स्तर पर 2010 में पहले भी इस तरह के प्रयास किए गए हैं। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

सरकार समाज में हाशिए पर पड़े वर्गों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध: प्रियांक खड़गे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि सरकार दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों के शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों और कर्मचारियों के लिए खेल और सांस्कृतिक सम्मेलन 'होमबेलकू' के लिए समर्थन देगी। यह कार्यक्रम दक्षिण कन्नड़ और उडुपी की जिला पंचायतों के सहयोग से एमएलसी मंजूनाथ भंडारी के नेतृत्व में ग्राम स्वराज प्रतिष्ठान के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

अड्यार में सह्याद्री कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में आयोजित होमबेलकू के दूसरे संस्करण का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकार पूरे राज्य में इस तरह के आयोजन की संभावना पर विचार करेगी। उन्होंने कहा यह राज्य की सभी ग्राम पंचायतों के लिए गर्व की बात है कि भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) और केंद्रीय पंचायत राज मंत्रालय के एक अध्ययन के अनुसार पंचायतों को शक्ति हस्तांतरण में राज्य शीर्ष पर है। जीपी और यूएलबी सदस्यों और कर्मचारियों को लोगों की सेवा करते समय प्रतिक्रिया, समन्वय, समय की समझ, प्रभावी कार्यान्वयन और जवाबदेही के पांच सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। खेल टीम भावना विकसित करने और जीवन में सफलता और असफलताओं को संभालने के साथ-साथ भाईचारे की भावना विकसित करने में मदद करते हैं। उन्होंने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों को मुख्यधारा में शामिल करने और सशक्त बनाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना वर्ष के दौरान राज्य में 13 करोड़ मानव दिवस प्रदान करेगी और इससे 47 लाख जॉब कार्ड धारकों को लाभ होगा। 3867 कोसिनमेन हैं जो लगभग 50,000 बच्चों को लाभान्वित करते हैं जब उनके माता-पिता एमजीएनआरईजीएस के तहत काम पर होते हैं। प्रगति पथ' योजना के तहत, ग्रामीण सड़कों को व्यवस्थित और गुणात्मक रूप से सुधारा जाएगा। इस पहल के तहत 189 ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक में 50 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए लगभग 7,110 किलोमीटर ग्रामीण सड़कें विकसित करने की योजना है, जिसकी अनुमानित लागत 5,190 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, सीएम ने बारिश में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए 189 निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक को 10 करोड़ रुपये जारी किए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 5770 अरिवु केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां सभी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य में 5712 ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र हैं। जिनमें से डीके और उडुपी में एसडब्ल्यूएम संयंत्र प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। सभी ग्राम पंचायतों में डिजिटल भुगतान की सुविधा है। खड़गे ने कहा कि राज्य में ग्राम पंचायतों में 1100 करोड़ रुपये का कर एकत्र किया गया है। नगरीय प्रशासन मंत्री रहीम खान ने कहा कि ई-खाता प्राप्त करने के लिए संपत्ति मालिकों के सभी आवेदनों को मंजूरी देने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। अधिकारियों को इस संबंध में अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्तों को अनधिकृत लेआउट में संपत्तियों के लिए बी-खाता जारी करने की प्रक्रिया की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। इस मौके पर कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष पी एम नरेंद्र स्वामी, एमएलसी किशोर कुमार, विधायक अशोक कुमार, उमानाथ कोटियन, गुरमी सुरेश शेट्टी, एससीडीसीसी के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, अदानी के अध्यक्ष और कार्यकारी निदेशक किशोर अल्वा और अन्य उप-स्थित थे। इस अवसर पर डीके सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने अड्यार जीपी पीडीओ से खेल मशाल प्राप्त की। जीपी और यूएलबी के सदस्यों और कर्मचारियों ने ग्राम स्वराज्य की थीम और तट की लोक और परंपरा को सामने लाते हुए एक रंगारंग मार्च पास्ट प्रस्तुत किया, जिसमें कृषि, मछली पकड़ने, कंबाला, मुर्गा लड़ाई की परंपरा को झांकियों के माध्यम से दिखाया गया।

प्रोजेक्ट फोकस का भव्य शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद, बेंगलूरु गांधीनगर द्वारा आयोजित फिट युवा हिट युवा अभियान के अंतर्गत प्रोजेक्ट फोकस का भव्य शुभारंभ मुनि मोहजीत कुमार जी के सानिध्य में किया गया। इस शुभारंभ सत्र में मुनि मोहजीत कुमार जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि, योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि मन को शुद्ध और आत्मा को उन्नत करने का सशक्त साधन है।

स्वस्थ व्यक्ति से ही एक स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। यह कार्यक्रम 28 फरवरी तक गांधीनगर सभा भवन में आयोजित होगा, जहाँ योग और ध्यान के नियमित सत्र होंगे। आयोजकों ने समाज के सभी वर्गों से इस स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में जुड़ने की अपील की। इस कार्यक्रम में तेयुप बेंगलूरु अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष मनीष भंसाली, परिषद सदस्य अमित भंडारी एवं मुकेश कोठारी सहित युवाओं और समाज के अन्य वर्गों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से योग, ध्यान और स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली पर प्रकाश डाला गया।

नव्हाणिका सह पंचकल्याणक महामहोत्सव के लिए किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम के तत्वावधान में आचार्य श्री रत्नाकर सूरीश्वरजी एवं श्रुतोप-ासक आचार्य श्री रत्नसंचय सूरीश्वर जी की पावनिय निश्रा में श्री केसरिया आदिनाथ जिनालय की अंजनशलाका प्रतिष्ठा निमित्त भव्य नव्हाणिका सह पंचकल्याणक महामहोत्सव, जो 9 मार्च से 17 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाएगा, के तहत श्री महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट में सकल संघ द्वारा प्रतिष्ठा आमन्त्रण पत्रिका, बैनर, तोरण, आमंत्रण पत्र प्रदान किया गया।

इस मौके पर श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम ट्रस्ट मंडल के पारस भंडारी, रमेश कोठारी, महेंद्र छाजेड़ एवं अखिल भारतीय मूर्तिपूजक युवक महा संघ बेंगलूरु शाखा के सदस्य मौजूद थे। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी। उन्होंने बताया श्री महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता, उपाध्यक्ष सुरेंद्र रांका एवं गौतम मुथा, सहमंत्री महावीर श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष गजेंद्र चांदावत, सहकोषाध्यक्ष नरेश बांठिया, ट्रस्टी महेंद्र छाजेड़, प्रवीण पोरवाल, गौतम पोरवाल, गौतम जीरावला, उत्तम सालेचा, विनोदकरण संचेती, धनपत मेहता एवं श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रकुमार रांका आदि उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी का स्वागत किया।

मंत्र प्रेक्षा कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में तेरापंथ महिला मंडल राजाजी नगर द्वारा मंत्र प्रेक्षा कार्यशाला का आयोजन सभा भवन में मुनि मोहजीत कुमार जी के सानिध्य में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुनि द्वारा नमस्कार महामंत्रोच्चार से हुआ। उसके बाद महिला मंडल की बहनों ने प्रेक्षा ध्यान गीत प्रस्तुत किया। मुनि मोहजीत कुमार जी ने कहा कि प्रेक्षाध्यान साधना पद्धति आध्यात्मिकता एवं वैज्ञानिकता के प्रयोगों से जुड़ी हुई है। वर्तमान युग तनाव और मानसिक विकृतियों का युग है। ऐसे में व्यक्ति का शारीरिक भावनात्मक संतुलन अस्त व्यस्त हो जाता है। ध्यान उस संतुलन को संतुलित करने का महान उपाय है। इस अवसर पर मुनि ने नमस्कार महामंत्र के मंत्र रंग एवं स्थान का विशद विवेचन करते हुए प्रयोग भी करवाया। मुनि जयेश कुमार जी ने ध्यान की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालते हुए आंतरिक शक्तियों के जागरण में एकाग्रता, मनोभावों को जागृत करने के लिए संकल्प की सघनता और सुदृढ़ता पर बल दिया। इस कार्यशाला में सभा परिवार, तेरापंथ युवक परिषद, महिला मंडल की परामर्शिका बहने, पदाधिकारी गण, कार्यकारिणी बहने, कन्या मंडल सहित श्रावक श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही। तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा उषा चौधरी ने मुनि जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

केएमएफ का दबाव बढ़ा

कर्नाटक सरकार ने दूध की कीमत 5 रुपये बढ़ाने पर अभी तक नहीं किया फैसला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक दुग्ध महासंघ (केएमएफ) के बढ़ते दबाव के बावजूद, महासंघ के एक अधिकारी ने बताया राज्य सरकार ने दूध की कीमत में प्रस्तावित 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। 10 फरवरी को, कर्नाटक राज्य रायता संघ और ग्रीन ब्रिगेड के सदस्यों ने बेंगलूरु में केएमएफ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें दूध खरीद मूल्य को कम से कम 50 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ाने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य के कार्यान्वयन तक 10 रुपये प्रति लीटर के अंतरिम समर्थन मूल्य की भी मांग की। इसके अलावा, प्रदर्शनकारियों ने सरकार से स्थानीय रूप से खरीदे गए दूध पर लेवी को खत्म करने और किसानों से मवेशियों के चारे के लिए मक्का की सीधी खरीद सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर लिखित आश्वासन नहीं देती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। कर्नाटक सरकार ने 25 जून,

2024 को राज्य में दूध की कीमत में 2 रुपये की वृद्धि की थी, जिसमें प्रत्येक पैकेट में 50 मिली दूध जोड़ा गया था। हालांकि, इस कदम की आल-ोचना भी हुई। नंदिनी दूध के सबसे लोकप्रिय नीले पैकेट की कीमत अब 42 रुपये से बढ़कर 44 रुपये हो गई है। कीमतों में संशोधन की घोषणा के बाद मीडिया से बात करते हुए केएमएफ के प्रबंध निदेशक नाइक ने कहा कि केएमएफ को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा गुजरात और महाराष्ट्र में दूध की कीमत प्रति लीटर 56 रुपये है, केरल में यह 54 रुपये है, जबकि आंध्र प्रदेश में यह 58 रुपये है। अन्य राज्यों की तुलना में हमारी दर 16 रुपये कम है। नंदिनी के किसी भी अन्य उत्पाद की कीमत में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

बस कंडक्टर पर हमला मामला

लड़की ने कंडक्टर पर अभद्र टिप्पणी करने की शिकायत की: पुलिस आयुक्त

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी में एक बस ड्राइवर और कंडक्टर पर हमले के बाद चार लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद पुलिस ने शनिवार को कहा कि उन्हें लड़कियों की तरफ से भी एक शिकायत मिली है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कंडक्टर ने उन पर अभद्र टिप्पणी की।

बेलगावी के कमिश्नर लाडा मार्टिन ने कहा कि एक शिकायत मिली थी, जिसमें पीड़ित ने कहा था कि उसके साथ 4-5 लोगों के एक समूह ने मारपीट की थी, जिनकी बस में भाषा के अंतर के कारण उससे बहस हुई थी। अर्ध-शहरी सीबीटी-सुलेभावी बस में सवार एक लड़का और लड़की ने कथित तौर पर कंडक्टर को धमकी दी थी क्योंकि वह मराठी में बात करने में सक्षम नहीं था और इसके बाद, अपने साथियों को बुलाया और हमला किया। बस कंडक्टर अलग-अलग भाषा में बात कर रहा था और यात्री अलग-अलग भाषा में। शिकायत के आधार पर, पहले ही चार लोगों को हिरासत में लिया जा

चुका है, और पुलिस और पूछताछ कर रही है। उन्होंने कहा हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या कोई और व्यक्ति इसमें शामिल है। मामला दर्ज कर लिया गया है और कार्रवाई भी की जा रही है। इसी बीच लड़की ने भी शिकायत दर्ज कराई है कि बहस के दौरान, बस कंडक्टर ने कुछ अभद्र टिप्पणी की और उसे धमकी दी। इसलिए, उसकी शिकायत के आधार पर मामला भी दर्ज किया गया है। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि पुलिस ने मामले में तेजी से कार्रवाई की। रेड्डी ने कहा पुलिस ने कार्रवाई की और अदालत ने आरोपी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कानून कार्रवाई करेगा। कांग्रेस विधायक और केएसअ-ारटीसी के अध्यक्ष एनए हारिस ने कहा कि जो कुछ भी हुआ है वह सही नहीं है। हर स्थानीय व्यक्ति को कन्नड़ में बात करने की कोशिश करनी चाहिए। अगर आपको कन्नड़ नहीं आती है, तो आपको उस व्यक्ति पर हमला नहीं करना चाहिए जो आपको ऐसा करने के लिए कह रहा है। यह उचित नहीं है। सरकार ने कार्रवाई की है, और उन्हें गिरफ्तार किया गया है। हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे क्योंकि यह स्वीकार्य नहीं है। केएसआरटीसी कंडक्टर महादेव हुक्केरी, जिस पर हमला किया गया था, ने कहा कि बहस के बाद बस में 6-7 लोगों ने उन पर हमला किया। बस में एक महिला और एक पुरुष बैठे थे, बस में अधिकांश यात्री महिलाएँ थीं, मैं टिकट बाँट रहा था, कर्नाटक में महिलाओं के लिए बस की सवारी मुफ्त है। पुरुष के साथ बैठी महिला ने दो मुफ्त टिकट माँगे, मैंने उसे एक दिया और पूछा, आप दूसरा टिकट किसके लिए चाहते हैं, उसने उस आदमी की ओर इशारा किया। लेकिन, मैंने उन्हें बताया कि कर्नाटक में बस में पुरुषों के लिए सवारी मुफ्त नहीं है। फिर उन्होंने मुझे मराठी में बात करने के लिए कहा, लेकिन मुझे मराठी नहीं आती और उनसे कन्नड़ में बात करने के लिए कहा। बस में सवार 6-7 लोगों ने मुझ पर हमला किया। जब बस रुकी, तो वहां करीब 50 लोग थे और उन्होंने भी मेरी पिटाई की। विवाद के बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन भी हुए।

जो लोग ब्रांड बेंगलूरु नहीं बना सकते, वे ग्रेटर बेंगलूरु क्या बनाएंगे: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि बीबीएमपी चुनाव स्थगित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था का उल्लंघन है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अब वह ग्रेटर बेंगलूरु की बात कर रहे हैं। जो लोग इसे ब्रांड बेंगलूरु कहते थे, वे अब ग्रेटर बेंगलूरु क्यों चले गए? उन्होंने सवाल किया जो लोग ब्रांड बेंगलूरु नहीं बना सकते, वे ग्रेटर बेंगलूरु क्या बनाएंगे? बेंगलूरु को सात भागों में बांटना सही कदम नहीं है। उन्होंने आपत्ति जताई कि आप ग्रेटर बेंगलूरु बनाकर केम्पेगौड़ा द्वारा निर्मित बेंगलूरु को नष्ट करने जा रहे हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि यह बेंगलूरु को एकजुट रखने और उसका अच्छा विकास करने की नीति नहीं है। विघटनकारी लोग पहले ही आ चुके हैं और उन्होंने बेंगलूरु को नष्ट कर दिया है। उन्हें जो भी करना है, वे कर रहे हैं। हमें ऐसी चीजों को रोकना होगा और बेंगलूरु को और भी सुरक्षित बनाना होगा। यह सब छोड़कर आप इसे छह या सात भागों में बांटने जा रहे हैं और छह या सात मेयर बनाने जा रहे हैं। क्या बेंगलूरु को बनाने वालों को मौका नहीं दिया जाना चाहिए। नारायणस्वामी ने सरकार पर इस मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने पूछा अगर भगवान भी बेंगलूरु को नहीं बचा सके तो आपका काम क्या है? ऐसे में आपको इस्तीफा दे देना चाहिए। हम बेंगलूरु को आपसे बेहतर बना सकते हैं। डी.के. शिवकुमार के इस बयान के बारे में पूछे गए सवाल पर कि बेंगलूरु का विकास असंभव है, उन्होंने कहा, जो लोग कुछ नहीं कर सकते, वे कमजोर लोगों के समान हैं। वे झूठ बोलकर और यह कहकर सत्ता में आए कि वे यह करेंगे, वह करेंगे। वे अभी तक गारंटी से बाहर नहीं निकल पाए हैं। उन्हें यह एहसास हो गया है कि यह गारंटी हमें लंबे समय तक सुरक्षित रखेगी। उन्होंने कहा कि गारंटियों की वारंटी पहले ही समाप्त हो चुकी है। आज सीमा पर कन्नड़ लोगों पर हमला हुआ। वहाँ दंगा चल रहा है। आपकी प्रशासनिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। आप कानून और व्यवस्था बनाए रखने में असमर्थ हैं। एक ओर पुलिस थानों पर पथराव और आगजनी हो रही है। आप मुझे यह प्रमाण पत्र दे रहे हैं कि वह मेरा भाई है, है ना? अब अपने भाइयों को कुछ सलाह दो। शुक्रवार को कोरमंगला में सामूहिक बलात्कार की घटना हुई। पुलिस ने भी इस घटना को अलग-अलग आयाम दिए हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि बदनामी रुक नहीं रही है और नए आयाम स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई स्थिति नहीं है जहां लोग आपकी सरकार से सर्वश्रेष्ठ की अपेक्षा करें। मुख्यमंत्री अचंभित हैं। उनका मूड अभी तक नहीं बदला है। मुडा उन्हें सता रहा है। समस्या यहीं नहीं रुकती। आप जिससे चाहें, उससे प्रमाण-पत्र ले लें। इस देश का कानून खत्म नहीं हुआ है। अदालतें अच्छी तरह काम कर रही हैं और न्याय देने का अपना काम कर रही हैं। उन्होंने चुनौती दी कि आप मुडा मामले में जेल जाने से बच नहीं सकते।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, पूर्व मंत्री मदन मुणोत, साधु साध्वी सेवा समिति चेयरमैन कपिल काल्या, सह चेयरमैन अर्चित पारेख, कमलेश कोटाड़िया आदि ने पन्यास प्रवर श्री धैर्यसुंदरजी के दर्शन किए तथा श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624 वें जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया। संगठन के मंत्री नीरज कटारिया ने संगठन की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। गुरुदेव ने जैन एकता का परिचय देते हुए वैज्ञानिक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।*

विपक्ष की गलत सूचना के बावजूद कर्नाटक की अर्थव्यवस्था मजबूत: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के तहत वित्तीय कुप्रबंधन के विपक्ष के दावों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा द्वारा अलग तस्वीर पेश करने के प्रयासों के बावजूद राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भाजपा नेताओं, जिनमें राज्य इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र और पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई शामिल हैं, के आरोपों का जवाब देते हुए सिद्धरामैया ने विपक्ष पर आर्थिक पतन के झूठे दावों के साथ जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। सिद्धरामैया ने कहा उनके बयानों के विपरीत, कर्नाटक की अर्थव्यवस्था स्थिर है और आगे बढ़ रही है। वास्तविक वित्तीय तनाव भाजपा के शासन में हुआ, जिसने सार्वजनिक कार्यों, सिंचाई और शहरी विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 2.70 लाख करोड़ रुपये के अवैतनिक बिलों को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने उचित बजटीय आवंटन के बिना 1.66 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को भी मंजूरी दी। सीएम ने इस बात

पर प्रकाश डाला कि भाजपा के कार्यकाल के दौरान, आर्थिक कुप्रबंधन ने कर्नाटक को वित्तीय अस्थिरता की ओर धकेल दिया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के शासन में पिछले दो वर्षों में राज्य की औसत बजट वृद्धि 18.3 प्रतिशत रही है, जो भाजपा के चार साल के शासन के दौरान दर्ज की गई 5 प्रतिशत वृद्धि से काफी अधिक है। सिद्धरामैया ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर कर्नाटक के वित्तीय हितों की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया, जीएसटी मुआवजे की वापसी के कारण 18,000-20,000 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व नुकसान होने का हवाला दिया। इसके बावजूद, उन्होंने पुष्टि की कि राज्य सरकार ने राजकोषीय अनुशासन बनाए रखा है, घाटे को 3 प्रतिशत से नीचे और कुल देनदारियों को जीएसडीपी के 25 प्रतिशत के भीतर रखा है। उन्होंने कहा हमारा पूंजीगत व्यय महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे प्रगतिशील राज्यों की तुलना में अधिक मजबूत है। हम अपने वादों को पूरा कर रहे हैं, गारंटी योजनाओं में 52,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर रहे हैं और प्रत्यक्ष लाभ और सब्सिडी में सालाना 90,000 करोड़ रुपये प्रदान कर रहे हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए सिद्धरामैया ने भाजपा पर सत्ता में रहते हुए कर्नाटक को विफल करने और अब गलत सूचना का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा उनकी साजिशों के बावजूद कर्नाटक मजबूती से खड़ा है। हम लोगों के लिए प्रतिबद्ध हैं और केंद्र से राज्य के हक का हिस्सा पाने के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। विपक्ष से झूठ फैलाना बंद करने का आग्रह करते हुए सीएम ने बेबुनियाद राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय कर्नाटक की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

यह सम्मान का पैसा है

इससे पहले सांसद बसवराज बोम्मई ने गारंटी की आलोचना करते हुए कहा कि यह राजनीतिक लाभ के लिए एक योजना है। यह लोगों और माताओं की आंखों में धूल झोंकने की योजना है। वे पूछते हैं कि गृहलक्ष्मी का पैसा वेतन है या नहीं। यह सम्मान का पैसा है। अगर यह हर महीने नहीं दिया जाता है, तो इसका मतलब है कि इसका सम्मान नहीं किया जाता है। राज्य सरकार लड़कियों का सम्मान करने में विफल रही है। किसी भी महीने गृहलक्ष्मी का पैसा ठीक से नहीं आया है। राज्य सरकार की वित्तीय व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। हालांकि, सीएम अहंकार के कारण इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं। यहां शुक्रवार को पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा केवल गारंटी ही नहीं, बल्कि किसी भी विकास परियोजना के लिए पैसा नहीं है। ऋण आधारित परियोजनाओं को छोड़कर, कुछ भी नहीं है। उन्होंने पेयजल परियोजना के लिए पैसा न देकर लोगों को परेशानी में डाल दिया है। आम लोगों के इस्तेमाल की सभी चीजों के दाम बढ़ गए हैं। वे कर वसूलने और गारंटी के रूप में उसे वापस करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, राज्य सरकार इस मामले में पूरी तरह से विफल रही है। कांग्रेस अपनी प्रशासनिक विफलता को छिपाने के लिए उदयनगर दंगों और मैसूरु में आंतरिक अशांति की बात कर रही है। वह विकास नहीं करना चाहती।

अगर वे अत्याचार करेंगे तो हम उन्हें उचित सबक सिखाएंगे : कर्नाटक रक्षण वेदिके

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक रक्षण वेदिके ने कहा कि कन्नड़ सीखें और कन्नड़ की तरह जियें। साथ ही उन्होंने दूसरे राज्य के कन्नड़ विरोधियों को कड़ी चेतावनी दी है कि यदि वे हिंसा का सहारा लेंगे तो उन्हें उचित सबक सिखाया जाएगा। मंच के राज्य अध्यक्ष टी.ए. नारायण गौड़ा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बेलगावी में मराठी में बात न करने पर सरकारी बस कंडक्टर पर हुए हमले के संबंध में चेतावनी जारी की है। मराठी गुंडों ने महादेव नामक एक बस कंडक्टर पर इसलिए क्रूरतापूर्वक हमला कर दिया क्योंकि वह मराठी के बजाय कन्नड़ में बात कर रहा था। हम इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बेलगावी पुलिस को महादेवा पर हमला करने वाले सभी लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजना चाहिए। अन्यथा परिणाम भयंकर होंगे। कन्नड़ लोग मित्रवत और शांतिप्रिय हैं और हम उन लोगों को बर्दाश्त नहीं कर सकते जो बिना कारण हम पर हमला करते हैं। उन्होंने इस बात पर अपना आक्रोश व्यक्त किया कि भाषा के प्रति जुनूनी मराठी गुंडों ने बेलगावी को उनसे छीनने के अपने सभी प्रयास विफल होने के बाद हताश होकर अब कन्नड़ लोगों पर हमला करने जैसा घृणित कृत्य किया है। अगर पुलिस ने उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो कन्नड़ लोगों का गुस्सा चरम पर पहुंच जाएगा। उन्होंने पुलिस से आग्रह किया कि वे किसी भी तरह के संघर्ष को बढ़ावा दिए बिना पहले गुंडों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। भगवान महादेवा, जिन पर हमला हुआ है, को जल्दी स्वस्थ करें। कर्नाटक रक्षण वेदिके उनके साथ रहेगी। हमारे बेलगावी जिला अध्यक्ष दीपक गुडागनट्टी सहित हमारे पदाधिकारी पहले ही महादेवा से मिल चुके हैं और अपनी संवेदना व्यक्त कर चुके हैं। उसने साहसी काम किया है। केएसआरटीसी के चालकों और परिचालकों को इस घटना से चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि ऐसे कायरों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। जो लोग कर्नाटक की धरती पर रहते हैं उन्हें कन्नड़ सीखना चाहिए और कन्नड़िगा की तरह रहना चाहिए। इसके अलावा, यदि वे अपनी भाषा सीखने की चेतावनी देकर अत्याचार करना शुरू करते हैं, तो कर्नाटक रक्षण वेदिके उन्हें करारा सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि यह मेरी सीधी चेतावनी है।

मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बोम्मई से किया सवाल

बजट आकार से सात गुना अधिक लागत के कार्यों को मंजूरी देना कितना सही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने तत्कालिन भाजपा सरकार पर राज्य की जनता पर बजट आकार से सात गुना अधिक लागत के कार्यों को मंजूरी देने के लिए निशाना साधा है। साथ ही आश्वासन दिया है कि भाजपा सत्ता में वापस नहीं आएगी।

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की आलोचना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अब बसवराज बोम्मई सर्व सम्पन्न जैसी बातें कर रहे हैं। बोम्मई, जो कहते हैं कि हमारी सरकार लोगों के साथ गलत कर रही है, अगर उनमें कम से कम अंतरात्मा होती, तो वे ऐसा नहीं बोलते। बोम्मई, आपने मुख्यमंत्री के रूप में क्या किया है? अगर हम पूछेंगे तो आप जवाब देने में हिचकिचाएंगे। जब आप मुख्यमंत्री थे तो इस राज्य के लिए आपका क्या योगदान था? क्या आप जवाब देंगे? बोम्मई, मुझे यह सच्चाई पता थी कि आप 2023 में सत्ता में नहीं लौटेंगे। तो, पद छोड़ने से पहले, आपने बजट लागत से 7 गुना

अधिक लागत वाले कार्यों को मंजूरी दी। काम करने वाले ठेकेदार को भुगतान कौन करेगा? क्या आपको इस बात का अहसास नहीं था कि आपने अपने खजाने से अप्रासंगिक कार्यों के भुगतान को मंजूरी दी थी? क्या यह लोगों के मुंह में कीचड़ डालना नहीं है? बोम्मई, जब आप मुख्यमंत्री थे, तो क्या आपने कभी केंद्र सरकार के कर अन्याय के बारे में आवाज उठाई थी? क्या आपने कभी मोदी सरकार द्वारा राज्य के साथ किए जा रहे अन्याय के बारे में आवाज उठाई है? क्या मोदी के सामने पीठ झुकाकर खड़े होना आपकी उपलब्धि नहीं है? क्या यह लोगों के मुंह में कीचड़ डालना नहीं है? बोम्मई, हमारी सरकार ने गारंटी योजनाओं के लिए 58 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। कृपया ध्यान रखें कि ये गारंटी योजनाएं राज्य में कई घरों के चिराग रोशन कर रही हैं। क्या आपके नेतृत्व वाली सरकार के दौरान एक भी जनहितैषी कार्यक्रम लागू किये जाने का उदाहरण है? उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा क्या सरकारी खजाने को लूटना आपकी सरकार का गौरव नहीं है?

ट्रम्प के बयान का मामला

प्रहलाद जोशी ने कांग्रेस और वामपंथियों पर विदेशी मिलीभगत का आरोप लगाया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने शुक्रवार शाम को दावा किया कि भारत को चुनाव फंडिंग के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई टिप्पणी और बाद में इस सहायता को बंद करने से उन आरोपों की पुष्टि होती है कि वामपंथी और कांग्रेस देश की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ काम कर रहे थे। यहां पत्रकारों से बात करते हुए जोशी ने कहा हमें नहीं पता कि इतनी बड़ी धनराशि क्यों दी गई। इससे पहले हमारे एक सांसद ने भी इसका जिक्र किया था। उस समय आरोप था कि कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के लिए बाहरी मदद मांगी थी। राष्ट्रपति ट्रंप का बयान और उसके बाद इस सहायता को रोकना उन आरोपों की पुष्टि करता है। जोशी ने आरोप लगाया वामपंथी और कांग्रेस भारत के चुनावों को प्रभावित

करने के लिए विदेशी एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। मंत्री ने विदेशी ताकतों की कथित संलिप्तता की निंदा करते हुए कहा यह इन दलों द्वारा किया गया सबसे शर्मनाक कृत्य है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। यहां तक कि सैम पित्रोदा के बयान को लेकर भी वे अब खुद को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन जब भी उनके लिए परिस्थिति कठिन होती है, तो वे ऐसा ही करते हैं। जोशी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए दावा किया, मैं आपको याद दिला दूं कि जब राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष थे, तब उन्होंने अपनी पार्टी के लिए चीन से धन स्वीकार किया था। डोकलाम गतिरोध के दौरान राहुल गांधी ने चीनी राजदूत से मुलाकात की थी।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा अगर आप हालिया इतिहास को याद करें - मैं 50 साल पहले की बात नहीं कर रहा हूं, बल्कि बहुत हालिया समय की बात कर रहा हूं, कांग्रेस पार्टी भारत के चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए बाहरी एजेंसियों और विदेशी फंड का इस्तेमाल करने का प्रयास करती रही है। उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

बेंगलूरु में भाजपा की बैठक के बारे में पूछे जाने पर जोशी ने स्पष्ट किया कि वह इसमें शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा चूंकि मुझे चंडीगढ़ जाना है, इसलिए मैं बेंगलूरु नहीं जाऊंगा। राज्य के नेताओं को कर्नाटक में भ्रष्ट सरकार के खिलाफ लड़ाई पर चर्चा करने दें। हमारे राज्य पदाधिकारी इस मामले पर विचार-विमर्श करेंगे और सर्वोत्तम रणनीति तय करेंगे। ग्रेटर बेंगलूरु परियोजना के मुद्दे पर जोशी ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा, हम ग्रेटर बेंगलूरु की अवधारणा का कड़ा विरोध करते हैं। दिल्ली में हमारा अनुभव, जिसे चार भागों में विभाजित किया गया था, विफल साबित हुआ है। अन्य शहरों में भी इसी तरह का विभाजन असफल रहा है। इस संदर्भ में, हम इसका विरोध करते हैं। हम बेंगलूरु का समर्थन करते हैं, जैसा कि इसके संस्थापक केम्पे गौड़ा ने कल्पना की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर 2012 में भारत में मतदान के लिए यूएसएआईडी द्वारा दिए गए 21 मिलियन डॉलर के फंड पर सवाल उठाया है, इसे रिश्वत योजना कहा है।

रिपब्लिकन गवर्नरों से बात करते हुए, ट्रम्प ने अपने दावों के लिए कोई सबूत दिए बिना कहा, मुझे क्या परवाह है? हमारे पास अपनी खुद की बहुत सारी समस्याएं हैं। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि इस तरह के फंड अक्सर उन्हें आवंटित करने वालों को वापस दिए जाते हैं और उन्होंने बांग्लादेश में राजनीतिक सुधारों के लिए 29 मिलियन डॉलर के अनुदान पर भी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि उनके प्रशासन ने इन खर्चों को समाप्त कर दिया है, उन्हें बेकार करार दिया है।

राज्य सरकार ने गारंटी योजनाओं को नहीं किया है बंद: सतीश जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि राज्य सरकार ने गारंटी योजनाएं बंद नहीं की हैं। गृह लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों को पैसा देने में कुछ महीनों की देरी हो सकती है। आने वाले दिनों में दोनों महीनों का पैसा एक साथ मिल सकता है। यहां शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा सरकार के स्तर पर फंड देने में देरी होना स्वाभाविक है। देरी के बावजूद पैसा देना बंद नहीं हुआ है। उन्होंने कहा डी.के. शिवकुमार शुरू से ही मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं। सीएम और केपीसीसी अध्यक्ष के बदलाव पर हाईकमान फैसला लेगा। मैं केपीसीसी अध्यक्ष पद का आकांक्षी नहीं हूं। समय आने पर अगला फैसला लूंगा। केपीसीसी अध्यक्ष नियुक्त करने का अधिकार हमारे

पास नहीं है, यह हाईकमान देखता है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि केपीसीसी अध्यक्ष में बदलाव होगा। यह तुरंत नहीं हो सकता है, लेकिन बाद में होगा। उन्होंने कहा कि हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि यह कब होगा। यह नहीं कहा जा सकता कि केंद्र की भाजपा सरकार मुडा मामले में ईडी एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है। इसे साबित नहीं किया जा सकता। कोई सबूत नहीं है। सीएम की 14 साइटें ही राजनीति में सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। उन्होंने सवाल किया कि इस तरह से 2,000 साइटें आवंटित की गई हैं, उस पर कोई चर्चा क्यों नहीं हो रही है। इससे पहले लोकायुक्त ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के अवैध भूमि अधिग्रहण मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों को क्लीन चिट दे दी है, जिससे राज्य की राजनीति में भारी हलचल मच गई है। मामले की जांच करने वाले मैसूरु के लोकायुक्त एस.पी. उदेश ने गुरुवार को बेंगलूरु स्थित विशेष जनप्रतिनिधि न्यायालय के न्यायमूर्ति संतोष गजानन भट की पीठ को सीलबंद लिफाफे में लगभग 11,200 पृष्ठों की रिपोर्ट सौंपी। अदालत ने अगली सुनवाई आगामी सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी है। पुलिस ने 50 लोगों के बयान दर्ज किए हैं और 27 खंडों वाली 11,200 पृष्ठों वाली जांच रिपोर्ट को बी रिपोर्ट बताया है। जांच में पाया गया कि साइट आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की कोई भूमिका नहीं थी। इसके अलावा, आरोपों के समर्थन में साक्ष्य के अभाव के कारण बी-रिपोर्ट भी दायर की गई। लोकायुक्त ने इस संबंध में शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि सीएम सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती, उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी और सिद्धरामैया के बेटे यतींद्र के खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला है। इससे पहले कर्नाटक लोकायुक्त ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के सदस्यों को क्लीन चिट दे दी है। सिद्धरामैया को मामले में पहला आरोपी बनाया गया था, जबकि उनकी पत्नी बी एम पार्वती और उनके साले मल्लिकार्जुनस्वामी को क्रमशः दूसरा और तीसरा आरोपी बनाया गया था। भूस्वामी जे देवराजू को चौथा आरोपी बनाया गया था। आरोपों में दावा किया गया था कि सिद्धरामैया ने 3.16 एकड़ भूमि के बदले में मुडा से अपनी पत्नी के नाम पर 14 साइटों का आवंटन धोखाधड़ी से हासिल किया। हालांकि, जांच के बाद लोकायुक्त ने सभी आरोपियों को गलत काम करने से मुक्त कर दिया।

एक सप्ताह के भीतर जमा की जाएगी गृह लक्ष्मी निधि: मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने घोषणा की कि गृह लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के लिए निधि एक सप्ताह के भीतर उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी। बेलगावी में अपने गृह कार्यालय में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि निधि तालुक पंचायतों के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में जारी की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया राशि वितरित करने में थोड़ी देरी हुई क्योंकि मैं सड़क दुर्घटना के कारण आराम कर रही थी। हालांकि, मैंने पहले ही अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं, और जल्द ही निधि जमा कर दी जाएगी। अब तक, निधि बेंगलूरु में केंद्रीय कार्यालय के माध्यम से वितरित की जा रही थी। हालांकि, विकेंद्रीकरण प्रयास के हिस्से के रूप में, सरकार ने

तालुक पंचायतों के माध्यम से निधि जारी करने का फैसला किया है, जिसे बाद में विभाग में बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ) के खातों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा मैंने निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर धनराशि जारी कर दी जाए। विपक्ष पर निशाना साधते हुए हेब्बालकर ने भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा विपक्ष केवल बात करना जानता है। उन्होंने दावा किया कि गारंटी योजनाएं सरकार को दिवालिया बना देंगी, लेकिन बाद में अन्य राज्यों में चुनाव जीतने के लिए उन्हीं योजनाओं की नकल की। भुगतान में देरी से कई क्षेत्रों में लाभार्थियों में व्यापक असंतोष पैदा हो गया था, जिससे विपक्षी नेताओं की चर्चा और आलोचना हुई, जिन्होंने इस मुद्दे का इस्तेमाल सरकार पर हमला करने के लिए किया।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

विश्वविद्यालयों को बंद करने का निर्णय मूर्खता की पराकाष्ठा

सरकार विश्वविद्यालयों को बंद करने के बजाय जिलों में शिक्षा सुधारने पर ध्यान केंद्रित करे: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वित्तीय आधार पर राज्य के 9 विश्वविद्यालयों को बंद करने का निर्णय मूर्खता की पराकाष्ठा है। भाजपा ने चेतावनी दी है कि हम ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों का भविष्य बनाने वाले विश्वविद्यालयों को बंद नहीं होने देंगे और इसके खिलाफ बड़े पैमाने पर लड़ाई लड़ेंगे। यहां आयोजित एक बैठक में विभिन्न विश्वविद्यालयों के परिषद सदस्यों और एबीवीपी नेताओं ने भाग लिया और विश्वविद्यालयों को बंद करने के सरकार के फैसले का विरोध किया। विजयेन्द्र ने कहा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उप-समिति द्वारा वित्तीय कमी के नाम पर 9 विश्वविद्यालयों को बंद करने का निर्णय मूर्खतापूर्ण है। विजयेंद्र ने चेतावनी दी कि सरकार को तुरंत यह निर्णय वापस ले लेना

चाहिए। अन्यथा राज्यव्यापी संघर्ष छेड़ना पड़ेगा। सरकार का यह फैसला शर्मनाक है। राज्यपाल को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। लोगों पर ऊंचे कर थोपने और गारंटी खत्म न होने देने का प्रयास कर रही सरकार को पिछड़े क्षेत्रों के बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए स्थापित विश्वविद्यालयों को बंद नहीं करना चाहिए, बल्कि सीएसआर अनुदान और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के जरिए उनका विकास किया जाए। इस बीच, उन्होंने विश्वविद्यालय बंद होने की निगरानी के लिए गठित उपसमिति पर सवाल उठाए और समिति में अकादमिक विशेषज्ञों की कमी पर चिंता व्यक्त की। इन विश्वविद्यालयों की स्थापना राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की सिफारिशों के आधार पर की गई थी, जिसकी उप-समिति ने विश्वविद्यालयों को बंद करने का सुझाव दिया था। लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि खराब गुणवत्ता वाले निजी विश्वविद्यालयों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। विकेंद्रीकरण के बाद विश्वविद्यालयों में सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि हुई है। विश्वविद्यालयों को बंद करने से सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को लाभ होगा। जो विश्वविद्यालय अब बंद होने वाले हैं वे चामराजनगर, हावेरी और कोप्पल जिलों में हैं, जहां लोगों को पहले से ही शिक्षा तक पहुंच नहीं है। अभी विश्वविद्यालयों को बंद करने से स्थिति और खराब हो जाएगी। इसलिए सरकार विश्वविद्यालयों को बंद करने के बजाय जिलों में शिक्षा सुधारने पर ध्यान केंद्रित करे।

पीड़ित किसानों की पीड़ा को कम करना होगा

इससे पहले विजयेन्द्र ने कहा था कि राज्य सरकार को जागने की जरूरत है। हमें गारंटी के भ्रम से उबरना होगा और बिजली की समस्या से पीड़ित किसानों की पीड़ा को कम करना होगा। पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छह से सात घंटे पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने में असमर्थ है। किसानों को बिजली कब मिलेगी? ऐसा लगता है जैसे आपको कभी पता ही नहीं कि यह कब चला जाएगा। विभाग का कहना है कि वे रात 10 बजे से बिजली उपलब्ध कराएंगे। किसानों ने शिकायत की कि वे खेतों में काम कर रहे हैं, फिर भी उन्हें 12 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। उन्होंने किसानों को संकट में डालने के लिए सरकार की आलोचना की और कहा कि राज्य सरकार को बिजली की कमी होने पर अन्य राज्यों से खरीद की संभावना के लिए तैयार रहना चाहिए। बिजली कटौती के कारण किसानों को और अधिक कठिनाई में नहीं धकेला जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि किसानों की समस्याओं का समाधान किया जाए।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

परकला मुख्य सड़क पर एक दुखद दुर्घटना में एक कार चालक की मौत हो गई, जो सड़क पार करते समय दूसरे वाहन की चपेट में आ गया। मृतक की पहचान रमेश नायक (55) के रूप में हुई है। वह अपनी गाड़ी पार्क करके एक दुकान के पास सड़क पार करने की कोशिश कर रहा था, जहां वह कुछ देर के लिए रुका था, तभी उसे एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसका शरीर काफी दूर तक घसीटा गया और उसके जूते सड़क पर बिखरे मिले। उसके सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे काफी खून बह गया और खून के छींटे सड़क के दूसरी तरफ तक पहुंच गए। राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह स्थान एक कुख्यात ब्लैक स्पॉट बन गया है, जहां कई पैदल यात्रियों की मौत की खबरें हैं। केंद्रीय डिवाइडर की अनुपस्थिति और ठेकेदारों द्वारा अधूरे सड़क निर्माण कार्य ने क्षेत्र में दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या में योगदान दिया है। इस जंक्शन पर अब तक कम से कम पांच पैदल यात्री अपनी जान गंवा चुके हैं। शेदिगुड्डे निवासी रमेश नायक अपनी पत्नी को ड्यूटी के लिए पास के अस्पताल में छोड़कर लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शिवमोग्गा की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने नायक को सड़क पार करते समय टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद स्थानीय निवासियों ने घायल व्यक्ति को उसी वाहन से मणिपाल अस्पताल पहुंचाने में मदद की जिसने उसे टक्कर मारी थी।

मेकेदातु परियोजना को लागू करने के लिए संगठित प्रयास: सांसद मंजूनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु ग्रामीण के सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ ने कहा मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ध्यान में मेकेदातु परियोजना को मंजूरी देने का मुद्दा लाया है, जिसे राज्य द्वारा बेंगलूरु और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल समस्या को हल करने के लिए तैयार किया गया है। राज्यसभा सदस्य एचडी देवेगौड़ा, जो जेडीएस सुप्रीमो भी हैं, ने भी सत्र में परियोजना के कार्यान्वयन की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

विभिन्न कारणों से अनुमति में देरी हुई है। हालांकि, हम राजनीतिक मतभेदों को अलग रख रहे हैं और परियोजना को लागू करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं। केंद्र सरकार के नवीनतम बजट में, स्वास्थ्य, संरक्षण, कृषि उत्पादकता और शिक्षा को उच्च प्राथमिकता दी गई है। किसान सम्मान योजना के तहत किसानों को 6,000 रुपये की सीधी सहायता प्रदान की जा रही है। रागी और धान सहित 23 कृषि

उत्पादों के लिए समर्थन मूल्य तय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि फसल बीमा योजना के तहत रामनगर जिले में 2.60 करोड़ रुपये का दावा किया गया है। जनधन योजना के तहत देशभर में 73 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं। देश में यूरिया उत्पादन को प्राथमिकता देने वाली सरकार ने बजट में असम में 22 लाख टन यूरिया उत्पादन का कारखाना शुरू करने की घोषणा की है। इससे निजी कारखानों पर निर्भरता कम होगी। यूपीए सरकार के कार्यकाल में रेलवे के लिए राज्य को 835 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। मोदी सरकार के कार्यकाल में 7,564 करोड़ रुपये जारी किए गए और विभिन्न कार्य किए गए। चन्नपटना और रामनगर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के लिए 51 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। बिदादी रेलवे स्टेशन के उन्नयन के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने कहा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की लड़कियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कदम उठा रही सरकार ने उन्हें अपना खुद का व्यवसाय स्थापित करने के लिए 2 करोड़ रुपये तक का ऋण देने की घोषणा की है। हरोहल्ली के लिए पहले से ही घोषित ईएसआई अस्पताल की आधारशिला जल्द ही रखी जाएगी। पीएम योजना के तहत देश में और अधिक केंद्रीय विद्यालय स्थापित किए जाएंगे।

भाजपा गुटबाजी के बीच हाईकमान का फैसला होगा दिलचस्प

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा में मचे घमासान के बीच विपक्षी गुट ने खुलेआम प्रदेश अध्यक्ष पद को बदलने की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र को बदलने की मांग की है। लेकिन राज्य भाजपा में मचे घमासान के बीच अब पार्टी आलाकमान ने अहम फैसला लिया है। इस बीच, क्या भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र को बढ़त मिलेगी? इस प्रश्न का उत्तर कुछ ही दिनों में उपलब्ध हो जाएगा। इसके बाद भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के नेतृत्व वाली बागी टीम पूरी तरह से शांत हो गई है और यतनाल का अगला कदम भी कौतूहल का विषय बन गया है।

कमल खेमे में चर्चा चल रही है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के चयन के लिए चुनाव कराया जाएगा। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व, असंतुष्टों के विरोध के बावजूद, कर्नाटक में नई परंपरा शुरू करने के लिए इच्छुक नहीं है, इसलिए उसने वर्तमान अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र

को ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जारी रखने का फैसला किया है। भाजपा के इतिहास में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए होड़ का उदाहरण पहले कभी नहीं रहा। इसलिए कहा जा रहा है कि भाजपा आलाकमान ने इस परंपरा को न तोड़ने का फैसला किया है। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने मतपत्र के जरिए नए अध्यक्ष का चुनाव करने की मांग की है। विपक्ष के बीच भाजपा विधायक बसवनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा बी.वाई. विजयेंद्र के खिलाफ एक सक्षम नेतृत्व वाले उम्मीदवार को मैदान में उतारने पर चर्चा चल रही है। इस मुद्दे को लेकर रमेश जारकीहोली और बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के नेतृत्व वाले गुट में महत्वपूर्ण बैठकें हो चुकी हैं। इस प्रकार, कर्नाटक में भाजपा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होने की संभावना दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है, और कहा जा रहा है कि केंद्रीय नेतृत्व ने वर्तमान अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र को अगले तीन साल के कार्यकाल के लिए जारी रखने पर सहमति व्यक्त की है। यह लगभग तय है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति बिना चुनाव के ही होगी। इस बात की प्रबल संभावना है कि विजयेंद्र भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने रहेंगे। अब चूंकि नेता प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने के पक्ष में नहीं हैं, इसलिए सवाल यह उठ खड़ा हुआ है कि प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा। अब यह समझा जा रहा है कि विजयेंद्र के इस पद पर बने रहने की अधिक संभावना है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया इस महीने के अंत तक होगी। इसके तहत 50 प्रतिशत राज्यों में अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया पूरी होनी चाहिए। कई राज्यों में जिला एवं प्रदेश अध्यक्षों की सूची प्रकाशित की जाएगी। साथ ही, इसकी आधिकारिक घोषणा फरवरी के अंतिम सप्ताह में की जाएगी, जो कि बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और उनकी टीम के लिए एक बड़ा झटका होगा, जो विजयेंद्र में बदलाव के लिए दबाव बना रहे थे। पूर्व सीएम येदियुरप्पा के गृह निर्वाचन क्षेत्र शिकारीपुरा से पहली बार जीते विधायक विजयेंद्र के लिए प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी लोहे की मुट्ठी की तरह थी। कमल खेमे में गुटबाजी की राजनीति पर विराम लगाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व ने पहले ही केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को कर्नाटक में भाजपा के संगठनात्मक चुनावों का प्रभारी नियुक्त किया है। इस बीच, कहा जा रहा है कि विजयेंद्र द्वारा यह विश्वास जताए जाने के बाद कि वह प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सत्ता में बने रहेंगे, भाजपा नेता जल्द ही चुनावों पर रोक लगाने की योजना बना रहे हैं। यतनाल, जो विजयेंद्र के खिलाफ ऊंची आवाज में बोल रहे थे, अचानक चुप हो गए हैं। दो दिन पहले ही यतनाल ने मीडिया पर निशाना साधते हुए दावा किया था कि सभी नोटिस विजयेंद्र द्वारा बनाए गए हैं। क्या आपने नोटिस का जवाब दिया का सही उत्तर दिए बिना ही चले गए। इन सभी घटनाक्रमों को देखते हुए यह स्पष्ट है कि रिबेल टीम को झटका लग रहा है। यतनाल के नेतृत्व में विद्रोही टीम ने अगली लड़ाई पर चर्चा की। लेकिन कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकला है। लेकिन आलाकमान से अपेक्षित प्रतिक्रिया न मिलने से विद्रोही टीम में निराशा भी पैदा हुई है। यह स्पष्ट है कि विजयेंद्र अपना धैर्य नहीं खो रहे हैं, भले ही यतनाल और उनकी टीम सीधे तौर पर विजयेंद्र पर हमला कर रही है। यह स्पष्ट है कि विजयेन्द्र चुपचाप अपनी रणनीति पर प्रयोग कर रहे हैं।

अपमानजनक टिप्पणी को लेकर प्रताप सिम्हा के खिलाफ मामला दर्ज

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर युवा कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष सैयद अबरार ने पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ उदयगिरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अपमानजनक बयान दिया है। शिकायत में कहा गया है कि प्रताप सिम्हा ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि मुस्लिम समुदाय अपनी जनसंख्या बढ़ा रहा है और अधिक बच्चे पैदा कर रहा है। उन्होंने भड़काऊ बयान दिए, जिससे मुस्लिम समुदाय के लोगों का अपमान हुआ।

राजभवन बनाम सरकार के बीच फिर टकराव?

तीन विधेयक लौटा दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आने वाले दिनों में राजभवन और सरकार के बीच टकराव और विधायिका और कार्यपालिका के बीच लड़ाई के संकेत मिल रहे हैं। सरकार ने कार्यपालिका के प्रमुख राज्यपाल की शक्तियों को लगभग पूरी तरह से समाप्त कर दिया है तथा उन्हें कुछ विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों के मुख्य अतिथियों तक सीमित कर दिया है। इससे नाराज राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने सरकार द्वारा भेजे गए तीन विधेयक लौटा दिए हैं। राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा भेजे गए कर्नाटक ग्रामीण विकास और पंचायत राज विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2024 को सरकार को लौटाते हुए कहा कि यह संशोधन भ्रामक है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन लाने की बजाय सत्ता हथियाने का प्रयास है। उन्होंने जो अन्य दो विधेयक वापस भेजे, वे थे मैसूरु प्राधिकरण विकास विधेयक-2024 और कर्नाटक वित्तीय संस्थानों में जमाकर्ताओं के हितों का संरक्षण (संशोधन) विधेयक-2024। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने राज्य में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के प्रसार को रोकने के लिए राज्य सरकार के अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए बिना और कई स्पष्टीकरण मांगे बिना उसे वापस भेज

दिया था। अध्यादेश केवल उधारकर्ताओं की सुरक्षा पर केंद्रित है। सामान्य कानून के अंतर्गत उधारदाताओं को कोई संरक्षण नहीं है। यह दीर्घकाल में घातक होगा। माइक्रोफाइनेंस 3 लाख रुपये से अधिक का ऋण प्रदान नहीं करता है। राज्यपाल ने सरकार से पूछा था कि वे पांच लाख रुपये का जुर्माना कैसे लगाएंगे। सामान्यतः, राज्यपाल प्रत्येक राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में कार्य करते थे। राज्यपाल कुछ प्रशासनिक निर्णय लेते थे, जिनमें कुलपतियों की नियुक्ति, सिंडिकेट सदस्यों की नियुक्ति और विश्वविद्यालयों में कार्य का प्रबंधन शामिल था। यह स्पष्ट है कि जब भी सरकार ने धीरे-धीरे राज्यपाल की शक्तियों में कटौती शुरू की, राज्यपाल ने भी अपनी शक्तियों का प्रयोग करना शुरू कर दिया। आखिरकार, राज्यपाल द्वारा भेजा गया कर्नाटक ग्रामीण विकास और पंचायत राज विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक विपक्षी दलों के विरोध के बावजूद बेलगावी में शीतकालीन सत्र में पारित हो गया। अब तक राज्यपाल विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में कार्य करते थे। लेकिन संशोधित संस्करण में मुख्यमंत्री विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं और सिंडिकेट सदस्यों सहित प्रत्येक प्रशासनिक निर्णय उनकी जिम्मेदारी है। अर्थात् राज्यपाल के पास जो शक्तियाँ थीं, उन्हें धीरे-धीरे सरकार छीन रही थी और केवल इन विश्वविद्यालयों में आयोजित होने वाले वार्षिक दीक्षांत समारोहों में ही राज्यपाल के पास शक्तियाँ होती थीं। इससे पहले, तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल सहित कुछ ही राज्यों की सरकारों और राजभवन के बीच टकराव चल रहा था। ऐसे भी आरोप लगे हैं जहां कुछ राज्यपाल, जिनमें वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीश धनकड़, तमिलनाडु के रवि और केरल के आरिफ मोहम्मद खान शामिल हैं, यह भूल गए कि वे कार्यपालिका के प्रमुख हैं और उन्होंने पार्टी के मुखपत्र की तरह व्यवहार किया है। विशेष रूप से, तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने सरकार द्वारा भेजे गए कई विधेयकों पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया और उन्हें वापस लौटा दिया। अंततः मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने सॉलिसिटर जनरल के माध्यम से राज्यपाल को अप्रत्यक्ष रूप से चेतावनी दी कि वे आग से न खेलें। अन्य राज्यों की तुलना में कर्नाटक में ऐसे कई राज्यपालों के उदाहरण हैं जिन्होंने अनुकरणीय शासन दिया है। जब बी.एस. येदियुरप्पा राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब हंसराज भारद्वाज के व्यवहार को लेकर सार्वजनिक स्तर पर आलोचना हुई थी। वजुभाई वाला, के. रोसैया, रामेश्वर ठाकुर, टी.एन. चतुर्वेदी, रमादेवी, खुर्शीद आलम खान आदि सहित कई लोगों ने बिना किसी विवाद के शासन किया और प्रसिद्ध हुए। राजभवन और विधायिका के बीच टकराव कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है, जब से राज्यपाल ने कैबिनेट के फैसले की अवहेलना करते हुए मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके परिवार के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है।

भाषा को लेकर विवाद के बाद बस चालक और कंडक्टर पर हमला, 4 गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तर पश्चिमी कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के बस चालक और कंडक्टर पर बेलगावी में भाषा को लेकर विवाद के बाद युवकों के एक समूह ने कथित तौर पर हमला किया। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को सुलेभवी के पास हुई। अर्बन सीबीटी-सुलेभवी बस में सवार एक लड़के और लड़की ने कथित तौर पर कंडक्टर को धमकाया क्योंकि वह मराठी में बात नहीं कर पा रहा था, और इसके बाद, उन्होंने अपने साथियों को बुलाया जिन्होंने बालेकुंडरी में उन पर हमला किया। इससे तनाव बढ़ गया, जिसके कारण कंडक्टर पर हमला हुआ, और उसे अंदरूनी चोटें आईं। मारहल पुलिस ने हमले के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में मारुति तुरुमुरी, राहुल नायडू और बालू गोजागेकर शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रोहन जगदीश ने बेलगावी के बीआईएमएस अस्पताल का दौरा किया और कंडक्टर के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। कंडक्टर ने कहा कि मराठी न जानने के कारण उसके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि जब कंडक्टर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने गया तो उसे समझौता करने की सलाह दी गई। डीसीपी रोहन जगदीश ने आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जाएगी और उचित कार्रवाई की जाएगी। तीनों आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। पिछले साल कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा था कि कन्नड़ भाषा, भूमि और जल की रक्षा करना हर कन्नड़िगा की जिम्मेदारी है और उन्होंने राज्य के सभी लोगों से भाषा सीखने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृभाषा बोलना गर्व की बात होनी चाहिए। सिद्धरामैया ने कहा हर किसी को कर्नाटक में रहने वाले लोगों के साथ कन्नड़ में बात करने का फैसला करना चाहिए। यह शपथ लेनी चाहिए कि कन्नड़ के अलावा कोई दूसरी भाषा नहीं बोली जाएगी। कन्नड़ लोग उदार हैं। यही वजह है कि कर्नाटक में ऐसा माहौल है कि दूसरी भाषा बोलने वाले लोग भी कन्नड़ सीखे बिना रह सकते हैं। तमिलनाडु, आंध्र या केरल जैसे राज्यों में ऐसी स्थिति नहीं देखी जा सकती। वे सिर्फ अपनी मातृभाषा में बात करते हैं। हमें भी अपनी मातृभाषा में बात करनी चाहिए। इस पर हमें गर्व होना चाहिए।

टाटा के हाथ में एयर इंडिया बेहतर हुई होगी, आज यह भ्रम टूट गया : चौहान

नई दिल्ली/ भोपाल, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को शनिवार को भोपाल से नयी दिल्ली के लिए एयर इंडिया की एक उड़ान में अपनी आवंटित सीट टूटी और धंसी मिली और इसको लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि आज उनका यह भ्रम टूट गया कि टाटा समूह के हाथ में जाने के बाद इस एयरलाइन की सेवा बेहतर हुई होगी।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और अब केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मंत्री श्री चौहान ने डिजिटल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में लिखा कि उन्हें आज भोपाल से दिल्ली आना था और पूसा में किसान मेले का उद्घाटन, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के माननीय प्रतिनिधियों के साथ बैठक में भाग लेना था।

उन्होंने एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-346 का टिक लिया था।

उन्होंने टूटी सीट को लेकर जब विमानकर्मियों से बात की तो उन्हें बताया गया कि इसकी सूचना एयरलाइन के प्रबंधन को पहले ही दी जा चुकी थी और कहा गया था कि उक्त सीट का टिकट न बेचा जाए लेकिन सभी सीटों के टिकट बेच दिए गए थे। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह यात्रियों के साथ धोखा नहीं है?

श्री चौहान ने लिखा, मैंने एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक एआई436 में टिकिट करवाया था, मुझे सीट क्रमांक 8सी आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी। बैठना तकलीफदायक था।

उन्होंने लिखा, जब मैंने विमानकर्मियों से पूछा कि खराब सीट थी तो आवंटित क्यों की? उन्होंने बताया कि प्रबंधन को पहले सूचित कर दिया था कि ये सीट ठीक नहीं है, इसका टिकट नहीं बेचना चाहिए। ऐसी एक नहीं और भी सीटें हैं।

उन्होंने कहा कि विमान में अन्य यात्रियों ने उनके लिए अपनी सीट छोड़ने का प्रस्ताव किया पर उन्होंने विनम्रता पूर्वक कहा कि वह किसी अन्य को तकलीफ देने के बजाय टूटी सीट पर यात्रा करना श्रेयस्कर समझेंगे। उन्होंने लिखा, मैं अपने लिए किसी और मित्र को तकलीफ क्यों दूं, मैंने फैसला किया कि मैं इसी सीट पर बैठकर अपनी यात्रा पूरी करूंगा।

केंद्रीय मंत्री ने लिखा, मेरी धारणा थी कि टाटा प्रबंधन के हाथ में लेने के बाद एयर इंडिया की सेवा बेहतर हुई होगी, लेकिन ये मेरा भ्रम निकला। उन्होंने कहा, मुझे बैठने में कष्ट की चिंता नहीं है, लेकिन यात्रियों से पूरा पैसा वसूलने के बाद उन्हें खराब और कष्टदायक सीट पर बैठाना अनैतिक है। क्या ये यात्रियों के साथ धोखा नहीं है?

उन्होंने सवाल किया है कि क्या आगे किसी यात्री को ऐसा कष्ट न हो, इसके लिए एयर इंडिया प्रबंधन कदम उठाएगा या यात्रियों की जल्दी पहुंचने की मजबूरी का फायदा उठाता रहेगा?

एयर इंडिया की शुरुआत आजादी से पहले टाटा समूह ने ही की थी । बाद में इसको सरकार ने अपने हाथ में ले लिया था।

लम्बे समय तक वित्तीय बदहाली और बदइंतजामी में पिसती रही इस एयरलाइन को सरकार ने इसे टाटा समूह को बेच दिया। जनवरी 2022 से इसका संचालन-परिचालन टाटा समूह के हाथ में है।

केंद्र सरकार ने कोचिंग सेंटरों पर कसा शिकंजा, छात्रों को वापस मिले 1.56 करोड़

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) ने शिक्षा क्षेत्र में 600 से अधिक उम्मीदवारों और छात्रों के लिए 1.56 करोड़ की राशि का रिफंड सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। सिविल सेवा, इंजीनियरिंग कोर्स और अन्य कार्यक्रमों के लिए कोचिंग सेंटरों में नामांकित इन छात्रों को पहले कोचिंग संस्थानों द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन करने के बावजूद उचित रिफंड से वंचित किया गया था।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार यह राहत छात्रों द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एन-सीएच) के माध्यम से दर्ज की गई शिकायतों के माध्यम से संभव हुई, जिसने विवाद समाधान के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया की सुविधा प्रदान की। विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई ने छात्रों को अधूरी सेवाओं, देरी से कक्षाओं या रद्द किए गए पाठ्यक्रमों के लिए मुआवजा प्राप्त करने में मदद की है।

अपने निर्णायक निर्देश में उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सभी कोचिंग सेंटरों को छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया है, जिसमें छात्रों के वित्तीय हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट, पारदर्शी रिफंड नीतियों को अनिवार्य किया गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वैध रिफंड दावों को अस्वीकार करने की अन्यायपूर्ण प्रथा को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, शैक्षिक संस्थानों से उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने का आग्रह किया है।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने अपने सक्रिय प्रयासों के माध्यम से शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने और छात्रों को उनके उपभोक्ता अधिकारों के बारे में शिक्षित करने, अनुचित व्यवहार के मामले में कार्रवाई करने के लिए उन्हें सशक्त बनाने के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है।

भारतीय सैन्य दल का जापान के साथ सैन्य अभ्यास धर्म रक्षक के लिए प्रस्थान

नई दिल्ली 22 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय सेना का एक दल शनिवार को जापान में द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास धर्म रक्षक के लिए प्रस्थान किया जिसमें 120 सैन्य कर्मी शामिल हैं।

रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह अभ्यास सोमवार 24 फरवरी से 09 मार्च तक पूर्वी फूजी युद्धाभ्यास प्रशिक्षण क्षेत्र में संचालित किया जाएगा। इस दल में मुख्य रूप से मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के सैनिक हैं।

यह वार्षिक सैन्य अभ्यास एक दूसरे के यहां बारी-बारी से आयोजित किया जाता है और इस बार इसकी छठी कड़ी जापान में आयोजित की गयी है। पिछला 'धर्म रक्षक' अभ्यास गत वर्ष

फरवरी-मार्च में राजस्थान में हुआ था।

इस बार इसमें जापानी सेना का प्रतिनिधित्व उसकी 34वीं पदाति रेजिमेंट के सैनिक करेंगे। इस बार के अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित निर्देशों के अनुसार नगर-क्षेत्र के युद्धों और आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए दोनों सेनाओं के बीच अच्छे से अच्छा पारस्परिक समन्वय बढ़ाना है।

भारत के थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पिछले वर्ष 14 से 17 अक्टूबर तक जापान की यात्रा की थी।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि धर्म रक्षक अभ्यास दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करेगा।

हवा हवाई रह गई संस्कृति का सम्मान करने और शराब से बचने की अपील

संस्कृति की रक्षा वाला साइन बोर्ड ही उठा ले गए अधिकारी

जम्मू, 22 फरवरी (ब्यूरो)।

श्रीनगर के व्यस्ततम शहर लाल चौक के व्यापारियों ने आने वाले पर्यटकों से अपील की है, उनका खुले दिल से स्वागत करते हुए उनसे शराब और नशीले पदार्थों का सेवन न करने का आग्रह किया है। ट्रेडर्स एसोसिएशन, सेंट्रल लाल चौक ने जिम्मेदार पर्यटन और स्थानीय संस्कृति के सम्मान को प्रोत्साहित करने वाले संदेश वाले साइनबोर्ड और बिलबोर्ड लगाए थे जिन्हें आज प्रशासन ने जबरदस्ती हटा दिया जिसको लेकर लोगों में गुस्सा भी है और नाराजगी भी।

नए लगाए गए साइनबोर्ड पर लिखा है, प्रिय पर्यटकों, आपका स्वागत है। ट्रेडर्स एसोसिएशन, सेंट्रल लाल चौक आपको धरती पर हमारे स्वर्ग की सुंदरता का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है! एक यादगार और आनंददायक यात्रा के लिए, हम आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं, अपने परिवार से प्यार करें और उसका ख्याल रखें। शराब, नशीले पदार्थों, सड़कों पर थूकने और धूम्रपान से बचें। हमारी संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करें। धन्य रहें और हमारे आकर्षक शहर में अपने समय का आनंद लें।

पत्रकारों से बात करते हुए ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बिलाल अहमद ने कहा कि इस पहल की शुरुआत इलाके में पर्यटकों द्वारा शराब पीने और खासकर अपने परिवारों के साथ लड़ाई करने की लगातार घटनाओं के बाद की गई है। बिलाल अहमद ने कहा कि अक्सर लाल चौक के दुकानदारों को नशे में धुत पर्यटकों को अपने परिवारों से झगड़ते हुए देखा जाता है। महिलाएं और बच्चे परेशान हो जाते हैं, अक्सर उन्हें रोते और सदमे में देखा जाता है। मेज़बान के तौर पर हम सभी आगंतुकों का स्वागत करते हैं, लेकिन हम उनसे शराब पीने से बचने का आग्रह करते हैं ताकि सभी के लिए शांतिपूर्ण और सुखद माहौल सुनिश्चित हो सके।

एसोसिएशन के महासचिव शिरार अहमद मीर ने भी इस कदम का समर्थन किया और कहा कि सभी पर्यटकों के लिए सुरक्षित और आनंददायक अनुभव प्रदान करते हुए शहर के सांस्कृतिक लोकाचार को बनाए रखना एक साझा जिम्मेदारी है। व्यापारियों को उम्मीद है कि उनका संदेश जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देगा और आगंतुकों को घाटी में अपने प्रवास का आनंद लेते हुए कश्मीर की परंपराओं का सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इस बीच कश्मीर के मुख्य मौलवी और हुर्रियत प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक ने शनिवार को कहा कि यह अजीब और दुर्भाग्यपूर्ण है कि श्रीनगर के लाल चौक में ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा लगाया गया साइनबोर्ड, जिसमें पर्यटकों को शराब से बचने के लिए कहा गया था, अधिकारियों द्वारा जब्त कर लिया गया है। मीरवाइज ने नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाले साइनबोर्ड को हटाने पर सवाल उठाया। वे कहते हैं कि इस साइनबोर्ड को क्यों जब्त किया गया? पर्यटकों से स्थानीय संस्कृति का सम्मान करने, शराब और नशीली दवाओं के इस्तेमाल से बचने और शहर को साफ रखने का आग्रह करने में वास्तव में क्या गलत है? लाल चौक के दुकानदारों ने मुझे इस बारे में बताया। मुख्य मौलवी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि क्या नैतिक मूल्यों और शालीनता को बढ़ावा देना अब कश्मीर में अपराध है?

रेलवे ने महाकुंभ के दौरान 14 हजार से ज्यादा ट्रेनों का संचालन किया

नई दिल्ली 22 फरवरी (एजेंसियां)।

रेलवे ने महाकुंभ में तीर्थयात्रियों को लाने और ले जाने के लिए 14 हजार से ज्यादा ट्रेनों का संचालन किया है जिससे अभी तक 14 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं को कुंभ में पवित्र स्नान करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

रेलवे सूत्रों के अनुसार महाकुंभ के लिए यात्रियों द्वारा प्रयुक्त 92 फीसदी ट्रेनें मेल, एक्सप्रेस, सुपर-फास्ट, पैसेंजर और मेमू श्रेणी की रहीं जबकि 472 राजधानी और 282 वंदे भारत ट्रेनें संचालित हुईं।

सूत्रों के अनुसार 50 प्रतिशत ट्रेनें उत्तर प्रदेश से शुरू हो के प्रयागराज क्षेत्र के नौ स्टेशनों को आयीं जबकि दिल्ली से 11 प्रतिशत, बिहार से 10 प्रतिशत और महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य

प्रदेश, राजस्थान और गुजरात जैसे अन्य राज्यों से तीन से छह प्रतिशत ट्रेनें आईं। सूत्रों ने कहा कि आस्था के महापर्व प्रयाग तीर्थ के संगम तट पर चल रहे महाकुंभ में ऐसे तो तमाम विभागों और एजेंसियां अपनी-अपनी भूमिकाएं निभाईं हैं लेकिन इसमें रेलवे की भूमिका निस्संदेह अग्रणी है।

सूत्रों ने कहा कि रेलवे ने जिस तरह पूरे देश भर से तीर्थयात्रियों को प्रयाग की पुण्यभूमि तक पहुंचने में मदद की, वह न सिर्फ अभूतपूर्व है, बल्कि रेल संचालन की दृष्टि से कई मामलों में अन-ोखा रिकार्ड भी बना है। एक अनुमान के मुताबिक करीब डेढ़ माह के इस आयोजन में अब तक 12 से 15 करोड़ तीर्थयात्रियों ने ट्रेन यात्रा का लाभ उठाया है। यानी महाकुंभ के करीब एक चौथाई तीर्थयात्रियों ने प्रयागराज या अग़ल बग़ल के प्रमुख शहरों तक पहुंचने में ट्रेनों का उपयोग किया।

सूत्रों के अनुसार महाकुंभ के आयोजन से बहुत पहले से ही रेलवे अपनी कार्ययोजना को मूर्त रूप देने में जुट गया था। इसके तहत देश के विभिन्न हिस्सों से तीर्थयात्रियों की अनुमानित संख्या के हिसाब से ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई गई। साथ ही महाकुंभ को दौरान भीड़ बढ़ने की स्थिति में आपात योजना भी बनाई गई। आम दिनों में ट्रेनों में रहने वाली भीड़ के मद्देनजर रेलवे ने इसके लिए विशेष उपायों को अपनाया। इसके तहत किसी एक रूट, ट्रेन या बड़े स्टेशन पर दवाब को हटाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए। तीर्थयात्रियों की संख्या और मांग के अनुरूप एक के बाद एक विशेष ट्रेनें चलाई गईं।

सूत्रों ने बताया कि महाकुंभ की शुरुआत से लेकर अब तक 13 हजार 667 ट्रेनें तीर्थयात्रियों को लेकर प्रयागराज और उसके अन्य स्टेशनों तक पहुंचीं। इनमें 3468 विशेष ट्रेनों की शुरुआत कुंभ क्षेत्र से हुई तथा 2008 ट्रेनों कुंभ क्षेत्र में बाहर से आयीं। बाक़ी 8211 नियमित ट्रेनें थीं। शहर में प्रयागराज समेत कुल नौ स्टेशन हैं, जहां ट्रेनों का आवागमन हुआ। अकेले प्रयागराज स्टेशन पर ही पांच हजार 332 ट्रेनों से श्रद्धालुओं ने आवागमन किया। जबकि सूबेदारगंज से 4313 ट्रेनें, नैनी स्टेशन से 2008, छिवकी से 1993, प्रयाग से 1326, फाफामऊ से 1010, प्रयागराज रामबाग से 764 और प्रयागराज संगम से 515 ट्रेनें चलाईं गईं।

कश्मीर में जल विद्युत उत्पादन में 90 प्रतिशत की कमी

85 फीसदी बिजली बाहर से खरीदने को मजबूर

जम्मू, 22 फरवरी (ब्यूरो)।

जल विद्युत उत्पादन में भारी कमी के बीच जम्मू कश्मीर वर्तमान में 85 प्रतिशत से अधिक कोयले और सौर ऊर्जा पर निर्भर हो चुका है। पावर डेवलपमेंट के अधिकारियों का दावा है कि स्थानीय बिजली संयंत्रों से स्थानीय जल विद्युत उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है।

पीडीडी के एक शीर्ष अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि वर्तमान में जम्मू-कश्मीर 85-90 प्रतिशत कोयले और सौर ऊर्जा पर निर्भर है, जिसे अन्य राज्यों से खरीदा जा रहा है, क्योंकि अभी तक हमारे पास स्थानीय बिजली उत्प-ादन नहीं है। अधिकारी ने बताया सर्दियों में जम्मू कश्मीर बिजली संयंत्रों की स्थानीय जल विद्युत उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है और अपेक्षित बिजली की मांग को पूरा करने के लिए, हमें एक आधार बिजली की उपलब्धता की आवश्यकता है जिसे हम बाहरी राज्यों से खरीदते हैं। ऊर्जा कोयला आधारित ऊर्जा है।

अधिकारी ने आगे कहा कि विभाग पहले से ही अन्य राज्यों के साथ विभिन्न बिजली खरीद समझौते (पीपीए) कर रहा है। अधिकारी के बकौल, पिछले साल हमने शक्ति नीति के तहत 390 मेगावाट से अधिक कोयला

आधारित बिजली के पीपीए में प्रवेश किया था। भविष्य में जम्मू कश्मीर में बिजली की मांग को पूरा करने के लिए अधिक कोयला आधारित बिजली और अधिक पीपीए में प्रवेश करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2024 और चालू वर्ष में स्थानीय जल विद्युत उत्पादन में भारी कमी है। सर्दियों में स्थानीय बिजली उत्प-ादन के लिए स्थिति अच्छी नहीं है। गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में बताया था कि पिछले एक महीने में, कम बर्फबारी और कम जल स्तर के कारण जम्मू कश्मीर में बिजली संयंत्रों से जल विद्युत उत्पादन में पांच प्रतिशत की कमी आई है।

कुल मिलाकर, जम्मू कश्मीर में स्थानीय संयंत्रों से जल विद्युत उत्पादन में 84.17 प्रतिशत की कमी आई है। जनवरी के महीने में, विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) स्थानीय जल विद्युत परियोजनाओं से लगभग 250 मेगावाट बिजली पैदा कर रहा था, जो कुल उत्पादन क्षमता का 20 प्रतिशत है। हालांकि, चालू महीने में बिजली उत्पादन में पांच प्रतिशत की कमी आई है। अधिकारी कहते हैं कि बिजली उत्पादन में और कमी आई है। अधिकारियों का कहना है कि चालू महीने में विभाग केवल 190 मेगावाट बिजली ही पैदा कर पाया है। इसके अलावा, अधिकारियों ने कहा है कि वर्ष 2034-35 में जम्मू कश्मीर को वार्षिक बिजली की 29 प्रतिशत जबरन लोड शेडिंग' का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, उन्होंने आगे अनुमान लगाया है कि आने वाले दस वर्षों में जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बिजली की मांग की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) में चार प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की संभावना है।

कल से दिल्ली विधानसभा का सत्र शुरू 70 नवनिर्वाचित विधायक लेंगे शपथ

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

हाल ही में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाले सभी 70 नवनिर्वाचित विधायक 24 फरवरी से शुरू हो रही दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र में सदस्य के तौर पर शपथ लेंगे। यह सत्र 24 फरवरी से शुरू होकर 27 फरवरी तक चलेगी। तीन दिवसीय सत्र में विधानसभा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव भी किया जाएगा।

24 फरवरी (सोमवार) को सुबह 11 बजे नई विधानसभा का पहला सत्र शुरू होगा। इस दौरान नवनिर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ दिलाएंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर लवली को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। जब तक विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं हो जाता, वह प्रोटेम स्पीकर के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगे।

24 फरवरी को दोपहर 2 बजे विधानसभा स्पीकर का चुनाव किया जाएगा।

25 फरवरी को विधानसभा के इस सत्र में उपराज्यपाल वीके सक्सेना का अभिभाषण होगा। इसके बाद विधानसभा के पटल पर सीएजी रिपोर्ट रखी जाएगी। एलजी के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता धन्यवाद प्रस्ताव पेश करेंगी।

27 फरवरी को सदन में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद विधानसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

बता दें कि जो सदस्य 24 फरवरी को शपथ लेने में असमर्थ हैं, वे बाद में विधान सभा की किसी भी बैठक में सचिव को सुबह 11 बजे तक तक सूचना देकर शपथ ले सकेंगे।

इसके अलावा तय तिथि के अनुसार ही विधानसभा की बैठकें चलेंगी, जब तक कि विधानसभा अध्यक्ष अन्य कोई निर्देश न दें।

ज्ञात हो कि आठवीं विधानसभा के पहले सत्र में 25 फरवरी को दिल्ली की भाजपा सरकार सीएजी रिपोर्ट पेश कर अपने उस वादे को पूरा करेगी, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने किया था। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान विपक्ष में बैठी भाजपा ने मांग की थी कि सीएजी रिपोर्ट को पेश किया जाए। लेकिन, रिपोर्ट पेश नहीं की गई थी।

दूसरी ओर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में पहली कैबिनेट की बैठक में सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा हुई थी। इस दौरान 14 सीएजी रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत करने की योजना बनाई गई थी। दिल्ली की भाजपा सरकार ने इस दौरान दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को भी मंजूरी दी थी।

गोला में सीएम योगी ने रखी शिव मंदिर कॉरिडोर की आधारशिला

काशी विश्वनाथ धाम की तरह बनेगा भव्य कॉरिडोर

लखीमपुर खीरी, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को न केवल शिव मंदिर कॉरिडोर बल्कि पूरे जिले के लिए 4500 करोड़ से अधिक की 373 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। मंदिर के प्रधान पुजारी दिनेश मिश्र की उपस्थिति में रामदेव मिश्र शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्यमंत्री से कॉरिडोर का शिलान्यास कराया। उसके बाद मुख्यमंत्री ने राजेंद्र गिरि स्टेडियम में जनता का अभिवादन करते हुए सभा की।

मुख्यमंत्री ने महाशिवरात्रि से पहले कॉरिडोर के शिलान्यास को स्वयं के लिए सौभाग्य का अवसर बताया। कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं है। जिला खीरी अब पिछड़ा नहीं रहा। आने वाले दिनों में प्रदेश के विकसित जिलों में गिना जाएगा।

शनिवार को कुंभी में बलरामपुर चीनी मिल में बनाए जा रहे 2850 करोड़ की लागत से देश के पहले बायोप्लास्टिक प्लांट का शिलान्यास करके गोला में मुख्यमंत्री योगी पौराणिक शिव मंदिर पहुंचे। विधायक अमन गिरि, जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल के साथ भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महाशिवरात्रि से पूर्व बाबा गोकर्णनाथ के दर्शन और बाबा विश्वनाथ धाम की तर्ज पर भव्य कॉरिडोर का शिलान्यास का अवसर सौभाग्य से मिला है। लखीमपुर जिले में लगभग 4500 करोड़ की 373 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया है। रोजगार के क्षेत्र में 2850 करोड़ का पीएलए बायोप्लास्टिक प्लांट बलरामपुर चीनी मिल द्वारा लगाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही लखीमपुर विकास में काफी पिछड़ा था, लेकिन अब नहीं रहा। यहां अब दुधवा ही नहीं, छोटी काशी कॉरिडोर, पलिया में एयरपोर्ट बन रहा है। मेडिकल कॉलेज जीवन को सुगम भी करेगा और रोजगार का सृजन भी होगा। अब खीरी विकास के साथ स्प्रिचुअल और इको टूरिज्म में आगे बढ़ रहा है। खीरी में अब रोजगार की कमी नहीं रहेगी। सीएम योगी ने कहा कि जनपद में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रयास हो रहा है। नदियों को चैनलाइज किया जाएगा।

भारतीय रेलवे के माध्यम से जिले को कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है। जो नए युग की शुरुआत है। थारू जनजाति की संस्कृति और उनके हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए बढ़ाने के लिए भी प्रयास हो रहे हैं। सभा को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने भी संबोधित किया। संबोधन के बाद मुख्यमंत्री ने 11:55 बजे प्रयागराज के लिए प्रस्थान किया।

मुख्यमंत्री ने छोटी काशी के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि धार्मिक धरोहर एवं विरासत का जहां सुंदरीकरण किया जा रहा है, वहीं जीवन को सुगम बनाना सरकार का उद्देश्य है। कॉरिडोर निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति को विस्थापित किया जाएगा। जिनका घर गया है, उन्हें आवास उपलब्ध कराया जाएगा। कॉरिडोर में दुकान बनवाकर दुकानदारों को भी विस्थापित किया जाएगा।

देश के बंदरगाहों को स्मार्ट बनाएगा कानपुर आईआईटी

इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन के साथ हुआ समझौता

कानपुर, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

देश के बंदरगाहों को स्मार्ट बनाने का बीड़ा अब आईआईटी ने उठाया है। इसके लिए इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन (आईपीए) ने डिजिटल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत आईआईटी के सी3आई हब के साथ शनिवार को संस्थान परिसर में समझौता (एमओयू) किया है।

इसकी मदद से साइबर सुरक्षा नियंत्रण और प्रबंधन प्रणालियों को लागू किया जाएगा।

एमओयू के तहत बंदरगाह अधिकारियों और परिचालन टीमों के लिए विशेष साइबर सुरक्षा-संबंधी कौशल सेट विकसित करने और समुद्री क्षेत्र के लिए व्यापक साइबर सुरक्षा नीतियों को डिजाइन करने पर ध्यान केंद्रित होगा। आईपीए के चेयरमैन सुनील पा-लीवाल ने कहा कि यह समझौता भारतीय बंदरगाहों को विश्वस्तरीय स्मार्ट बंदरगाहों में बदलने में सहायक होगा। इसका लक्ष्य न केवल स्वचालन को आगे बढ़ाना है, बल्कि डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा करने वाले मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे को भी सुनिश्चित करना है। आईआईटी के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने कहा कि संस्थान को इस पहल का हिस्सा बनने पर गर्व है। आईपीए को सुरक्षित, स्मार्ट पोर्ट संचालन के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान और तकनीकी विशेषज्ञता में सहयोग किया जाएगा।

सी3आई हब के प्रोजेक्ट निदेशक प्रो. संदीप शुक्ला ने कहा कि जैसे-जैसे बंदरगाह अधिक डिजिटल और स्वचालित होते जा रहे हैं, साइबर सुरक्षा को भी समानांतर रूप से विकसित किया जाना चाहिए। कहा कि लक्ष्य समुद्री परिचालन में साइबर सुरक्षा के लिए वैश्विक मानक स्थापित करना है।

संभल के बिजली चोर सांसद पर लगा 1.91 करोड़ का जुर्माना

संभल, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर बिजली चोरी में लगे 1.91 करोड़ रुपए के जुर्माना मामले में 15 दिन का समय और मिल गया है। अब सात मार्च को सुनवाई होगी। बिजली विभाग से सांसद के अधिवक्ता ने समय दिए जाने के लिए शनिवार को प्रार्थनापत्र दिया था, जिस पर विभाग ने अब 15 दिन का समय और दे दिया है।

सात मार्च को अंतिम सुनवाई बताई जा रही है। इस तिथि तक सांसद को बिजली खपत के साक्ष्य देने हैं। यदि वह साक्ष्य नहीं देंगे तो अंतिम रिपोर्ट बनाई जाएगी और उसके अनुसार ही जुर्माना वसूलने की कार्रवाई आगे बढ़ेगी। अधिशासी अभियंता (विद्युत) नवीन गौतम ने बताया कि तीन नोटिस और तीन रिमाइंडर सांसद को दिए जा चुके हैं। साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने के लिए अंतिम सुनवाई सात मार्च को तय की गई है। मालूम हो 19 दिसंबर को सांसद जियाउर्रहमान बर्क के दीपा सराय स्थित आवास पर बिजली चोरी पकड़ी गई थी। 16 किलोवाट से ज्यादा भार की खपत मिलने पर 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। सांसद के आवास पर सांसद जियाउर्रहमान बर्क और पूर्व सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क के नाम से दो-दो किलोवाट के दो मीटर लगे मिले थे लेकिन इन मीटर का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा था। बाईपास कर बिजली चोरी हो रही थी। मीटर की एमआरआई करने पर कई महीने की खपत जीरो पाई गई थी। उसके बाद ही बिजली विभाग ने 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इसी जुर्माने मामले में सुनवाई बिजली विभाग में चल रही है।

सांसद के दीपा सराय स्थित मकान के अवैध निर्माण मामले में सुनवाई 24 फरवरी को होनी है। सात दिन का समय दिया गया था। वह सोमवार को पूरा हो रहा है। यह भी अंतिम सुनवाई मानी जा रही है। तीन बार नोटिस दिया गया है और तीन बार समय बढ़ा दिया गया है। सांसद के मकान में हुए अवैध निर्माण मामले में नियत प्राधिकारी, उपजिलाधिकारी विनियमित क्षेत्र संभल की ओर से नोटिस जारी किया गया था। इसमें कहा था कि बिना अनुमति निर्माण किया गया है। नक्शा भी पास नहीं कराया गया है। यह उत्तर प्रदेश रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 का उल्लंघन है। एसडीएम ने एक सप्ताह का समय दिए जाने के साथ अंतिम बार समय बढ़ाने की बात कही थी। इस सुनवाई के बाद ही अगली कार्रवाई तय की जाएगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महाकुंभ में लगाई हाजिरी

महाकुंभ नगर, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

पवित्र त्रिवेणी संगम में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सपरिवार आस्था की डुबकी लगाई। इससे पहले उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी और सतुआ बाबा संग भी संगम स्नान किया। वहीं नड्डा परिवार ने गंगा मइया को चुनरी अर्पित करके लोककल्याण की कामना भी की।

जेपी नड्डा परिवार समेत शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां महाकुंभ नगर के त्रिवेणी संकुल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इसके उपरांत सभी नेतागण अरैल घाट से फ्लोटिंग जेटी के जरिए संगम पहुंचे।

यहां बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अपने परिवार के साथ साइबेरियन पक्षियों को दाना खिलाया। इसके बाद उन्होंने सबसे पहले भाजपा नेताओं संग सामूहिक रूप से संगम स्नान किया, तदोपरांत पत्नी एवं परिजनों संग विधि-विधान से संगम में पावन डुबकी लगाई। इस दौरान संगम स्नान करने पहुंची जनता ने भी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जय श्रीराम और गंगा मइया की जय के जयघोष से अभिवादन किया।

स्नानोपरांत नड्डा परिवार, सीएम योगी और बीजेपी के अन्य नेत-ाओं ने विधि-विधान के साथ मां गंगा की पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता के कल्याण की कामना की। यहां से सभी नेतागण बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां लेटे हनुमान जी की सविधि पूजा-अर्चना की। वहीं इसके बाद सभी ने अक्षयवट के भी दर्शन-पूजन किए।

विश्व के आधे से ज्यादा सनातनियों ने लगाई त्रिवेणी संगम में डुबकी

महाकुंभ में अब तक 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

महाकुंभनगर, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहे दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ ने शनिवार को नया इतिहास रच दिया है। यहां अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। 60 करोड़ से अधिक की यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मनुष्य के अब तक के इतिहास की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया में कुल 120 करोड़ सनातनी हैं। इस लिहाज से महाकुंभ में दुनिया के आधे से अधिक सनातनी त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुके हैं। 26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या 65 करोड़ से भी ऊपर पहुंच सकती है। यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के सुव्यवस्थित प्रयासों से संभव हो पाया है। भारत की इस प्राचीन परंपरा ने अपनी दिव्यता और भव्यता से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया है।

महाकुंभ के महाआयोजन में 73 देशों के राजनयिक और भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक समेत तमाम देशों के अतिथि यहां अमृत स्नान करने पहुंचे। यही नहीं, मां जानकी के मायके नेपाल के 50 लाख से अधिक लोग अब तक त्रिवेणी के पवित्र जल में स्नान कर महाकुंभ के साक्षी बन चुके हैं। भारत एक धार्मिक देश है। यहां एक नहीं, बल्कि कई धर्मों को मानने वाले लोग एक साथ मिलकर रहते हैं। हालांकि, इसमें सबसे बड़ी संख्या सनातन धर्म को मानने वालों की है। वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू, प्यू रिसर्च के मुताबिक भारत की अनुमानित जनसंख्या 143 करोड़ (1.43 अरब) है। इसमें सनातन धर्मावलंबियों की संख्या लगभग 110 करोड़ (1.10 अरब) है। इसके साथ ही पूरी दुनिया में सनातन धर्मावलंबियों की संख्या 120 करोड़ है। इस तरह अगर स्नानार्थियों की संख्या की तुलना दुनिया भर के सनातनियों की संख्या से की जाए तो 50 प्रतिशत से भी ज्यादा लोग अब तक त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके हैं। यदि देश की कुल जनसंख्या से स्नानार्थियों की तुलना की जाए तो यह 55 प्रतिशत हो गई है। यानी देश की कुल जनसंख्या के करीब 55 प्रतिशत से ज्यादा लोग त्रिवेणी संगम में स्नान कर चुके हैं।

प्यू रिसर्च 2024 की रिपोर्ट मानें तो पूरी दुनिया में 120 करोड़ (1.2 अरब) आबादी सनातन धर्म को मानने वाली है।

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुंभ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुंभ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। बता दें कि उनका यह आकलन बीते 11 फरवरी को ही सच साबित हो गया था। वहीं शनिवार (22 फरवरी) को यह संख्या 60 करोड़ से भी ऊपर पहुंच गई है। अभी महाकुंभ के समापन में 05 दिन शेष हैं और महत्वपूर्ण महाशिव रात्रि का स्नान पर्व बचा है। पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की यह संख्या 65 करोड़ के ऊपर जा सकती है।

अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक करीब 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था। जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई। इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। वहीं माघी पूर्णिमा के महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर भी दो करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पावन स्नान किया।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने महाकुंभ को बताया शांति का संदेश

महाकुंभ नगर, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 में राजनीतिक हस्तियों का आगमन लगातार जारी है। इसी क्रम में तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने महाकुंभ में शामिल होकर गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम में श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने इसे सभ्यता का प्रतीक और शांति का संदेशवाहक बताया।

अन्नामलाई ने कहा, यह एक अद्वितीय स्थान है, जहां हमारी सभ्यता हजारों वर्षों से चलती आ रही है।

अब तक 60 करोड़ लोग यहां आ चुके हैं, पूरी तरह शांतिपूर्वक स्नान कर गंगा, यमुना और सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त किया है। उन्होंने महाकुंभ को केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि विश्व शांति का संदेशवाहक बताया। उन्होंने कहा, जब ये 600 मिलियन लोग वापस अपने घर जाएंगे, तो वे शांति और प्रेम का संदेश लेकर जाएंगे। इससे उनके घर, समाज और देश बेहतर बनेंगे और अंततः पूरी मानवता महान बनेगी।

महाकुंभ 2025 में अब तक कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां शामिल हो चुकी हैं। प्रयागराज में इस भव्य आयोजन के दौरान देश-विदेश के नेता, संत, विद्वान और भक्तगण बड़ी संख्या में उप-स्थित हो रहे हैं। अन्नामलाई ने इस आध्यात्मिक अनुभव को सम्पूर्ण मानवता के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि महाकुंभ का यह संदेश भारत के विभिन्न हिस्सों और दुनिया भर में गूंजेगा।

कर लो तैयारी पूरी!!!

अभी कुछ दिनों पहले ही तो क्लासेज शुरू हुईं थीं और अब एग्जाम का भूत आ गया है। अरे भई! ये यूनिट टेस्ट के नाम से तो गुस्सा आता है। है न। पर यह सब तो आपकी तैयारी के लिए ही लिए जाते हैं। तो फिर घबराना कैसा? जैसे बूंद-बूंद से सागर भरता है, वैसे ही थोड़ी-थोड़ी तैयारी से पूरा सिलेबस याद हो जाता है। मालूम है आप सबने कर ही ली होगी तैयारी। पर दोस्तो, थोड़ा रिवीजन करना तो बनता है न। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ जाएगा...

परीक्षाओं का डर तो मन से जाता ही नहीं। वैसे आप सब जानते हैं, बच्चे से लेकर बूढ़े तक सबके मन में इस शब्द ने डर भर रखा है। तो आपका डरना लाजिमी ही है। वैसे अब तक टेस्ट में पूछा जाने वाला सिलेबस आपने रट ही लिया होगा। क्या?...अभी रिवीजन बाकी है। हम्मम...वैसे रिवीजन करने का समय भी तो आ ही गया है। पर रिवीजन करते क्यों है? आखिर क्या जरूरत है इसकी?...अरे! समझ गए भई। रिवीजन करना चाहिए। हम भी यही कह रहे हैं। पर रिवीजन के रीजन को समझने की कोशिश करते हैं और इसे सही तरीके से करने के बारे में भी कुछ बातें करेंगे।

रिवीजन के कायदे

1. **इंटरैक्टिव स्टडी-** रिवीजन करने बहुत सारे तरीके हैं। जो सबसे ज्यादा लोग करते हैं वो है, नोट्स को कई दफा पढ़ना। सबसे कारगर तरीकों में से एक है, इंटरैक्टिव स्टडी। यानी की एक टॉपिक पर दो या फिर दो से ज्यादा लोग चर्चा कर के उस टॉपिक को तैयार करें।

2. **डायग्राम और थ्योरी-** इसके अलावा जिन विषयों में डायग्राम बनाए जाते हैं, उनकी भी तैयारी की जाती है। इन विषयों में सबसे पहले नाम आता है- विज्ञान और गणित का। पर इनके अलावा अन्य विषयों में भी चार्ट आदि बनाने की तैयारी की जाती है। वहीं हेडिंग और अंडरलाइन होने वाले बिन्दुओं को भी याद करना चाहिए। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के थ्योरियों को भी बारीबारी याद करना चाहिए।

3. **टाइम-टेबल बनाएं-** रिवीजन की शुरुआत में ही सब टाइम-टेबल बनाते हैं। इससे समय के अनुसार विषयों का विभाजन हो जाता है और सभी विषयों को समय दे पाते हैं। इस बार जब आप टाइम टेबल बनाएं तो उसे बड़े आकार की शीट पर बनाएं। इससे आपके साथ घर के अन्य लोग भी आपकी रूटीन से परिचित हो जाएंगे। और चूंकि सब जान जाएंगे, तो आप भी उसे पूरा करने के प्रति ज्यादा सजग होंगे।

4. **जल्दी से जल्दी-** रिवीजन की शुरुआत सुबह जितनी जल्दी कर सकें, करनी चाहिए। एक अंग्रेजी कहावत के अनुसार सबसे जल्दी उठने वाली चिड़िया को सबसे अच्छा भोजन मिलता है। इसका मतलब आप जितनी जल्दी अपनी तैयारी शुरू करेंगे, उतनी जल्दी ही इसे खत्म कर पाएंगे। दिन का टार्गेट पूरा हो जाएगा, तो बड़ी संतुष्टि मिलेगी।

इन सबके अलावा आप खेल के साथ भी कुछ तैयार कर सकते हैं। नहीं आया समझ में। कोई बात नहीं। इतिहास को याद करते वक्त आप दिन और वर्ष भूल जाते हैं। सच है न। इसे याद करने के लिए आप एक इतिहास के उस हिस्से का मंचन कर लीजिए। याद नहीं रहता। इसलिए जरूरी है ये मंचन का खेल। तो फिर कोई बाबर बन जाए और कोई लोधी का किरदार निभाए। इससे आप सबका मनोरंजन होने के साथ-साथ आपकी तैयारी भी हो जाएगी। है न कारगर उपाय।

तो फिर बैठिए मत। तैयारी कीजिए।

इसके फायदे

आपने जितना भी और जो भी पढ़ा है, वो आपको याद है भी या नहीं, इसकी जांच करना बेहद जरूरी है। इस जांच में आप अपने भाई-बहनों या फिर दोस्तों की भी मदद ले सकते हैं। अपने सिलेबस के किसी एक सब्जेक्ट का चयन करें और फिर अपने दोस्त या फिर भाई-बहन से कहें कि वो आपका छोटा-सा टेस्ट लें। इस टेस्ट में सफल होने पर आपके अंदर आत्मविश्वास खुद-ब-खुद ही आ जाएगा। वहीं कुछ टॉपिक्स को हम बहुत पहले पढ़ चुके होते हैं, तो यह सोच कर रह जाते हैं कि वो तो हमें याद ही है। लेकिन रिवीजन करते समय उन टॉपिक्स को भी दोहरा लिया जाता है। इससे आपकी तैयारी पुख्ता हो जाती है।

इस तरह करने से आपकी परीक्षा के लिए तैयार रहने की आदत पनप जाएगी और आप वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने में सफर रहेंगे।

एक केला हो जाए

टेनिस प्लेयर्स को जब ब्रेक मिलता है तो वो क्या करते हैं? कभी ध्यान दिया है। नहीं! कोई बात नहीं, वो झट से एक केला खा लेते हैं। दरअसल, केले में पोटैशियम की बहुत ज्यादा मात्रा पाई जाती है। और विशेषज्ञों का मानना है कि पोटैशियम से ऊर्जा का स्तर बढ़ता है। इसका मतलब जब भी आपको लगे कि आप थक से रहे हो तो फिर आप भी झट से एक केले का सेवन कर लें।

कविता

पेड़ की पुकार

मेरे हैं उपकार बहुत,
कुछ तो सोच-विचार करो।
पेड़ कहता मेरे ऊपर,
न तुम अत्याचार करो।
बचपन में मां ने तुम्हें,
मुझसे बने झूले में झुलाया।
मेरी कलम से तुमने,
कापी पर अ-आ बनाया।
मैं हूं तेरा सच्चा साथी,
न यह मारा-मार करो।
छोटी उम्र में रहे,
खेलते तुम पेड़ों पर चढ़कर।
बड़ा होते ही उठाई आरी,
और मुझे लहुलुहान किया।
मेरे कारण तुम्हारा जीवन,
बुरा न व्यवहार करो।
मीठे फल मैं देता,
तुमको साथ में ठंडी छांव।
ऐसे करता सेवा तुम्हारी,
जैसे करती है मां।
सुंदर प्यारे फूल देखकर,
सुख का इजहार करो।
मेरी टहनी पर बैठे पंछी,
करते हैं विनती।
हमारा घर न उजाड़ो,
न हमें बेहाल करो।
मानव अपने सुख के,
लिए जीवन ना दुश्वार करो।
पेड़ कहता मेरे ऊपर,
न तुम अत्याचार करो।

ज्ञान बढ़ाओ

बूझो तो जानें!!!

1. भारत की पहली महिला आईपीएस ऑफिसर का नाम बताइए।
2. भारतीय प्रधानमंत्री जिनका कार्यकाल के दौरान ही देहांत हुआ।
3. भारतीय थलसेना के प्रथम प्रमुख का नाम बताइए।
4. भारत के सबसे बड़े पुरस्कार का नाम बताइए।
5. भारत की पहली जनगणना किस वर्ष हुई थी?
6. भारत के पहले अंग्रेजी अखबार का नाम बताइए।
7. भारत की पहली पंचवर्षीय योजना किस वर्ष से शुरू किया गया।
8. भारत का पहला सिनेमा हॉल कब बनाया गया था?
9. भारत की वह पहली फिल्म जिसमें सारी महिला कलाकार थीं।
10. भारत की पहली बिना गीत की फिल्म का नाम बताइए।
11. भारत की प्रथम महिला राजदूत कौन थीं?
12. भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री का नाम बातइए।
13. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष का नाम बताइए।
14. प्रथम फिल्म अभिनेता जो मुख्यमंत्री बने।
15. भारतीय राष्ट्रपति जिनका कार्यकाल के दौरान देहांत हुआ।

उत्तर-1. किरण बेदी 2. इंदिरा गांधी 3. एस राजेन्द्र सिंह 4. भारत रत्न 5.-वर्ष 1901 6. बंगाल गेजेट(1790) 7. वर्ष1951 8. 1907 में कोलकाता में जेएफ मदन ने बनवाया था। 9. बिंदहस्त(मराठी फिल्म) 10. जेबीएच वाडिया की नौजवान (1937) 11. विजयलक्ष्मी पंडित 12. सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश) 13. सरोजिनी नायडू 14. एम.जी. रामचंद्रन 15. जाकिर हुसैन

खुद से किया वादा

स्कूल से आते ही बस्ता फेंककर सोनू खेलने भाग जाया करता था। सोनू की इस आदत से उसकी मां बहुत परेशान रहती थी। फिर अचानक एक दिन सोनू को कुछ ऐसा भुगतना पड़ा, जिसकी वजह से उसने खुद से एक वादा किया। वह वादा था सभी कार्यों को नियत समय पर करने का...

सोनू स्कूल से आता और अपना स्कूल बैग उतार कर बिना पानी पिए खेलने के लिए चला जाता। मां आवाज लगाती, पानी तो पी ले, स्कूल के कपड़े तो बदल ले, लेकिन सोनू किसी की भी नहीं सुनता और अभी आता हूं कह कर चला जाता और कितनी देर तक वापस नहीं आता। यह उसकी रोज की आदत बन गई। इसके कारण उसका कोई भी काम समय से पूरा नहीं होता। वह आराम करने के समय में खेलता और खेलने के समय स्कूल का काम करता। उसका कोई भी काम समय पर न होने के कारण उसका स्कूल का काम भी अधूरा रह जाता। जब वह रात को स्कूल का काम करने के लिए बैठता तो लाइट चली जाती। जिस कारण काम पूरा नहीं होता और उसे रोज स्कूल में अध्यापकों से डांट पड़ती। सोनू की मां रोज उसे समझाती कि जिन बच्चों के साथ वह खेलता-कूदता है वे बच्चे खुद तो पढ़ते नहीं और उसकी पढ़ाई भी खराब करते हैं। उसे स्कूल से आते ही उन बच्चों के साथ खेलना नहीं चाहिए। उसे पहले अपना काम करना चाहिए और फिर खेलना चाहिए। लेकिन सोनू किसी की भी न सुनता।

आज भी वह खेल कर देर से घर वापस आया और आते ही कहने लगा कि उसके सिर में दर्द हो रहा है। मां ने देखा तो उसका सारा शरीर बुखार के कारण तप रहा था। मां ने कहा, 'मैंने तुम्हें मना किया था खेलने से और कहा था कि तुम पानी पीकर आराम करके फिर खेलने जाना, लेकिन तुम किसी की भी नहीं सुनते हो।'

'मेरा सिर दबा दो, बहुत दर्द हो रहा है' सोनू ने कहा। वो दर्द से कराह रहा था। 'रुक पहले तेरा बुखार देख लूं थर्मामीटर से', मां ने कहा।

थर्मामीटर लगा कर देखा तो सोनू का बुखार 102 से भी ज्यादा था। मां गुस्से में बोली 'तुझे कितनी बार कहा था कि स्कूल से आने के बाद कुछ देर आराम कर लिया कर आराम शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होता है। लेकिन तू कभी नहीं सुनता। यह ले पानी पी' और मां सोनू के माथे पर ठंडे पानी की पट्टियां करने लगी और कहा कि 'हम थोड़ी देर बाद दवाई लेने जाएंगे।'

'घर में कोई दवाई है तो वो ही दे दो।' सोनू ने कहा।

'घर में कोई भी दवाई नहीं है। अब तो डॉक्टर इंजेक्शन लगाएगा और पैसे जो लगेंगे सो अलग। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि इलाज से परहेज अच्छा लेकिन आजकल के बच्चे कहां किसी की मानते हैं।'

जब वे लोग डॉक्टर के पास पहुंचे तो वहां पर बहुत भीड़ थी। सोनू का खड़ा होना भी मुश्किल हो गया था। उन्होंने अपनी बारी की पर्ची बनवाई और अपनी बारी का इंतजार करने लगे।

अब सोनू बैठा सोच रहा था कि 'अगर मां की बात मानी होती तो वह आज बीमार न होता और उसे इंजेक्शन का भी डर न होता। अब पता नहीं डॉक्टर कितने दिनों के लिए आराम करने को कहेगा। भगवान करे कि अब ठीक हो जाऊं और इंजेक्शन भी न लगे। आगे से कभी भी ऐसा नहीं होगा।' सोनू ने खुद से वादा किया कि शरीर को जितना आराम चाहिए वो उसे देगा और सभी काम समय से करेगा।

सोनू अंदर आओ। अंदर से आवाज आई। आवाज सुनते ही सोनू इंजेक्शन के डर से घबराता हुआ डॉक्टर के पास गया। नब्ज देखकर डॉक्टर ने कहा कि 'बुखार अब कम है।' शायद मां के घरेलू नुस्खे से सोनू का बुखार कम हो गया था। डॉक्टर के पीछे खड़ी एक नर्स सिरींज में दवाई भर रही थी। सोनू ने सोचा कि शायद अब डॉक्टर नर्स से कहेगा कि इसको लिटाओ इंजेक्शन लगाने के लिए, लेकिन नर्स तो दूसरे कैबिन में चली गई। यह देखकर सोनू ने चैन की सांस ली। कैबिन से जब बच्चे की रोने की आवाज आई तो सोनू न सोचा कि 'अब मेरी बारी आएगी।' तभी डॉक्टर ने सोनू की तरफ देखते हुए कहा, 'हां, जी तो आपका नाम क्या है?'

'जी सोनू।'

'पढ़ते हो, कौन से स्कूल में, कौन सी कक्षा में?' डॉक्टर ने पूछा।

सोनू ने सभी सवालों के जवाब दिए, लेकिन उसका ध्यान टीके की तरफ ही था। 'यह बुखार सिर्फ थकावट के कारण हुआ है। इंजेक्शन की जरूरत नहीं है। यह तो दवाइयों से ही ठीक हो जाएगा।' डॉक्टर ने पीठ थपथपाते हुए कहा। इंजेक्शन न लगने की खुशी से सोनू बहुत खुश था। उसने सोचा शायद उसने खुद से जो वादा किया था उसे भगवान ने सुन लिया।

सोनू घर आया और आराम किया। अगले दिन वह स्कूल गया पर वापस आने के बाद यूनीफॉर्म बदलकर खाना खाया और आराम किया। सोनू में आए इस बदलाव को देखकर उसकी मां बहुत खुश हुईं।

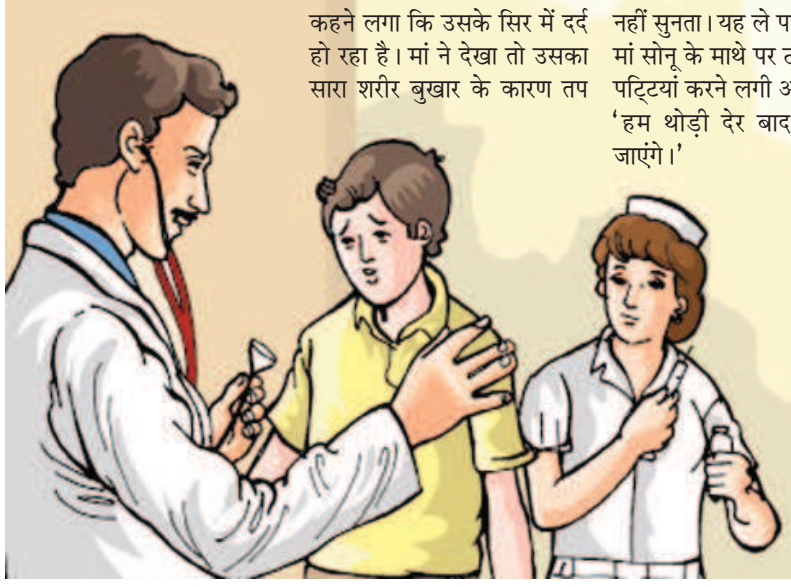

अंतर ढूढो

यहां आपको एक जैसी दो तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। पहली बार देखने में तो आपको अंतर समझ में नहीं आएगा, लेकिन जरा गौर से देखने पर आपको सात अंतर दिखाई देंगे। तो जमाइए नजरें और खोज निकालिए वे अंतर भी।

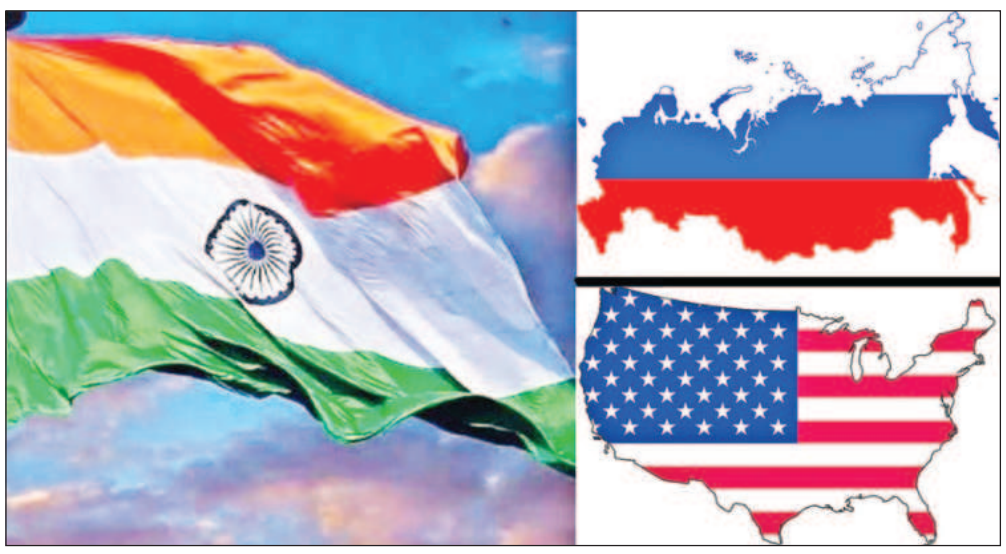

अमेरिका धोखेबाज है पर रूस भारत का है पक्का दोस्त

मास्को, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका की भारत से यारी दिखावा है। वजह है टैरिफ। जी हां, एक ओर वह भारत को अच्छा दोस्त बताते हैं, दूसरी ओर वह भारत पर टैरिफ की धमकी देते हैं। ऐसे ही मौकों पर हमें समझ आता है कि हमारा पक्का यार तो रूस ही है। रूस ही हमारा ऐसा पकिया यार है जो हर वक्त भारत के साथ खड़ा रहता है। भारत भी उसके मुश्किल घड़ी में खड़ा रहा है। चाहे वह अमेरिका का प्रतिबंध का वक्त हो या यूक्रेन संग जंग।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत का अगर कोई पक्का वाला दोस्त है तो वह है रूस। उधर यूक्रेन जंग पर पुतिन को ट्रंप झांसे में लेने की कोशिश में जुटे हैं। इधर होली से पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस से अपनी दोस्ती का रंग और गाढ़ा करने में जुटे हैं। जी हां, गुरुवार को साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति पर चर्चा की। रूस और यूक्रेन का युद्ध कैसे खत्म हो, इस पर भी दोनों देशों के विदेशमंत्री के बीच बातचीत हुई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के उपाय सुझाए। जयशंकर दो दिन के दौरे पर दक्षिण अफ्रीका गए हैं। उन्हें जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेना है। रूसी विदेश मंत्री लावरोव संग मुलाकात वाली तस्वीरें एस जयशंकर ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, जोहान्सबर्ग में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मिलकर खुशी हुई। दोनों के बीच क्या-क्या बातची हुई, इसका विवरण भी दिया। उन दोनों ने भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। यानी दोनों देश एक-दूसरे के सहयोग से कैसे और आगे बढ़ सकते हैं, इस पर बात हुई। इतना ही नहीं, जयशंकर और लावरोव ने यूक्रेनजंग से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर चर्चा की, जिसमें रियाद बैठक भी शामिल है। रियाद में पुतिन और ट्रंप के प्रतिनिधि मिले थे और यूक्रेन जंग पर शांति की कवायद पर बातचीत हुई है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो में जयशंकर और लावरोव हाथ मिलाते हुए देखे गए। एक वीडियो में दोनों नेता एक साथ पोज देते और बाद में अन्य नेताओं के साथ बातचीत के लिए बैठते दिख रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी कोर्ट ने हादी मतार को लेखक रुश्दी पर हमले का दोषी ठहराया

न्यूयॉर्क। पश्चिमी न्यूयॉर्क स्थित चौटाउक्वा काउंटी कोर्ट ने भारतीय-ब्रिटिश लेखक सलमान रुश्दी पर तीन साल पहले चाकू से हमला करने के आरोपित 27 वर्षीय हादी मतार को दोषी करार दिया। रुश्दी पिछले सप्ताह शुरू हुई गवाही प्रक्रिया के दौरान मुख्य गवाह रहे। रुश्दी ने जूरी के सदस्यों को अपनी दाहिनी आंख भी दिखाई जिसकी रोशनी हमले के कारण चली गई है। जूरी ने हादी मतार को उस व्यक्ति पर भी हमला करने का दोषी पाया जो उस समय रुश्दी के साथ मंच पर था। सलमान रुश्दी पर हमले का वाकया 12 अगस्त, 2022 का है। आरोपित ने मंच पर चढ़कर रुश्दी पर 15 बार चाकू से वार किया। इस हमले में 77 वर्षीय लेखक के एक आंख की रोशनी चली गई। जज ने सजा के लिए 23 अप्रैल की तारीख तय की है। मतार को 32 साल तक की जेल हो सकती है। जिला अटॉर्नी जेसन श्मिट ने शुक्रवार को जिरह के दौरान जूरी को हमले का वीडियो दिखाया। इसमें हमलावर मंच पर चढ़कर रुश्दी की ओर दौड़ता दिख रहा है। बुकर पुरस्कार विजेता रुश्दी ने जूरी सदस्यों को बताया कि हमलावर उन पर तब तक चाकू से वार करता रहा जब तक कि आसपास खड़े लोगों ने उसे दबोच नहीं लिया। श्मिट ने जूरी सदस्यों को एक ट्रॉमा सर्जन की गवाही की याद दिलाई, जिसने कहा था कि रुश्दी की चोटें त्वरित उपचार के बिना घातक हो सकती थीं।

हमास ने गाजा में छह बंधक रिहा किए समझौते के अगले चरण के लिए रखी शर्त

गाजा पट्टी। आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के बीच कतर में पिछले माह हुए संघर्ष विराम और

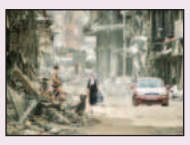

बंधकों की रिहाई समझौते ने आज कई परिवारों के चेहरों में खुशी लौटा दी। हमास के नकाबपोश सशस्त्र लड़ाकों ने आज सुबह (स्थानीय समयानुसार) मध्य गाजा के नुसीरात में ओमर शेम टोव (22), एलिया कोहेन (27) और ओमर वेनकर्ट (23) को रेडक्रॉस के अधिकारियों को सौंप दिया। इसके अलावा हमास की कैद से आजाद हुए टाल शोहम (40) और एवेरा मेंगिस्टु 38) इजराइल पहुंच गए। गाजा सिटी में रिहा होने वाला छठा बंधक हिशाम अल-सईद (37) है। हमास ने समझौते के अगले चरण में बाकी बंधकों की रिहाई के लिए शर्त रखी है। एवेरा मेंगिस्टु और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को हवाई मार्ग से गाजा सीमा के पास एक इजराइली सैन्य अड्डे पर पहुंचाया गया। वहां से सभी को इजराइली वायु सेना के हेलीकॉप्टर से मध्य इजराइल के एक अस्पताल ले जाया गया। मेंगिस्टु को जांच के बाद घर भेजा जाएगा। शोहम और मेंगिस्टु को सुबह दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में रिहा किया गया। इन दोनों को सात अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज बेरी से अगवा किया गया था।

जेलेंस्की को राष्ट्रपति के पद से हटाने की योजना बना रहे ट्रंप

कीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सबसे बड़ा चुनावी वादा था कि वह सत्ता में आने पर रूस और यूक्रेन युद्ध तुरंत प्रभाव से रुकवा दूंगा। लेकिन अब ऐसा लगाता हैं कि युद्ध रुकवाने से ज्यादा ट्रंप की मंशा यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को पद से हटाने की है। वह बीते कुछ दिनों से जेलेंस्की पर हमलावार दिख रहे हैं। ट्रंप ने जेलेंस्की को तानाशाह बताकर कहा था कि यूक्रेन में जेलेंस्की की अप्रूवल रेटिंग तेजी से कम हुई है। उन्हें अब पद पर रहने का कोई हक नहीं है। इसके बाद साफ हो गया हैं कि ट्रंप चाहते हैं कि जेलेंस्की को पद से हटाकर किसी नए चेहरे को सत्ता में बैठाया जाए। लेकिन सवाल उठता है कि जेलेंस्की की जगह वे कौन से चेहरे हैं, जिन्हें यूक्रेन की बागडोर सौंपी जा सकती है। इसमें सबसे बड़ा नाम यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पेरोशेंको का है। पेराशंको को सबसे बड़ा दावेदार बताया जा रहा है। वह यूक्रेन के राष्ट्रपति भी रह चुके हैं। तब अमेरिका में ट्रंप राष्ट्रपति थे। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे जिसके बाद वे अगला चुनाव नहीं जीत सके। दूसरा नाम दिमित्रो कुलेबा का है। उन्हें जेलेंस्की का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। यूक्रेन के अगले राष्ट्रपति को लेकर जो भी सर्वे हुए हैं, उनमें कुलेबा प्रमुखता से आगे रहे हैं। वे जेलेंस्की की सरकार में विदेश मंत्री रहे हैं। उनका 2023 में पाकिस्तान का दौरा बहुत चर्चा में रहा था जहां यूक्रेन और पाकिस्तान के बीच हथियारों को लेकर डील की बहुत चर्चा हुई थी। इसके अलावा तीसरे दावेदार विताली किम हैं। वे मायकोलेव ऑब्लास्ट गवर्नर रह चुके हैं। वह यूक्रेन के बड़े कारोबारी भी हैं।

बड़बोले निकले डोनाल्ड ट्रंप-निर्वासन अभियान में बाइडेन से रह गए पीछे

वॉशिंगटन 22 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप काम कम बाते ज्यादा कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव के दौरान कहा था कि अमेरिका से अवैध प्रवासियों को इतिहास के सबसे बड़े निर्वासन अभियान के तहत बाहर करेंगे। लेकिन सत्ता में लौटने के बाद उनका यह ऑपरेशन उम्मीद के मुताबिक रफ्तार नहीं पकड़ पाया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 में ट्रंप प्रशासन ने 37,660 लोगों को देश से बाहर निकाला, जो कि जो बाइडेन के कार्यकाल के अंतिम पूर्ण वर्ष में औसत 57,000 प्रति माह से काफी कम है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि आने वाले महीनों में निर्वासन की संख्या में तेजी आएगी, क्योंकि अब गिरफ्तारियों और निष्कासन के नए रास्ते खोले जा रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के प्रवासियों को ग्वांतानामो बे स्थित अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर भेजना शुरू कर दिया है। जनवरी के अंत में ट्रंप ने घोषणा की थी कि वहां 30,000 प्रवासियों को रखने की योजना बनाई जा रही है, हालांकि मानवाधिकार संगठनों ने इस कदम पर नाराजगी जताई है।

ट्रंप प्रशासन अब उन प्रवासियों को भी निशाने पर ले रहा है जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है लेकिन जिनके खिलाफ अंतिम निर्वासन आदेश जारी हो चुका है। हाल ही में न्याय विभाग ने एक नया निर्देश जारी किया है, जिससे आव्रजन अदालतों के अंदर से ही आईसीई अधिकारियों को गिरफ्तारियां करने की अनुमति मिल गई है। इसके अलावा, अमेरिका ने वेनेजुएला के कुख्यात आपराधिक गिरोह सहित सात अन्य गैंग्स और ड्रग कार्टेल्स को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। इस कदम से इनसे जुड़े प्रवासियों को निर्वासित करना और भी आसान हो जाएगा।

ट्रंप प्रशासन ने अपने पहले तीन हफ्तों में 14,000 से अधिक प्रवासियों को गिरफ्तार किया, जो कि पिछली औसत दर से लगभग दोगुना है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि शुरूआती बढ़त के बावजूद इस अभियान को तेजी से आगे बढ़ाना आसान नहीं होगा। आईसीई के पास इस समय 41,100 प्रवासियों को हिरासत में रखने की क्षमता है, जबकि नए बजट में इसे बढ़ाने पर चर्चा जारी है।

ट्रंप ने सेना के टॉप जनरल को किया बर्खास्त

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी कार्यशैली को लेकर पूरी दुनिया में चर्चित हैं। कब कौन सा आदेश निकाल दें कोई नहीं जानता। बीते रोज ट्रंप ने टॉप जनरल को बर्खास्त कर अपने ही अधीनस्थों में खौंफ पैदा कर दिया है। उन्होंने बड़ा फैसला लेते हुए शुक्रवार को अपने टॉप मिलिट्री जनरल को बर्खास्त कर दिया। ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल चार्ल्स क्यू. ब्राउन जूनियर को नौकरी से निकालकर बर्खास्त कर दिया। यही पहली बार हुआ है कि प्रशासन बदलने पर देश के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को इस तरह बाहर किया गया है। ट्रंप ने सी.क्यू. ब्राउन को पद से हटाने का ऐलान करते हुए कहा कि उनकी जगह अब रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल डैन कैन लेंगे। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में सेना में भी बड़े बदलाव हो सकते हैं। अमेरिका के सरकारी कर्मचारियों पर लगातार हो रहे एक्शन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल चार्ल्स क्यू. ब्राउन जूनियर को बर्खास्त कर दिया है। सोशल मीडिया अकाउंट टु पर लिखा पोस्ट में ट्रंप ने अमेरिका की सेवा के लिए ब्राउन को धन्यवाद दिया और उन्हें एक अच्छा सज्जन बताया।

एआई मॉडल भी समय के साथ हो सकते हैं कमजोरः अध्ययन

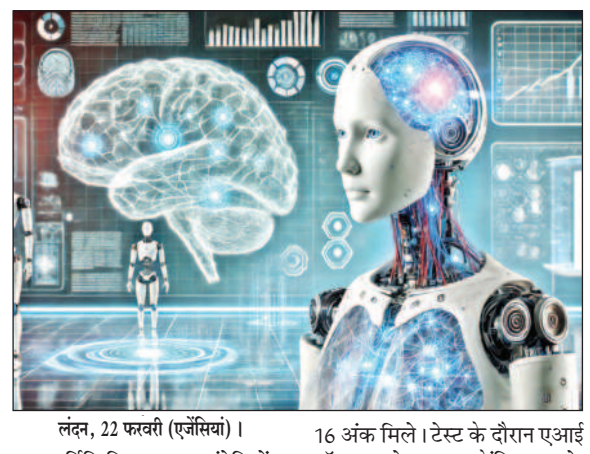

लंदन, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की क्षमता को लेकर दिसंबर 2024 में किए गए एक शोध में दावा किया गया है कि एआई मॉडल भी समय के साथ कमजोर हो सकते हैं, ठीक वैसे ही जैसे इंसानों का दिमाग उम्र के साथ धीमा पड़ने लगता है। नई स्टडी में चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं। इस रिसर्च में ओपन एआई के चैटजीपीटी-4 और चैटजीपीटी-4श, अंथ्रोपिक के क्लाउड 3.5 और अल्फाबेट के जेमिनी 1.0 व 1.5 जैसे टॉप एआई मॉडल्स का मानसिक क्षमता परीक्षण किया गया। वैज्ञानिकों ने 'मॉट्रियल काग्नीटिव असेसमेंट' नामक टेस्ट का उपयोग किया, जो आमतौर पर इंसानों में डिमेंशिया और मानसिक गिरावट को परखने के लिए किया जाता है। इस परीक्षण में एआई मॉडल्स के ध्यान, याददाश्त, भाषा समझने की क्षमता और समस्या हल करने की योग्यता को मापा गया। परिणाम हैरान करने वाले थे। चैटजीपीटी-4श ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया और 30 में से 26 अंक हासिल किए, जबकि चैटजीपीटी-4 और क्लाउड 3.5 को 25 अंक मिले। दूसरी ओर, अल्फाबेट के जेमिनी मॉडल्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जिसमें जेमिनी 1.0 को केवल 16 अंक मिले। टेस्ट के दौरान एआई मॉडल्स से ध्यान केंद्रित करने, याददाश्त से संबंधित प्रश्नों के जवाब देने, घड़ी बनाने और संख्याओं को जोड़ने जैसे टास्क कराए गए। खास बात यह रही कि कुछ एआई मॉडल्स 'मेमोरी टेस्ट' में बुरी तरह फेल हो गए और दिए गए शब्दों को दोबारा याद नहीं कर पाए। जेमिनी मॉडल्स तो पूरे पांच शब्दों को भूल ही गए। रिसर्च के अनुसार, एआई मॉडल्स की ये मानसिक कमजोरियां 'पोस्टेरियर कार्टिकल अट्रोफी' नामक अल्जाइमर के एक प्रकार से मेल खाती हैं। यानी जैसे इंसानों का दिमाग उम्र के साथ कमजोर होता है, वैसे ही एआई भी समय के साथ आउटडेटेड हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई को हमेशा अपग्रेड करने की जरूरत होती है, लेकिन समय के साथ इसमें मौजूद कुछ डेटा और क्षमताएं कमज़ोर हो सकती हैं। इस अध्ययन ने उन दावों को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा जाता है कि एआई भविष्य में पूरी तरह से डॉक्टरों की जगह ले सकता है। शोधकर्ताओं ने साफ कहा कि मेडिकल क्षेत्र में एआई पर पूरी तरह निर्भर होना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इसकी मानसिक सीमाएं इंसानों जितनी विकसित नहीं हो सकतीं।

डब्ल्यूएचओ ने शराब को माना विषैला और लत पैदा करने वाला पदार्थ

हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शराब को एक विषैला और लत पैदा करने वाला पदार्थ माना है, जिसे इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) ने कैंसर उत्पन्न करने वाले सबसे खतरनाक पदार्थों में वर्गीकृत किया है। डब्ल्यूएचओ अल्कोहल युक्त पेय पदार्थों के अत्यधिक सेवन को लेकर चेतावनी जारी की है। अल्कोहल के अत्यधिक सेवन से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है, और यह 20 से अधिक प्रकार के कैंसर का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसका सेवन मुंह, गला, भोजन नली, पेट, बृहदान्त्र, मलाशय और अग्न्याशय के कैंसर से जुड़ा हुआ है। महिलाओं में यह स्तन कैंसर और पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर का भी कारण बन सकता है। अल्कोहल का सेवन शरीर में एक जहरीले यौगिक, एसिटेल्डिहाइड को उत्पन्न करता है, जो डीएनए और प्रोटीन को नुकसान पहुंचा सकता है।

काश पटेल ने हिंदू धर्मग्रंथ भगवद गीता पर हाथ रखकर ली एफबीआई निदेशक पद की शपथ

वाशिंगटन, 22 फरवरी (एजेंसियां)। संघीय जांच ब्यूरो के नवनियुक्त निदेशक काश पटेल शुक्रवार को आधिकारिक रूप से शपथ लेने के बाद सुर्खियों में हैं। हिंदू धर्मग्रंथ भगवद गीता पर शपथ लेने का उनका फैसला अयोध्या के राम मंदिर पर पश्चिमी मीडिया कवरेज की उनकी पिछली आलोचना से मिलता जुलता है।काश पटेल ने एफबीआई के नौवें निदेशक के रूप में भगवद गीता पर हाथ रखकर शपथ ली। पटेल (44) के पक्ष में बृहस्पतिवार को रिपब्लिकन नेतृत्व वाली सीनेट में 49 के मुकाबले 51 मत पड़े। वह देश की प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसी का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बन गए हैं। शुक्रवार को शपथ समारोह के दौरान पटेल के परिवार के सदस्य और उनकी महिला मित्र मौजूद थीं। शपथ समारोह का संचालन अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने व्हाइट हाउस परिसर में "आइजनहावर कार्यकारी कार्यालय भवनफ (ईईओबी) में भारतीय संधि कक्ष में किया। उन्होंने पटेल से गीता पर हाथ रखने और शपथ लेने के लिए अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाने को कहा।पटेल ने कहा," मैं अमेरिकी सपना जी रहा हूं। जो कोई भी सोचता है कि अमेरिकी सपना मर चुका है, वह यहां देख ले। आप पहली पीढ़ी के भारतीय बच्चे से बात कर रहे हैं, जो ईश्वर की हरी-भरी धरती पर सबसे महान राष्ट्र, कानून प्रवर्तन समुदाय का नेतृत्व करने वाला है। ऐसा कहीं और नहीं हो सकता।" न्यूयॉर्क में जन्मे पटेल गुजरात से संबंध रखते हैं। हालांकि उनके माता-पिता पूर्वी अफ्रीका से हैं। उनकी मां तंजानिया से और उनके पिता युगांडा से हैं। वे 1970 में कनाडा से अमेरिका आए थे। पटेल के माता-पिता अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं और अपना समय अमेरिका तथा गुजरात दोनों में बिताते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी होंगे मॉरीशस के स्वतंत्रता दिवस समारोह के सम्मानित अतिथि

मॉरीशस की नेशनल असेंबली में प्रधानमंत्री रामगुलाम ने की घोषणा,सदस्यों ने मेज थपथपाकर जताई खुशी

पोर्ट लुइस, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने नेशनल असेंबली में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। वो मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के सम्मानित अतिथि होंगे। यह हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। रामगुलाम की इस घोषणा पर नेशनल असेंबली के सदस्यों ने मेज थपथपाकर खुशी जताई।

रामगुलाम ने शुक्रवार को कहा, ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना हमारे और देश के लिए वास्तव में गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बेहद व्यस्त कार्यक्रम, पेरिस और संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी हालिया यात्राओं के बावजूद हमें यह सम्मान दिया है। वह हमारे विशेष अतिथि के रूप में मॉरीशस आने के लिए सहमत हो गए हैं।%% उल्लेखनीय है कि मॉरीशस को 12 मार्च, 1968 को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता मिली थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 12 मार्च की यात्रा पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने कहा, ऐसे मौके पर प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना मॉरीशस के लिए एक सौभाग्य की बात है।

राष्ट्रपति मुर्मू गई थीं पिछले साल

पिछले साल मॉरीशस के 56वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुई थीं। राष्ट्रपति मुर्मु का सर शिवसागर रामगुलाम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तत्कालीन प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनौथ ने गर्मजोशी से स्वागत किया था। मॉरीशस में रामगुलाम के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 2024 के आम चुनाव में जीत हासिल की। उन्हें सत्ता में वापसी करने में पूरे एक दशक का समय लगा। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें जीत की बधाई देते हुए उनसे बातचीत भी की थी।

मेरे दोस्त, जीत की बधाई

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, जीत के बाद मेरी मेरे दोस्त नवीन रामगुलाम से बात हुई। मैंने उन्हें ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी। मैंने उन्हें भारत आने का निमंत्रण भी दिया। हम अपनी विशेष साझेदारी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

भारत और मॉरीशस के संबंध

भारत और मॉरीशस के बीच इतिहास और संस्कृति आधारित गहरा रिश्ता है। मॉरीशस में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, मॉरीशस में 8 लाख 94 हजार 848 भारतीय और भारतीय मूल के लोग रहते हैं। दोनों देशों के बीच लंबे समय से सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी है।

पूर्व क्रिकेटर गांगुली बोले-चैंपियंस ट्रॉफी जीतने भारत-न्यूजीलैंड हैं प्रबल दावेदार

कोलकाता, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

चैंपियंस ट्रॉफी कौन सी टीम जीतेगी, नॉकआउट में किन-किन टीमों के पहुंचने की उम्मीद है भारत और पाकिस्तान के मैच में किसका पलड़ा भारी है इन सभी को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और धुलंधर बल्लेबाज रहे सौरव गांगुली ने इन सभी मुद्दों पर कहा कि भारत ने दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मुकाबले में छह विकेट से जीत दर्ज की। हालांकि यह मुकाबला आसान नहीं रहा और बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन टीम इंडिया की बल्लेबाजी गहराई ने अंत में लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। इससे पहले भारत के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें मोहम्मद शमी ने वापसी के बाद शानदार गेंदबाजी करते हुए मैच में पांच विकेट झटके थे और कम गेंदों में ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी बनाया था।

भारत का अब रविवार को दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला है। पाकिस्तान अपना पहला मैच न्यूजीलैंड से हार चुका है। इस मैच में टीम इंडिया की गेंदबाजी पर गांगुली ने कहा कि टीम इंडिया के लिए गेंदबाजी संयोजन ने बढ़िया काम किया है। इसलिए टीम कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल जैसे तीन स्पिनर और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगी जिस तरह से हर्षित राणा ने गेंदबाजी की है, वह काफी अच्छा है। मोहम्मद शमी तो टीम के टॉप बॉलर हैं और हार्दिक पांड्या भी बढ़िया है। पाकिस्तान की टीम स्पिनरों को अच्छा नहीं

पाकिस्तान टीम स्पिनरों को खेलने में होती है परेशानी दुबई पिच में लेती है टर्न

खेलती है और मुझे लगता है कि दुबई की पिच पर टर्न मौजूद रहेगा। इसलिए भारत के लिए यह संयोजन फायदे का सौदा साबित हो सकता है।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले क्रिकेट में सर्वोच्च प्रतिद्वंदिता माने जाते हैं। उनका दबाव और रोमांच अगले ही स्तर का होता है। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मुकाबलों पर सौरभ ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में पाकिस्तान के खिलाफ बहुत मैच खेले हैं जिनकी बहुत अच्छी यादें हैं। मेरा सर्वोच्च टेस्ट स्कोर भी पाकिस्तान के खिलाफ था। उन्होंने जावेद मियांदाद का वह छक्का भी देखा है जब पाकिस्तान को भारत के खिलाफ आखिरी गेंद पर जीत हासिल हुई थी और उसके बाद भारतीय टीम में आए ट्रांसफॉर्मेशन को भी देखा है, जहां टीम इंडिया ने पाकिस्तान को खेल के हर फॉर्मेट में हराया है। आप पिछले 10-15 साल में देखें तो भारत की टीम पाकिस्तान की तुलना में काफी बेहतर है। सौरव गांगुली ने भारत-पाक मैच के संभावित जीत के बारे में कहा कि दोनों टीमों के बीच हाल के सालों में हुए मैच पूरी तरह भारत के पक्ष में रहे हैं। मुझे लगता है कि भारत इस टूर्नामेंट को जीतने वाली टीम में मजबूत दावेदार है। गांगुली ने आगे कहा कि भारत की बैटिंग में काफी गहराई है। यहां काफी प्रतिभा है। इस नजरिए से भारत काफी मजबूत है। अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ी किसी भी टीम में फिट हो सकते हैं। ये भारत की बैटिंग की ताकत को दिखाता है। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ जब जीत दर्ज की, तब रवींद्र जडेजा और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी बैटिंग के लिए आने बाकी थे। जब सफेद गेंद की बात आती है तो भारत में प्रतिभा का पूरा पूल मौजूद है। हालांकि भारत के लिए विराट कोहली की फॉर्म चिंता का विषय है, गांगुली का मानना है कि कोहली ने भारत के लिए इतने रन और शतक बनाए हैं कि वह रन बनाने का रास्ता ढूंढ लेंगे। ऋषभ पंत एक शानदार खिलाड़ी हैं। केएल राहुल का वनडे रिकॉर्ड जबरदस्त है, शायद इस कारण गौतम गंभीर ने उनको खिलाने का फैसला किया है।

न्यूज ब्रीफ

गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर इनडोर दौड़ में रचा इतिहास, बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली। हांग्जो एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उन्होंने बोस्टन में आयोजित बीयू टेरियर डीएमआर चैलेंज में पुरुषों की 5000 मीटर इनडोर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया। 6 वर्षीय भारतीय सेना के धावक गुलवीर ने 12:59.77 मिनट का समय निकाला और इस प्रतिस्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे। स्पर्धा में अमेरिका के कोल हॉकर (12:57.82), कूपर टीयर (12:57.97) और ऑस्ट्रेलिया के जैक रेनर (12:59.43) ने क्रमशः शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। गुलवीर के इस शानदार प्रदर्शन ने न सिर्फ राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि यह 5000 मीटर इनडोर शॉर्ट ट्रैक में नया एशियाई रिकॉर्ड भी बन गया। पिछले हफ्ते भी तोड़ा था रिकॉर्ड इससे पहले गुलवीर सिंह ने पिछले हफ्ते ही पुरुषों की 3000 मीटर इनडोर दौड़ में 16 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया था। उन्होंने 7:38.26 मिनट का समय निकालकर दूसरे स्थान पर रहते हुए 2008 में सुरेंद्र सिंह द्वारा बनाए गए 7:49.47 मिनट के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। गुलवीर सिंह की इन उपलब्धियों ने भारतीय एथलेटिक्स में नई ऊर्जा भर दी है और वह भविष्य में और भी नए कीर्तिमान स्थापित करने की ओर बढ़ रहे हैं।

डब्ल्यूपीएलः मुंबई इंडियंस की जीत में पंजाब की लड़कियों का कमाल

नई दिल्ली। डब्ल्यूपीएल में टारगेट 168 हो और 82 रन पर टॉप-4 बैटर आउट हो जाएं। रनरेट का दबाव बढ़ता जा रहा हो। ऐसे में किसी भी टीम के लिए जीतना आसान नहीं होता है लेकिन मुंबई इंडियंस महिला टीम ने यह कारनामा कर दिखाया। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर (50) और अमनजीत कौर (34 रन, 3 विकेट) की बदौलत हारी बाजी पलट दी और मुंबई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू वुमन के खिलाफ एक गेंद बाकी रहते हुए जीत मिली। मुंबई इंडियंस वुमन डब्ल्यूपीएल के पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर आ गई है। आरसीबी वुमन, मुंबई से हारकर भी पहले नंबर पर बनी हुई है। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला हुआ। आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 167 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 19.5 ओवर में 6 विकेट पर 170 रन बनाकर इस सीजन की दूसरी जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 57 रन था। इसके बाद एलिस पेरी ने 43 गेंदों में 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। ऋचा घोष (28) और कप्तान स्मृति मंधाना (26) ने भी शानदार पारियां खेलीं। मीडियम पेसर अमनजोत मुंबई इंडियंस की सबसे सफल गेंदबाज रहीं। उन्होंने 22 रन देकर तीन विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस ने भी यास्तिका भाटिया (8) का विकेट जल्दी गंवा दिया। उनकी जगह उतरी नेट सिवर ब्रंट (21 गेंद पर 42 रन) ने काउंटर अटैककर टीम को संभाला उन्होंने ओपनर हेली मैथ्यूज (15) के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी करके पावरप्ले में मुंबई का स्कोर 66 रन पर पहुंचाया।

खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव बना रहे हैं विराटः अनिल कुंबले

दुबई। विराट कोहली खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव बना रहे हैं, जिससे उन्हें फॉर्म में लौटने में दिक्कत हो रही है। यह कहना है भारत के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले का। कोहली के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कुंबले ने कहा कि कोहली ने सफेद गेंद क्रिकेट में पहले कभी इतनी लंबी खराब फॉर्म का सामना नहीं किया था। कुंबले ने कहा, मुझे लगता है कि वह खुद पर अनावश्यक दबाव डाल रहे हैं। हर कोई उनसे उम्मीद करता है कि वह टीम के लिए मैच जिताने वाली पारी खेलेंगे, लेकिन जब आप लगातार इस तरह के दबाव में होते हैं, तो कई बार आप बहुत ज्यादा सोचने लगते हैं और अतिरिक्त प्रयास करने लगते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि आप तनावमुक्त होकर नहीं खेल पाते। उन्होंने आगे कहा कि कोहली को अपने खेल पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए और मानसिक रूप से सहज होकर मैदान पर उतरना चाहिए। कुंबले के मुताबिक, आप देख सकते हैं कि वह किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं।

हाईवोल्टेज मुकाबले में भारत पाक होगें आमने-सामने

दुबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

दुबई के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आज रविवार 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का बहुप्रतीक्षित मुकाबला खेला जाएगा। दोनों देशों के बीच क्रिकेट मैच हमेशा से ही हाईवोल्टेज ड्रामा और रोमांच से भरे होते हैं, क्योंकि ये दोनों टीमें आमतौर पर केवल आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप जैसी प्रतियोगिताओं में ही आमने-सामने होती हैं। इस बार मुकाबला एक तटस्थ स्थान, यानी दुबई में होगा, क्योंकि भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था।

चैंपियंस ट्रॉफी का यह संस्करण पाकिस्तान द्वारा आयोजित किया जा रहा है, लेकिन भारत के सभी मैच दुबई में खेले जा रहे हैं। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज से किया था, जब उन्होंने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। दूसरी ओर, पाकिस्तान को अपने घरेलू मैदान कराची में खेले गए पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 60 रनों से शिकस्त दी थी। अब दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें अपने सबसे बड़े मुकाबले के लिए तैयार हैं।

एक दिवसीय क्रिकेट में ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान का पलड़ा भारत से भारी रहा है। अब तक दोनों देशों के बीच 135 वनडे मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें पाकिस्तान ने 73 और भारत ने 57 मैच जीते हैं, जबकि पांच मुकाबले बेनतीजा रहे। हालांकि, पिछले डेढ़ दशक में भारत ने क्रिकेट के हर क्षेत्र में जबरदस्त सुधार किया है और अब वह पाकिस्तान की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और मजबूत टीम बन चुकी है। विशेष रूप से आईसीसी टूर्नामेंटों में भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान से काफी बेहतर रहा है। हालांकि, 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराकर ट्रॉफी जीती थी, लेकिन इसके बाद से भारत ने अपने पड़ोसी देश के खिलाफ बड़ी प्रतियोगिताओं में दबदबा बनाए रखा है।

इस मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कप्तान रोहित शर्मा, उपकप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली महत्वपूर्ण खिलाड़ी साबित हो सकते हैं, जबकि गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह की गैरहाजरी में मोहम्मद शमी पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। वहीं, पाकिस्तान की बल्लेबाजी रिजवान और बाबर आज़म के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी, फखर जमान के घायल होने से इमाम-उल-हक को टीम में लाया गया हैं। जबकि गेंदबाजी की बात करें तो शाहीन अफरीदी और नसीम शाह भारतीय बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकते हैं। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम होगा, क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट में हर मैच महत्वपूर्ण होता है। क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस हाईवोल्टेज भिड़ंत पर टिकी हैं, जहां हर गेंद और हर रन मायने रखेगा।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीमें

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान : मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, इमाम-उल-हक, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

न्यूजीलैंड से होने वाले अहम मुकाबले से पहले बांग्लादेश को महमुदुल्लाह के फिट होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में भारत के खिलाफ मैच में मिली हार के बाद बांग्लादेश को न्यूजीलैंड के खिलाफ करो या मरो मैच से पहले सीनियर बल्लेबाज महमुदुल्लाह की उपलब्धता की उम्मीद है। बांग्लादेश को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए 24 फरवरी को रावलपिंडी में होने वाले मैच को जीतना जरूरी है।

अपने पिछले चार एकदिवसीय मैचों में चार अर्द्धशतक बनाने वाले महमुदुल्लाह को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले प्रशिक्षण के दौरान पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव का सामना करना पड़ा, जिससे मैच के लिए बांग्लादेश की टीम का कॉम्बिनेशन बिगड़ गया और मैच में उनकी कमी महसूस की गई। भारत के खिलाफ मैच के पहले घंटे में बांग्लादेश की टीम ने केवल 35 रनों पर 5 विकेट खो दिए थे, इसके बाद तौहीद हृदोय के शतक और जेकर अली के अर्धशतक की बदौलत बांग्लादेश की टीम 228 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी।

इस बीच, 19 फरवरी को कराची में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में पाकिस्तान को 60 रन से हराने के बाद न्यूजीलैंड आत्मविश्वास से भरपूर है। ब्लैक कैप्स पाकिस्तान में त्रिकोणीय श्रृंखला में अपनी जीत से भी उत्साहित हैं, जहां उन्होंने मेजबान टीम के खिलाफ सभी मैच जीते थे। ऐसे परिदृश्य में, बांग्लादेश को पता है कि हाथ में काम बहुत बड़ा है और उनके लिए महमुदुल्लाह के अनुभव वाले खिलाड़ी को इस मुकाबले के लिए तैयार करना अच्छा होगा।

टीम मैनेजर रबीद इमाम ने शनिवार को क्रिकबज से बातचीत में कहा, हम उनकी (महमुदुल्लाह) उपलब्धता (टूर्नामेंट के शेष भाग के लिए) को लेकर आशान्वित हैं। वह अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं लेकिन इस संबंध में अंतिम निर्णय रावलपिंडी में न्यूजीलैंड के खिलाफ हमारे खेल से पहले आखिरी अभ्यास सत्र के बाद ही लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, चोट लगने के बाद हमने स्कैन कराया और उसमें कोई बड़ी चोट नहीं मिली।

शेनझेन में 34वें आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई कप टेबल टेनिस टूर्नामेंट

दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के शेनझेन में 34वें आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई कप टेबल टेनिस टूर्नामेंट में कतर के अहमद कोरानी के खिलाफ़ पुरुष एकल ग्रुप 2 मैच के दौरान रिटर्न मारते हुए चीन के वांग चुकिन।

अर्जेंटीना और पेरू में होने वाले विश्व कप में हिस्सा लेंगी मनु भाकर

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

दोहरी ओलंपिक पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित होने वाले आईएसएसएफ शूटिंग विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली है।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) द्वारा घोषित सूची में 23 वर्षीय मनु को एयर पिस्टल और स्पोर्ट्स पिस्टल दोनों ही टीमों में शामिल किया गया है।

हालांकि, पेरिस में शूटिंग ओलंपिक पदक जीतने वाले अन्य दो खिलाड़ी सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले राष्ट्रीय टीम में स्थान पाने में असफल रहे हैं।

वहीं, एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता, ओलंपिक फाइनलिस्ट और कई विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता सौरभ चौधरी को एयर पिस्टल के लिए चयनित किया गया है।

1 से 11 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स में पहला विश्व कपराइफल, पिस्टल और शॉटगन के लिए पहला विश्व कप 1 से 11 अप्रैल तक अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद, तीनों विषयों में दूसरा विश्व कप 13 से 22 अप्रैल तक पेरू के लीमा में होगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है:

एयर राइफलः रुद्राक्ष पाटिल, अर्जुन बाबूता, हृदय हजारिका; आर्य बोरसे, नर्मदा नितिन, सोनम मस्कर।

50 मीटर राइफल 3-पोजिशनः ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, चैन सिंह, नीरज कुमार; आशी चौकसे, श्रीयंका सदांगी, सिफ्ट कौर समरा।

एयर पिस्टलः सौरभ चौधरी, रविंदर सिंह, वरुण तोमर; सुरुचि फोगट, मनु भाकर, संयम।

25 मीटर रैपिड फायर पिस्टलः अनीश भानवाला, विजयवीर सिद्धू, गुरप्रीत सिंह।

25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टलः मनु भाकर, सिमरनप्रीत कौर बराड़, ईशा सिंह।

ट्रैपः लक्ष्य श्योराण, पृथ्वीराज टोंडिमान, ज़ोरावर सिंह संधू; नीरू, प्रगति दुबे, भव्या त्रिपाठी।

स्कीटः भवतेग सिंह गिल, अनंतजीत सिंह नरूका, गुरजोत खंगुरा; रायजा ढिल्लों, गनेमत सेखों, दर्शना राठौड़।

यूईएफए महिला नेशंस लीगः स्पेन ने रोमांचक मुकाबले में बेल्जियम को 3-2 से हराया

मैड्रिड, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

यूईएफए महिला नेशंस लीग में स्पेन ने शुक्रवार को रोमांचक मुकाबले में बेल्जियम को 3-2 से हरा दिया। मैच के अंतिम क्षणों में दो गोल दागकर स्पेन ने शानदार वापसी की।

घरेलू मैदान पर खेल रही स्पेनिश टीम 2-0 से पिछड़ रही थी, लेकिन लूसिया गार्सिया और क्रिस्टीना मार्टिन-प्रीटो ने 92वें और 96वें मिनट में गोल कर टीम को जीत दिलाई।

पहले हाफ में बेल्जियम की बढ़त

बेल्जियम ने 18वें मिनट में टेसा वुलार्ट के क्रॉस पर स्पेन की आइरीन पेरेडेस के कमजोर क्लीयरेंस का फायदा उठाते हुए मरियम टोलोबा के गोल से बढ़त बना ली। पहले हाफ में स्पेन ने कई मौके बनाए, लेकिन बेल्जियम की गोलकीपर एवरार्ड ने शानदार बचाव करते हुए ऐलेक्सांद्री और अल्बा रेडोंडो के प्रयासों को नाकाम कर दिया।

दूसरे हाफ में बेल्जियम का दूसरा गोल

स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन बेल्जियम की रक्षापंक्ति ने मजबूती से डटे रहकर उन्हें गोल से वंचित रखा। 72वें मिनट में वुलार्ट ने ऑफसाइड ट्रैप को भेदते हुए पिच के आधे हिस्से को पार कर गोल कर बेल्जियम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

स्पेन की धमाकेदार वापसी

स्पेन के लिए 77वें मिनट में क्लाउडिया पिना ने पहला गोल किया, जिससे टीम को वापसी का आत्मविश्वास मिला। इसके बाद 92वें मिनट में सलमा पैरालुएलो और लूसिया गार्सिया की साझेदारी से स्पेन ने बराबरी का गोल किया। निर्णायक क्षण 96वें मिनट में आया, जब एक फ्री किक के दौरान बेल्जियम के बॉक्स में उछलती गेंद मार्टिन-प्रीटो के पास पहुंची और उन्होंने नजदीक से गोल कर स्पेन को 3-2 से जीत दिला दी। इस जीत के साथ स्पेन ने यूईएफए महिला नेशंस लीग में शानदार शुरुआत की, जबकि बेल्जियम के लिए यह मुकाबला निराशाजनक साबित हुआ।

अपने सर्वश्रेष्ठ संस्करण में लौट आया है मोहम्मद शमीः रिकी पोंटिंग

दुबई। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की दृढ़ता और शानदार वापसी की ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने प्रशंसा की। पोंटिंग ने चैंपियंस ट्रॉफी में शमी के पांच विकेट लेने को इस बात का सबूत बताया कि यह अनुभवी गेंदबाज चोट से उबरने के बाद अब अपने सर्वश्रेष्ठ संस्करण में लौट आया है। शमी ने आईसीसी टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए 53 रन देकर पांच विकेट झटके, जिससे भारत ने बांग्लादेश को 228 रनों पर समेट दिया। उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने यह मुकाबला छह विकेट से अपने नाम किया। इसके साथ ही वह 200 वनडे विकेट पूरे करने वाले सबसे तेज भारतीय और कुल मिलाकर दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गए। रिकी पोंटिंग ने शमी की तारीफ करते हुए कहा, चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में पांच विकेट लेना शानदार है। वे वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें कोई भी कप्तान अपनी टीम में चाहता है। जब आप ऐसे किसी खिलाड़ी की आंखों में देखते हैं और उससे उम्मीद रखते हैं कि वह मुश्किल समय में टीम के लिए प्रदर्शन करेगा, तो शमी बिल्कुल वैसे ही हैं। शमी 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए टखने की चोट के कारण 14 महीने तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहे थे। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 24 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया था। हालांकि, चोट के कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी और बाएं घुटने में सूजन के चलते उनकी रिकवरी लंबी खिंच गई। पोंटिंग ने आगे कहा, शमी के लिए यह सफर आसान नहीं रहा। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही शानदार रहा हो, लेकिन अगर पीछे मुड़कर देखें, तो करियर की शुरुआत में उन्हें कई रुकावटों का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने खुद को लगातार बेहतर किया और शायद, इस समय वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं।

टाटा कैपिटल की राइट्स इश्यू के जरिए पूंजी जुटाने की योजना, बोर्ड मीटिंग में होगा बड़ा फैसला

मुंबई, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

टाटा संस की वित्तीय सेवा इकाई टाटा कैपिटल निदेशक मंडल की मंगलवार को होने वाली बैठक में राइट्स इश्यू के जरिये पूंजी जुटाने की योजना पर विचार करेगी। आरबीआई के निर्देशों के मुताबिक कंपनी को इस साल सितंबर तक अपने शेयर सूचीबद्ध कराने हैं।

केंद्रीय बैंक के निर्देशों के तहत सभी अपर लेयर एनबीएफसी को सितंबर तक सूचीबद्ध होना है। बोर्ड की बैठक में राइट्स इश्यू के आकार और समय पर चर्चा होगी। जनवरी में आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन को संशोधित करने के लिए मांगी गई शेयरधारकों की मंजूरी के बाद यह बैठक हो रही है।

एक एनबीएफसी के रूप में टाटा कैपिटल के लिए पूंजी पर्याप्तता नियमनों को पूरा करना आवश्यक है। न्यूनतम पूंजी वह होती है जिसे कंपनी को अपनी जोखिम-भारित परिसंपत्तियों और जोखिम-समायोजित ऑफ-बैलेंस शीट की मदों में प्रतिशत के रूप में रखनी होती है। अपने शेयरधारकों को भेजे गए संदेश में कंपनी ने इस बात पर जोर दिया है चूंकि उसका ऋण पोर्टफोलियो और परिसंपत्ति आधार लगातार बढ़ रहा है, इसलिए उसे आवश्यक पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता होगी।

कंपनी ने शेयरधारकों को भेजे संदेश में कहा कि इस जरूरत को पूरा करने के लिए कंपनी की समय-समय पर पूंजी जुटाने की योजना है, जिसमें राइट्स इश्यू के जरिए पूंजी जुटाना भी शामिल है। कंपनी ने इस बारे में जानकारी के लिए शुक्रवार को भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं दिया है।

अभी टाटा कैपिटल के पास लगभग 29,000 शेयरधारक हैं। कंपनी ने कहा कि अपने शेयरधारक आधार में कमी रोकने के लिए वह अपने एओए में एक उपबंध शामिल करने की योजना बना रही है जो शेयरधारकों को किसी भी आगामी राइट्स इश्यू में अपने अधिकारों को छोड़ने से रोकेगा, जब तक कि कंपनी के इक्विटी शेयर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं हो जाते।

न्यूज ब्रीफ

पेट्रोल और डीजल के भाव में जनता को कटौती की उम्मीद!

नई दिल्ली। महंगाई के बोझ तले दब रही जनता को सरकार से राहत की उम्मीद है। दैनिक उपभोग से लेकर जरूरी सामानों के दाम में आए दिन बदलाव देखने को मिल रहा है। वहीं बात करें पेट्रोल-डीजल के दाम की तो जनता ईंधन के दाम में भी कटौती की उम्मीद लगाए बैठी है। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने 22 फरवरी का नया भाव जारी कर दिया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार शनिवार को पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 87.62 रुपए है। इसके अलावा मुंबई में प्रति लीटर की कीमत 103.94 रुपए और डीजल प्रति लीटर के दाम 89.97 रुपए है। वहीं कोलकाता में प्रति लीटर पेट्रोल का भाव 103.94 रुपए और डीजल का भाव 90.76 रुपए है। आखिर में चेन्नई में प्रति लीटर पेट्रोल का दाम 100.85 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपए प्रति लीटर है

भारत सरकार दूसरी बार तेल इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार खाने के तेल पर छह महीने में दूसरी बार इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने पर विचार कर रही है। सरकारी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार के इस फैसले से घरेलू तिलहन किसानों को लाभ हो सकता है क्योंकि वे तिलहन की गिरती कीमतों का सामना कर रहे हैं। इस फैसले से स्थानीय तेल और तिलहन की कीमतें बढ़ सकती हैं, जबकि विदेशी खरीद पर असर पड़ सकता है। इसका सीधा असर पाम तेल, सोया तेल और सूरजमुखी तेल की मांग पर पड़ सकता है। एक सरकारी सूत्र ने बताया कि शुल्क वृद्धि के संबंध में अंतर-मंत्रालयी परामर्श समाप्त हो गया है। सरकार द्वारा जल्द ही शुल्क बढ़ाने की उम्मीद है। एक अन्य सरकारी सूत्र ने भी कहा कि सरकार खाद्य महंगाई पर फैसले के प्रभाव को ध्यान में रखेगी। सितंबर 2024 में, भारत ने कच्चे और रिफाइंड वनस्पति तेलों पर 20 फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी लगाई थी जिसके बाद कच्चे पाम तेल, कच्चे सोया तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर 27.5 फीसदी आयात शुल्क लगाया गया, जो पहले 5.5 फीसदी था, जबकि तीन तेलों के रिफाइंड ग्रेड पर अब 35.75 फीसदी इंपोर्ट टैक्स है। शुल्क वृद्धि के बाद भी, सोयाबीन की कीमतें राज्य द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य से 10 फीसदी से अधिक नीचे कारोबार कर रही हैं। व्यापारियों को यह भी उम्मीद है कि अगले महीने नए सीजन की सप्लाई शुरू होने के बाद सर्दियों में बोई जाने वाली रेपसीड की कीमतों में और गिरावट आएगी।

ईएसआईसी में 17 लाख से अधिक नए कर्मचारियों ने दिसंबर में कराया पंजीकरण

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

एंप्लॉई स्टेट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (ईएसआईसी) से दिसंबर में 17.01 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। इसके साथ ही 20,360 नई संस्थाओं ने पंजीकरण कराया है। यह जानकारी शुक्रवार को सरकार द्वारा दी गई। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि दिसंबर के दौरान जोड़े गए कुल 17.01 लाख कर्मचारियों में से 8.22 लाख कर्मचारी, जो कुल पंजीकरण का लगभग 48.35 प्रतिशत है, 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के हैं।

यह आंकड़ा दिखाता है कि देश में बड़ी संख्या में नए रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

पेरोल डेटा का लिंग-आधार पर विश्लेषण दिखाता है कि दिसंबर में ईएसआईसी स्कीम में 3.46 लाख महिला कर्मचारियों का पंजीकरण हुआ है।

इसके अलावा 73 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों भी इस स्कीम से जुड़े हैं।

इस हफ्ते की शुरुआत में सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) का डेटा जारी किया गया था। इसमें बताया गया था कि शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक के आयु वर्ग के लोगों में एलएफपीआर अक्टूबर-दिसंबर 2024 में बढ़कर 50.4 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 49.9 प्रतिशत पर था।

शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे

अधिक के पुरुषों के लिए एलएफपीआर अक्टूबर-दिसंबर 2024 में बढ़कर 75.4 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछले साल समान तिमाही में 74.1 प्रतिशत था।

शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक के महिलाओं के लिए एलएफपीआर अक्टूबर-दिसंबर 2024 में बढ़कर 25.2 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछले साल समान तिमाही में 25 प्रतिशत था।

रोजगार का एक और सूचकांक माना जाने वाला श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक के लोगों के लिए अक्टूबर-दिसंबर 2024 में बढ़कर 47.2 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 46.6 प्रतिशत था।

शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक के पुरुषों के लिए डब्ल्यूपीआर अक्टूबर-दिसंबर 2024 में बढ़कर 70.9 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछले साल समान तिमाही में 69.8 प्रतिशत था।

शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष या उससे अधिक के पुरुषों के लिए बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर 2024 में गिरकर 6.4 प्रतिशत हो गई है, जो कि अक्टूबर-दिसंबर 2023 में 6.5 प्रतिशत थी।

छोटी, मझोली कंपनियों के शेयरों में गिरावट पर टिप्पणी की जरूरत नहीं : सेबी प्रमुख

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने कहा कि पूंजी बाजार नियामक को हाल ही में छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में आई भारी गिरावट पर टिप्पणी करने की कोई जरूरत नहीं है। बुच ने पिछले साल मार्च में उन्हीं शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन पर दिए गए अपने बयान का हवाला देते हुए कहा कि सेबी ने ऊंचे मूल्यांकन पर अपनी चिंता तब जाहिर की थी, जब उसे इसकी जरूरत महसूस हुई थी। सेबी के चेयरपर्सन ने बताया कि वर्तमान में छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में दिखाई गई गिरावट को एक बड़ी चुनौती मानकर किसी अतिरिक्त कार्रवाई की जरूरत महसूस नहीं होती है, जिससे बाजार में विशेष दावेदारी उत्पन्न हो। उन्होंने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के एक कार्यक्रम में बयान देते हुए कहा कि इस समय नियामक को ऐसे मुद्दों पर बयान नहीं देने की कोई आवश्यकता महसूस नहीं होती है। बुच ने मिड कैप और स्मॉल कैप सेगमेंट के बारे में भी अपनी राय दी और कहा कि उन्हें वर्तमान स्थिति पर अतिरिक्त चिंता नहीं है। इस समय छोटी कंपनियों के शेयरों में देखी गई गिरावट जब सभी के ध्यान को अपनी ओर खींच रही है, तो इस बयान से मार्केट में कुछ सहारा मिल सकता है। बुच ने स्पष्ट किया कि नियामक का कोई इरादा अनिवार्य इतना छोटा निवेश योजना (एसआईपी) को बनाने का नहीं है और उन्होंने सुनिश्चित रिटर्न पर ध्यान देने की ऐहिक योजनाएं करने की सीमा खोली।

क्वालिटी पावर का आईपीओ 24 फरवरी को आएगा

नई दिल्ली, 22 फरवरी (एजेंसियां)।

क्वालिटी पावर इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) सोमवार, 24 फरवरी को शेयर बाजार में लिस्ट होने वाला है। कंपनी के आईपीओ का कुल मूल्यांकन लगभग 858.70 करोड़ बताया जा रहा है। हालांकि, आईपीओ में निवेशकों की प्रतिक्रिया उम्मीद से कम रही, और इसे 1.29 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। इसी बीच लिस्टिंग से पहले कंपनी के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में डिस्काउंट पर कारोबार करते दिखे। ग्रे मार्केट की जानकारी के अनुसार क्वालिटी पावर के शेयर लगभग 423 रुपए पर ट्रेड होते दिख रहे हैं, जो कि इश्यू प्राइस से 2 रुपए या 0.47 फीसदी से कम है। हाल के ग्रे मार्केट रुझानों से संकेत मिलता है कि कंपनी के शेयरों के लिए नकारात्मक लिस्टिंग की संभावना बनी हुई है।

आईपीओ का कुल मूल्यांकन लगभग 858.70 करोड़

हालांकि, ग्रे मार्केट अनियंत्रित होते हैं, निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे केवल इस जानकारी पर निर्भर न रहें और इसे केवल एक संकेतक के रूप में देखें। क्वालिटी पावर ने अपना आईपीओ जारी करते हुए 5.2 मिलियन इक्विटी शेयरों का नया इश्यू और 14.90 मिलियन इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल रखा है। इस सार्वजनिक पेशकश में प्रति शेयर 401 से 425 रुपए के प्राइस बैंड पर शेयर उपलब्ध कराए गए, तथा लॉट साइज 26 शेयर निर्धारित किया गया। आईपीओ की सब्सक्रिप्शन विंडो 14 फरवरी से लेकर 18 फरवरी तक खुली रही थी। शेयरों का फाइनल अलॉटमेंट 19 फरवरी को हुआ था।

होंडा कंपनी की नई बाइक होंडा हॉर्नेट 2.0 लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी नई बाइक होंडा हॉर्नेट 2.0 लॉन्च कर दी है। कंपनी ने इसे सिंगल फुली-लोडेड वेरिएंट में बाजार में उतारा है, जिसे रेड विंग और बिग विंग डीलरशिप्स से खरीदा जा सकता है।यह बाइक ओबीडी2बी-कंप्लायंट इंजन के साथ आती है और इसकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 1,56,953 रखी गई है। नई हॉर्नेट 2.0 में स्टाइलिंग को और बेहतर बनाया गया है।

पायलटों के विश्राम करने का समय बढ़ेगा, न्यायालय का समर्थन

दिल्ली उच्च न्यायालय में पेश किए गए एक हलफनामे में कहा गया है कि पायलटों के साप्ताहिक विश्राम करने के समय को मौजूदा 36 घंटों से बढ़ाकर 48 घंटे करने पर विचार किया गया है। डीजीसीए ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि एयरलाइंस 1 जुलाई से चरणबद्ध तरीके से पायलटों के लिए ड्यूटी और विश्राम घंटों पर संशोधित मानदंडों को लागू करेंगी। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने न्यायमूर्ति को यह भी सूचित किया कि शेष संशोधित नियम 1 नवंबर से लागू किए जाएंगे। वहीं अन्य पहलुओं के अलावा, एयरलाइंस यह सुनिश्चित करेंगी कि संशोधित मानदंडों के तहत एक साप्ताहिक आराम अवधि के अंत और अगले की शुरुआत के बीच 168 घंटे से अधिक का समय न हो। बता दें कि, डीजीसीए का संशोधन नागरिक विमानन आवश्यकता (सीएआर) उड़ान ड्यूटी समय सीमा से जुड़ा है और पायलटों की थकान पर चिंताओं के बीच पायलटों के लिए अधिक आराम का समय प्रदान करना चाहती है। शुरुआत में इसे 1 जून, 2024 से लागू किया जाना था।

टेस्ला भारत में आने की कर रही तैयारी, तलाश रही जगह

मुंबई,22 फरवरी (एजेंसियां)।

भले ही भारत में कारखाना स्थापित करने संबंधी टेस्ला की योजना के बारे में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप तैयार नहीं हैं लेकिन सूत्रों की मानें तो ईलॉन मस्क की कंपनी भारतीय बाजार में आने के लिए कमर कस चुकी है। सूत्रों ने कहा कि टेस्ला भारत में अपने एक कारखाने के लिए सक्रियता से जगह की तलाश कर रही है। कंपनी यहां सीकेडी इकाई लगाना चाहती है जहां कलपुर्जे आयात कर वाहनों को असेंबल किया जाएगा। इससे कंपनी को पूरी तरह से तैयार वाहन को आयात करने की जरूरत नहीं होगी और उसे कर में भी राहत मिल सकती है। कंपनी इसी संदर्भ में आंध्र प्रदेश सरकार के साथ पिछले कुछ दिनों से बातचीत कर रही है। इस मामले से अवगत एक सूत्र ने बताया कि राज्य सरकार ने कंपनी के प्रतिनिधियों के समक्ष नेल्लूर, तिरुपति जिले में श्री सिटी और अनंतपुर जिले में किया क्लस्टर के समीप पहले से अधिग्रहीत भूमि का विकल्प रखा है। इससे पहले कंपनी की नजर महाराष्ट्र और गुजरात पर भी थी। सूत्रों ने बताया कि भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास में कंपनी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है। टेस्ला के साथ तमिलनाडु सरकार भी बातचीत कर रही थी क्योंकि वहां पहले से ही वाहन विनिर्माण का परिवेश मौजूद है। तमिलनाडु में ह्युंडै मोटर, बीएमडब्ल्यू, फोर्ड और टाटा मोटर्स-जेएलआर जैसी प्रमुख वाहन कंपनियों के कारखाने हैं। अगर एन चंद्रबाबू नायडू की

सरकार टेस्ला को आंध्र प्रदेश लाने में सफल होती है तो यह तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख के लिए एक अन्य बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने 1990 के दशक में माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स के साथ अपनी चर्चित बैठक के बाद आंध्र प्रदेश में इंडिया डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने संबंधी माइक्रोसॉफ्ट के निर्णय में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

2047 तक...

आपने भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और एनसीपी की सरकार बनाई। ये तो आपने किया ही, साथ ही एक ऐतिहासिक बहुमत दिया। मगर साथ में कौन सी शिवसेना असली है और कौन सी नकली, इसका हिसाब भी महाराष्ट्र की जनता ने कर दिया। कौन सी एनसीपी असली है और कौन सी नकली, इसका भी निर्णय महाराष्ट्र की जनता ने कर दिया। आज का दिन बहुत खास है। लाखों परिवारों को खुद का पक्का घर मिलेगा। मैं सभी लाभार्थी परिवारों का प्रधानमंत्री मोदी, भारत सरकार और महाराष्ट्र सरकार की ओर से बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं।

दो इंजीनियरों ...

उत्तर प्रदेश के चंदौली से हैं श्री निवास तेलंगाना में धंसी सुरंग में फंसे श्रीनिवास (48) चंदौली जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के माटीगांव के रहने वाले हैं। श्रीनिवास साल 2008 से हैदराबाद मे जेपी कंपनी में जेई पद पर कार्यरत हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, उन्होंने जिला कलेक्टर, फायर ब्रिगेड और सिंचाई विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य में लगे हुए हैं। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने एक बयान में कहा, यह दुर्घटना श्रीशैलम से देवरकोंडा जाने वाली सुरंग के 14वें किलोमीटर के इनलेट (डोमलपेंटा के पास) पर सीपेज पर लगी कंक्रीट के फिसलने के कारण हुई।मंत्री ने पुष्टि की कि 42 श्रमिक सुरक्षित बाहर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि सुबह 8 बजे 50 श्रमिक सुरंग के अंदर चले गए थे, जबकि सुबह 8:30 बजे से सुरंग बोरिंग मशीन का संचालन किया जा रहा था। सुरंग में पानी का रिसाव देखकर मशीन ऑपरेटर ने शोर मचाया, जिसके बाद 42 कर्मचारी सुरक्षित निकलने में कामयाब हो गए। हालांकि, तब तक भारी मात्रा में मिट्टी ढह गई, जिससे दूसरी तरफ मौजूद आठ लोग फंस गए।दुर्घटना पर चिंता जताते हुए केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने दुर्घटना के कारणों की जानकारी ली और अधिकारियों से फंसे लोगों कोसुरक्षित निकालने के लिए कहा। उनके कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने अधिकारियों से घायलों को उपचार मुहैया कराने को भी कहा है।

घिर गई...

पंजाब सरकार ने 23 सितंबर को मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल किया था और पांच विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया था। धालीवाल से अब तक कुल तीन विभाग वापस लिए जा चुके हैं। इससे पहले ग्रामीण विकास एवं पंचायत और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग भी उनसे वापस लिया गया था। मुख्य सचिव की तरफ से जारी आदेश के अनुसार प्रशासनिक सुधार विभाग अब अस्तित्व में नहीं है।

पैसा था वन ...

में मवेशियों और मानवीय गतिविधियों से भी काफी नुकसान हुआ। इन सबके बावजूद, वनीकरण परियोजनाओं पर 22.08 लाख की राशि खर्च की गई, लेकिन फिर भी अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हो सके।इस सीएजी रिपोर्ट में 2013 के पहले के ऑडिट का भी हवाला दिया गया है। जिसमें 2006 और 2012 के बीच भी इसी तरह के कुप्रबंधन हुए थे जिसको उजागर किया गया था।इसमें बताया गया है कि तब प्रतिपूरक वनरोपण शुल्क के रूप में 212.28 करोड़ रुपये वसूल नहीं किए गए। वहीं इस रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि अस्वीकृत परियोजनाओं पर 2.13 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि स्वीकृत सीमा से परे 3.74 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। वहीं प्रधान सचिव के आवास के जीर्णोद्धार, सरकारी क्वार्टरों के रखरखाव और वाहन खरीद जैसे गैर-पर्यावरणीय खर्चों पर 12.26 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।इसके साथ ही रिपोर्ट में यह भी शामिल है कि बजट बैठकों के लिए लंच और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के लिए 35 लाख रुपये के जश्न समारोह सहित अनावश्यक खर्चों पर 6.14 करोड़ रुपये खर्च किए गए।रिपोर्ट की मानें तो वर्षवार कुल गैर जरूरी खर्च इस प्रकार थे। जिसमें 2019-20 में 2,31,37,184 रुपए, 2020-21 में 7.96 करोड़ से ज्यादा रुपए 2021-22 में 3.58 करोड़ से ज्यादा रुपए और इस तरह कुल मिलाकर 13.86 करोड़ से ज्यादा की राशि गैर जरूरी खर्च किए गए।रिपोर्ट में सरकारी अस्पतालों में एक्सपायर हो चुकी दवाओं के वितरण पर भी चिंता जताई गई है। रिपोर्ट की मानें तो कम से कम तीन सरकारी अस्पतालों में 34 एक्सपायर हो चुकी दवाओं का स्टॉक था। इनमें से कुछ दवाएं दो साल से पहले ही खराब हो गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी...

दिसंबर 2018 में शक्तिकांत दास को सरकार ने रिजर्व बैंक के प्रमुख के रूप में आश्चर्यजनक रूप से नियुक्त किया था। उन्होंने उर्जित पटेल की जगह ली थी, जिनके नेतृत्व में केंद्र सरकार ने डिमोनेटाइजेशन किया था। उर्जित पटेल ने बाद में किसी लेंडिंग पालिसी में बदलाव की मांग का विरोध करते हुए कथित रूप से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद रिप्लेसमेंट के रूप में शक्तिकांत दास को मौका मिला था।2021 में, सरकार ने शक्तिकांत दास को तीन साल का विस्तार दिया था। पिछले महीने ऐसी खबरें आई थीं कि आरबीआई गवर्नर को दूसरा विस्तार दिया जाएगा, लेकिन संजय मल्होत्रा के रूप में नई नियुक्ति का ऐलान किया गया था। इस विस्तार से वे लगभग 70 वर्षों में रिजर्व बैंक के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रमुख बन जाते।

कश्मीरी पंडितों से ...

इस बार, दोनों समुदायों के युवाओं को नेतृत्व करना चाहिए, क्योंकि अकेले बुजुर्ग बदलाव नहीं ला सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ठोस सरकारी कार्रवाई के बिना कश्मीरी पंडितों की वापसी संभव नहीं होगी। टिक्कू ने चिंता व्यक्त की कि यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की उपस्थिति अगले दशक में और कम हो सकती है। एक संरचित पुनर्वास नीति की कमी, साथ ही चल रही सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के कारण, अपने पैतृक मातृभूमि में समुदाय के अस्तित्व को खतरा है।

विजया एकादशी पर करें भगवान विष्णु के नामों का जाप, दूर होंगे दुख-दर्द

फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को विजया एकादशी के रूप में मनाया जाता है। इस साल यह एकादशी सोमवार, 24 फरवरी 2025 को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इस दिन व्रत करने से साधक को पुण्य फलों की प्राप्ति होती है।

भगवान विष्णु के १०८ नाम

1) ऊँ श्री विष्णवे नम:
2) ऊँ श्री परमात्मने नम:
3) ऊँ श्री विराट पुरुषाय नम:
4) ऊँ श्री क्षेत्र क्षेत्राज्ञाय नम:
5) ऊँ श्री केशवाय नम:
6) ऊँ श्री पुरुषोत्तमाय नम:
7) ऊँ श्री ईश्वराय नम:
8) ऊँ श्री हृषीकेशाय नम:
9) ऊँ श्री पद्मनाभाय नम:
10) ऊँ श्री विश्वकर्मणे नम:
11) ऊँ श्री कृष्णाय नम:
12) ऊँ श्री प्रजापतये नम:
13) ऊँ श्री हिरण्यगर्भाय नम:
14) ऊँ श्री सुरेशाय नम:
15) ऊँ श्री सर्वदर्शनाय नम:
16) ऊँ श्री सर्वेश्वराय नम:
17) ऊँ श्री अच्युताय नम:
18) ऊँ श्री वासुदेवाय नम:
19) ऊँ श्री पुण्डरीक्षाय नम:
20) ऊँ श्री नर-नारायणा नम:
21) ऊँ श्री जनार्दनाय नम:
22) ऊँ श्री लोकाध्यक्षाय नम:
23) ऊँ श्री चतुर्भुजाय नम:
24) ऊँ श्री धर्माध्यक्षाय नम:
25) ऊँ श्री उपेन्द्राय नम:
26) ऊँ श्री माधवाय नम:
27) ऊँ श्री महाबलाय नम:
28) ऊँ श्री गोविन्दाय नम:
29) ऊँ श्री प्रजापतये नम:
30) ऊँ श्री विश्वातमने नम:
31) ऊँ श्री सहस्त्राक्षाय नम:
32) ऊँ श्री नारायणाय नम:
33) ऊँ श्री सिद्ध संकल्पयाय नम:
34) ऊँ श्री महेन्द्राय नम:
35) ऊँ श्री वामनाय नम:
36) ऊँ श्री अनन्तजिते नम:
37) ऊँ श्री महीधराय नम:
38) ऊँ श्री गरुडध्वजाय नम:
39) ऊँ श्री लक्ष्मीपतये नम:
40) ऊँ श्री दामोदराय नम:
41) ऊँ श्री कमलापतये नम:
42) ऊँ श्री परमेश्वराय नम:
43) ऊँ श्री धनेश्वराय नम:
44) ऊँ श्री मुकुन्दाय नम:
45) ऊँ श्री आनन्दाय नम:
46) ऊँ श्री सत्यधर्माय नम:
47) ऊँ श्री उपेन्द्राय नम:
48) ऊँ श्री चक्रगदाधराय नम:
49) ऊँ श्री भगवते नम

एकादशी तिथि को हिंदू धर्म की महत्वपूर्ण तिथियों में से एक माना जाता है। इस दिन विष्णु जी के निमित्त व्रत किया जाता है और विधिवत रूप से उनकी पूजा-अर्चना की जाती है।

50) ऊँ श्री शान्तिदाय नम:
51) ऊँ श्री गोपतये नम:
52) ऊँ श्री श्रीपतये नम:
53) ऊँ श्री श्रीहरये नम:
54) ऊँ श्री श्रीरघुनाथाय नम:
55) ऊँ श्री कपिलेश्वराय नम:
56) ऊँ श्री वाराहय नम:
57) ऊँ श्री नरसिंहाय नम:
58) ऊँ श्री रामाय नम:
59) ऊँ श्री हयग्रीवाय नम:
60) ऊँ श्री शोकनाशनाय नम:
61) ऊँ श्री विशुद्धात्मने नम :
62) ऊँ श्री केश्वाय नम:
63) ऊँ श्री धनंजाय नम:
64) ऊँ श्री ब्राह्मणप्रियाय नम:
65) ऊँ श्री श्री यदुश्रेष्ठाय नम:
66) ऊँ श्री लोकनाथाय नम:
67) ऊँ श्री भक्तवत्सलाय नम:
68) ऊँ श्री चतुर्मूर्तये नम:
69) ऊँ श्री एकपदे नम:
70) ऊँ श्री सुलोचनाय नम:
71) ऊँ श्री सर्वतोमुखाय नम:
72) ऊँ श्री सप्तवाहनाय नम:
73) ऊँ श्री वंशवर्धनाय नम:
74) ऊँ श्री योगिनेय नम:
75) ऊँ श्री धनुर्धराय नम:
76) ऊँ श्री प्रीतिवर्धनाय नम:
77) ऊँ श्री प्रीतिवर्धनाय नम
78) ऊँ श्री अक्रूराय नम:
79) ऊँ श्री दु:स्वपननाशनाय नम:

एकादशी व्रत करने से साधक को भगवान विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी कृपा की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में आपको एकादशी के मौके पर विष्णु जी के 108 नामों का जप जरूर करना चाहिए, ताकि प्रभु श्रीहरि की दया दृष्टि आपके ऊपर बनी रहे।

80) ऊँ श्री भूभवे नम:
81) ऊँ श्री प्राणदाय नम:
82) ऊँ श्री देवकी नन्दनाय नम:
83) ऊँ श्री शंख भृते नम:
84) ऊँ श्री सुरेशाय नम:
85) ऊँ श्री कमलनयनाय नम:
86) ऊँ श्री जगतगुरूवे नम:
87) ऊँ श्री सनातन नम:
88) ऊँ श्री सच्चिदानन्दाय नम:
89) ऊँ श्री द्वारकानाथाय नम:
90) ऊँ श्री दानवेन्द्र विनाशकाय नम:
91) ऊँ श्री दयानिधि नम:
92) ऊँ श्री एकातम्ने नम:
93) ऊँ श्री शत्रुजिते नम:
94) ऊँ श्री घनश्यामाय नम:
95) ऊँ श्री लोकाध्यक्षाय नम:
96) ऊँ श्री जरा-मरण-वर्जिताय नम:
97) ऊँ श्री सर्वयज्ञफलप्रदाय नम:
98) ऊँ श्री विराटपुरुषाय नम:
99) ऊँ श्री यशोदानन्दनयाय नम:
100) ऊँ श्री परमधार्मिकाय नम:
101) ऊँ श्री गरुडध्वजाय नम:
102) ऊँ श्री प्रभवे नम:
103) ऊँ श्री लक्ष्मीकान्ताजाय नम:
104) ऊँ श्री गगनसदृश्यमाय नम:
105) ऊँ श्री वामनाय नम:
106) ऊँ श्री हंसाय नम:
107) ऊँ श्री वयासाय नम:
108) ऊँ श्री प्रकटाय नमः

घर में बनाए रखनी है खुशियां, तो गांठ बांध लें चाणक्य की ये बातें

आचार्य चाणक्य की नीति सबसे लोकप्रिय नीतियों में शामिल है। ऐसे में आप भी इसे अपने जीवन में अपनाकर लाभ देख सकते हैं। किसी भी परिवार में खुशियां तभी बनी रहती हैं, जब वहा किसी भी तरह का भेदभाव, जलन और नफरत की भावना न हो। तो चलिए जानते हैं कि इस विषय में आचार्य चाणक्य का क्या कहता हैं।

इस आदत में करें बदलाव

मां अन्नपूर्णा को हिंदू धर्म में अन्न की देवी के रूप में पूजा जाता है, इसलिए कभी न तो अन्न बर्बाद करें और न ही किसी सदस्य को करने दें। परिवार के बच्चों में भी यही आदते डालें। चाणक्य जी का कहना है कि जिस घर में अन्न की बर्बादी होती है, वहां हमेशा आर्थिक समस्याएं बनी रहती हैं। इसलिए अपनी इस आदत में जल्द-से-जल्द सुधार करें।

क्या कहते हैं चाणक्य

घर-परिवार को सही ढंग से चलाने की जिम्मेदारी घर के बड़े लोगों खासकर मुखिया के कंधों पर होती है। ऐसे में अगर आपके घर में किसी सदस्या को फिजूलखर्ची की आदत है, तो उसमें तुरंत बदलाव करने की जरूरत है। इससे भी परिवार की आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ सकता है। क्योंकि एक को देखकर घर के अन्य लोग और बच्चे भी यही सीखते हैं और पैसों का महत्व नहीं समझते। इसलिए न तो फिजूलखर्ची करें और न ही किसी और को करने दें।

खुद भी करें पालन

परिवार में जो भी नियम बनाए जाते हैं, तो यह सुनिश्चित करें कि घर के सभी सदस्य उनका पालन करें, चाहे वह छोटे हों या बड़ें। क्योंकि अगर बड़े लोग ही नियम तोड़ते हैं, तो छोटे भी यही सिखते हैं। इसलिए अगर आप ही नियमों का पालन नहीं करते, तो अन्य लोगों से भी ऐसा करने की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए।

क्या कहते हैं आचार्य चाणक्य

आचार्य चाणक्य के अनुसार, घर के लोगों के बीच कभी भी भेदभाव की भावना नहीं आनी चाहिए, वरना इससे सदस्यों के बीच बैर भावना उत्पन्न होने लगती है। इसलिए घर के बड़े लोगों खासकर मुखिया को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपने से छोटों को कमतर न आंकें और एक की तुलना दूसरे से न करें। परिवार में खुशियां बनाए रखने के लिए इस बात का ध्यान रखना जरूरी है।

अच्छा समय शुरू होने से पहले आते हैं ये सपने, समझिए दूर होने वाली है सारी परेशानी

स्वप्न शास्त्र की मानें, तो कुछ सपने आपको अच्छे समय के आने का संकेत देते हैं। वहीं कुछ आपको भविष्य में आने वाली परेशानियों के प्रति आगाह भी करते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे सपनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको अच्छा समय शुरू होने से पहले दिखाई देते हैं।

सपने में भगवान के दर्शन

सपने में भगवान का दिखना एक शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे में यदि आप सपने में अपने इष्ट देव को प्रसन्न या मुस्कुराते हुए देखते हैं, तो इसे एक बहुत ही अच्छा संकेत समझा जाता है। इसका अर्थ है कि आपको जल्द ही कोई बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। वहीं अगर आप सपने में भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बजाते हुए देखते हैं, तो यह एक शुभ संकेत समझा जाता है। क्योंकि स्वप्न शास्त्र में इसका अर्थ बताया गया है कि आपके जीवन में कुछ अच्छे बदलाव आने वाले हैं।

बरसेगी श्रीहरि की कृपा

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, शंख बहुत ही पवित्र वस्तु मानी गई है। इसका संबंध धन की देवी यानी मां लक्ष्मी से माना गया है। ऐसे में सपने में शंख को देखना एक अच्छा संकेत माना जाता है। स्वप्न शास्त्र में इसे एक दुर्लभ सपना माना गया है, जिसे देखने का अर्थ है कि आपके ऊपर बहुत जल्द लक्ष्मी जी के साथ-साथ भगवान विष्णु की भी कृपा बरसने वाली है।

इस जानवर का दिखना है शुभ

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में हाथी देखना भी काफी शुभ माना जाता है। इसका अर्थ है कि जल्द ही आपके लिए अच्छा समय शुरू होने वाला है और आपको धन, ऐश्वर्य और सम्मान की प्राप्ति होगी। इसी के साथ सपने में पक्षी की तरह खुद को उड़ते हुआ देखना भी एक अच्छा समय है। इसका अर्थ है कि आपके जीवन में जो परेशानियां चल रही हैं, वह जल्द खत्म होने वाली हैं।

शुभ हैं ये चीजें

अगर कोई व्यक्ति सपने में बारिश होते हुए दिखता है, तो स्वप्न शास्त्र के मुताबिक ये काफी शुभ सपना होता है। इसका अर्थ माना जाता है कि आपको जल्द ही कोई गुड न्यूज मिलने वाली है। साथ ही इस सपने का यह भी अर्थ माना जाता है कि आपका वह काम पूरा हो सकता है, जिसका आप काफी समय से इंतजार कर रहे थे।

किस दिशा को कहा जाता हैं ईशान कोण वास्तु में क्यों हैं इसका इतना महत्व?

वास्तु शास्त्र में हर दिशा का एक विशेष महत्व माना गया है, लेकिन सबसे अधिक महत्व ईशान कोण को दिया गया है। इस दिशा में देवताओं का स्थान माना जाता है।

उत्तर-पूर्व दिशा को ईशान कोण कहा जाता है। वास्तु के अनुसार, ईशान कोण से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। ऐसे में इस दिशा से जुड़े वास्तु नियमों का ध्यान रखने से स्वास्थ्य, खुशी और समृद्धि में वृद्धि होती है।

ईशान कोण में क्या होना चाहिए

देवताओं की दिशा होने के कारण इस दिशा में पूजा घर या मंदिर बनाना शुभ माना जाता है। इस दिशा में पूजा करने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद आपके ऊपर बना रहता है। साथ ही इस दिशा को ज्ञान, बुद्धि, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी माना गया है।

इसलिए आप इस दिशा में बच्चों का कमरा भी बनवा सकते हैं। इससे उनकी एकाग्रता बढ़ती है।

इस दिशा का संबंध जल तत्व से भी माना गया है, इसलिए आपको इस दिशा में एक्वेरियम या फिर छोटा-सा फव्वारा लगाने से भी लाभ मिल सकता है।

नहीं होनी चाहिए ये चीजें

वास्तु के अनुसार आपके घर में ईशान कोण में शौचालय या फिर रसोई नहीं होनी चाहिए। इसी के साथ इस दिशा में भारी फर्नीचर और जूते-चप्पल भी नहीं रखने चाहिए, वरना आपको वास्तु दोष का सामना करना पड़ सकता है, जिससे आपको जीवन की परेशानियां बढ़ सकती हैं। इसके साथ ही इस दिशा में किसी भी प्रकार की गंदगी नहीं होना चाहिए।

रखें इन बातों का ख्याल

ईशान कोण में साफ-सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखें। साथ ही इस दिशा में हर चीज को व्यवस्थित तरीके से रखें। इसी के साथ इस बात का खासतौर से ध्यान रखें कि ईशान कोण में कोई भारी वस्तु नहीं होनी चाहिए, ताकि सकारात्मक ऊर्जा का स्वतंत्र रूप से प्रवाह जारी रहे। साथ ही इस दिशा में काले रंग की वस्तुएं रखने से भी बचना चाहिए।

शिव पूजन में क्यों वर्जित हैं केतकी के फूल

महाशिवरात्रि पर पूजा करते समय भगवान शिव को कई तरह की फूल माला, फूल और बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं। यह भी माना जाता है कि भोलेनाथ भक्तों के हर तरह के भोग और भेंट को स्वीकार करते हैं। इसलिए भोले बाबा के भक्त भी अक्सर बिना सोचे-समझे भगवान को कई तरह के फूल अर्पित कर देते हैं। परंतु सभी भक्तों को एक और मान्यता के बारे में जान लेना चाहिए। एक ऐसा भी फूल है जिसे शिवलिंग पर चढ़ाना वर्जित माना जाता है। इस फूल का नाम है केतकी का फूल। इस फूल को भगवान शिव पर क्यों अर्पित नहीं किया जाता है इससे जुड़ी एक पौराणिक कथा बहुत प्रचलित है। अगर आप भी महाशिवरात्रि पर शिव पूजन के लिए जाने वाले हैं तो इस कथा को जरूर जान लीजिए ताकि आप भी शिवलिंग पर केतकी के फूल अर्पित करने की गलती न करें।

केतकी के फूल से जुड़ी पौराणिक कथा

पं। राहुल दीक्षित के अनुसार, केतकी के फूल और भगवान शिव की यह कथा त्रेतायुग से जुड़ी हुई है जिसका वर्णन शिव पुराण में भी मिलता है। कथा के अनुसार, एक बार भगवान विष्णु और भगवान ब्रह्मा के बीच खुद को श्रेष्ठ साबित करने के लिए तर्क होने लगे। बात जब थोड़ी ज्यादा बढ़ गई तब भगवान शिव उनके सामने एक अग्निस्तंभ यानी कि ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए। भगवान शिव ऐसे विशाल दिव्य स्तंभ के रूप में प्रकट हुए थे कि उसका कोई आदि था न ही उसका कोई अंत ही दिखाई दे रहा था। भगवान शिव ने विष्णु और ब्रह्मा से कहा कि जो कोई भी इस ज्योतिर्लिंग का आदि या अंत खोजकर आएगा, वही श्रेष्ठ माना जाएगा।

आदि और अंत की शुरू हुई खोज

उस आदि और अंत को खोजने के लिए भगवान विष्णु ने वराह रूप धारण किया वो पृथ्वी के गर्भ में जाकर ज्योतिर्लिंग का आदि खोजने लगे, जबकि भगवान ब्रह्मा हंस के रूप में आकाश की ओर उड़ चले ताकि वो उसके अंत तक पहुंच सकें। विष्णु जी ने बहुत प्रयास किया लेकिन उन्हें शिवलिंग का आदि यानी कि स्टार्टिंग प्वाइंट नहीं मिला। उन्होंने शिवजी के सामने सच्चाई बताई और हार मान ली। ब्रह्मा जी आकाश में ऊपर और ऊपर तक उड़ते रहे, लेकिन उन्हें भी शिवलिंग का अंत यानी कि एंड प्वाइंट नहीं मिला। पर विष्णुजी की तरह ब्रह्माजी ने हार नहीं मानी बल्कि उन्होंने केतकी के फूल के साथ मिलकर नई कहानी बनाई।

केतकी के फूल की झूठी गवाही

पौराणिक कथा के अनुसार बताया कि ब्रह्माजी को ज्योतिर्लिंग का अंत तो नहीं मिला लेकिन एक केतकी का फूल मिल गया। केतकी के फूल से ब्रह्माजी ने ज्योतिर्लिंग के अंत के बारे में पूछा। केतकी के फूल को भी इसकी कोई जानकारी नहीं थी। लेकिन, ब्रह्माजी ने उस फूल को झूठी गवाही देने को कहा। ब्रह्माजी ने कहा कि उन्होंने ज्योतिर्लिंग का अंत ढूंढ लिया है जिसका साक्षी केतकी का फूल भी है। भगवान शिव तो स्वयं सारा सच जानते थे। उन्हें केतकी की इस झूठी गवाही पर गुस्सा आ गया और उन्होंने यह श्राप दिया कि उनके पूजन में कभी केतकी के फूल का उपयोग नहीं होगा। अलग-अलग कथाओं में ये भी कहा जाता है कि भगवान शिव ने ब्रह्माजी को भी क्रोध में आकर श्राप दिया। कुछ कथाओं में कहा जाता है कि भगवान शिव ने क्रोधित होकर ब्रह्माजी का शीष काट दिया जिसके बाद से वो पंच मुख से चार मुख वाले हो गए।

महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पर चढ़ाएं भोलेनाथ की ये प्रिय चीजें

महाशिवरात्रि को हर साल पूरे देश में बड़ी भव्यता के साथ मनाया जाता है। इस मौके पर शिव भक्त भगवान शिव के लिए पूर्ण भक्ति के साथ उपवास रखते हैं और उनकी पूजा करते हैं। यह पवित्र दिन शिव-शक्ति के मिलन का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, साल 2025 में महाशिवरात्रि 26 फरवरी को मनाई जाने वाली है। कहा जाता है कि इस मौके पर शिवलिंग पर कुछ ऐसी चीजें हैं, जिन्हें अर्पित करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है.

शिवलिंग पर चढ़ाएं ये चीजें

महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर गंगाजल, बेलपत्र, दूध, दही, शहद, चावल, काले तिल, गेहूं, धतूरा, भांग, कपूर, सफेद चंदन, भस्म, आंक के फूल आदि चीजें जरूर अर्पित करनी चाहिए, क्योंकि यह वस्तुएं भगवान शंकर को अति प्रिय हैं।

इसके साथ ही इन चीजों को चढ़ाने से जीवन में आने वाले सभी संकटों का नाश होता है। वहीं, कुंडली से अशुभ ग्रहों का बुरा प्रभाव कम होता है।

महाशिवरात्रि पूजा मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को हर साल महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इस साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 08 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 27 फरवरी को सुबह 08 बजकर 54 मिनट पर होगा। ऐसे में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि मनाई जाएगी। इसके साथ ही इस दिन पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम 06 बजकर 19 मिनट से रात 09 बजकर 26 मिनट तक का है। इसके अलावा रात दूसरा पूजा मुहूर्त 09 बजकर 26 मिनट से देर रात 12 बजकर 34 मिनट तक है।

जेल जाते वक्त जब संजय दत्त को प्रेग्नेंट बीवी मान्यता की हुई चिंता

अभिनेत्री शीबा आकाशदीप को किया था फोन, 9 महीने तक रही साथ

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने 1993 के मुंबई बम धमाकों में शामिल होने के लिए पांच साल की जेल की सजा काटी थी। उन्हें अवैध हथियार रखने के लिए आर्म्स एक्ट के तहत दोषी ठहराया गया था और 2016 में रिहा होने से पहले उन्हें अपनी सजा के दौरान कई बार जमानत दी गई थी। 2009-2010 के आसपास जेल में रहने के दौरान, संजय की पत्नी मान्यता दत्त अपने जुड़वां बच्चों के साथ प्रेग्नेंट थीं। आगे जेल की सजा का सामना करने पर, संजय ने अपनी करीबी दोस्त और साथी अभिनेत्री शीबा आकाशदीप से संपर्क किया और उनसे उनकी अनुपस्थिति में मान्यता का साथ देने के लिए कहा।

कितना मुश्किल था वो समय : शीबा

हाल ही में पिंकविला से बातचीत में, शीबा ने संजय के जीवन के इस कठिन दौर को करीब से देखने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वह मान्यता के साथ उनकी प्रेग्नेंसी के दौरान खड़ी रहीं और इस बात का पूरा ध्यान रखा कि उन नौ महीनों के दौरान वह अकेली न रहें। शीबा ने कहा, जब वह जेल जा रहे थे तो उन्होंने मुझे फ़ोन किया और कहा, 'मान्यता अकेली है, मैं चाहता हूं कि तुम जाकर उसकी देखभाल करो'। मैं रोजाना अपने घर से उसके पास बैठने जाती थी ताकि मैं उसके साथ रह सकूं क्योंकि वह प्रेग्नेंट थी और अकेली थी। मैं उसके बाहर आने तक उसके साथ रहना चाहता थी। इसलिए, मैंने पूरे नौ महीने उसके साथ बिताए।

जेल में ये काम करते थे संजय

इससे पहले, शेफ रणवीर बरार के होस्ट शो स्टार बनाम फूड सर्वाइवल में पहुंचे संजय दत्त ने खुलासा किया था कि कैसे उन्होंने जेल में अपने समय का इस्तेमाल एक्सरसाइज करने और खाना बनाना सीखने के लिए किया। संजय ने कहा, पहली बार जब मैं जेल गया था, अगर आप ठाणे जेल के बाहर की तस्वीरें देखें- अन्ना, अक्षय, अजय, शाहरुख, हर कोई मेरे पास आया और मुझे शुभकामनाएं दीं। मुझे जेल की सजा काटने से कोई राहत नहीं मिली, इसलिए इस बारे में ज़्यादा क्यों सोचना? मुझे अपना मन बनाना पड़ा कि हां मुझे जाना ही है। मुझे इसका सामना करना होगा। छह सालों में, मैंने इसका सामना किया, इसे संभाला, इसका पूरा फायदा उठाया और इससे सीखा। मैंने उस समय का इस्तेमाल खाना बनाना, शास्त्र सीखना और

वर्कआउट करने में किया। मैं एक बेहतर काया के साथ बाहर आया।

साउथ ला रहा है दृश्यम 3

सुपरस्टार मोहनलाल बोले- अतीत कभी चुप नहीं रहता

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल ने अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइजी दृश्यम के तीसरे सीक्वल की घोषणा कर दी है। इस फिल्म के अब तक दो पार्ट आ चुके हैं। दोनों की पार्ट को बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इतना ही नहीं दृश्यम 1 और दृश्यम 2 को कई भाषाओं में रीमेक कर रिलीज किया गया है। अब 20 फरवरी को मोहनलाल ने दृश्यम 3 की घोषणा कर डाली है। उनकी इस फिल्म का निर्देशन भी जीतू जोसेफ करने वाले हैं। अपनी इस फिल्म की घोषणा मोहनलाल ने सोशल मीडिया के जरिए की है।

फिल्म नादानियां 7 मार्च को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर देगी दस्तक

इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर स्टारर फिल्म नादानियां के निर्माताओं ने रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म 7 मार्च को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है।नादानियां इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म है। वहीं, खुशी कपूर की यह द आर्चीज, लवयापा के बाद तीसरी फिल्म है।नेटफ्लिक्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने इसकी घोषणा की और लिखा, कुछ कुछ होता है ऐसी नादानियां देखकर, 7 मार्च को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर नादानियां रिलीज हो रही है।नादानियां में इब्राहिम अली के किरदार का नाम अर्जुन मेहता है। वहीं, खुशी कपूर के किरदार का नाम पिया जय सिंह हैं।नादानियां ज़ेन जेड के रोमांस, प्यार और उसमें आने वाले मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है।निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म नादानियां के दूसरे ट्रैक गलतफहमी को रिलीज किया है। फिल्म का गाना प्यार के बीच आने वाली मुश्किलों को दिखाता है।इंस्टाग्राम हैंडल पर गाना शेयर करते हुए निर्माताओं ने लिखा, उन लोगों के लिए जिन्होंने प्यार किया, खोया और कभी समझा नहीं पाए! गलतफहमी ग़ाना रिलीज हो चुका है।गलतफहमी गाने को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है और गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य ने गाने के बोल लिखे हैं। ट्रैक को आवाज तुषार जोशी और मधुबंती बागची ने दी है।इब्राहिम ने कहा, गलतफहमी में कुछ ऐसा है जिससे आप जुड़ सकेंगे। यह वास्तविक है और दिल टूटने के दर्द को दिखाता है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इससे कैसे जुड़ते हैं। यह प्यार और नुकसान का एक ऐसा पहलू है जो भरोसेमंद है।खुशी ने कहा, गलतफहमी ने मुझे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित किया और यह नादानियां एल्बम के मेरे पसंदीदा ट्रैक में से एक है। मुझे विश्वास है कि दर्शक गलतफहमी के साथ जुड़ाव महसूस करेंगे। मैं लोगों के बीच इसे पेश करके काफी खुश हूं।शौना गौतम के निर्देशन में बनी नादानियां को धर्मा एंटरटेनमेंट के तहत करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने तैयार किया है। यह फिल्म प्यार के कॉन्सेप्ट को एक नए मोड़ के साथ पेश करती है।

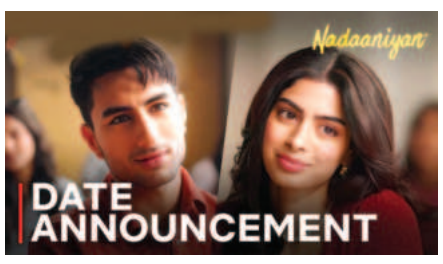

जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट का पहला गाना भारत जारी, मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं बोल

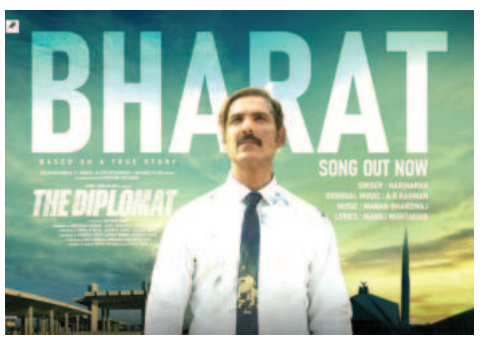

जॉन अब्राहम पिछली बार फिल्म वेदा में नजर आए थे, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।काफी समय से जॉन अपनी आगामी फिल्म द डिप्लोमैट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान शिवम नायर ने संभाली है।यह फिल्म 7 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अब इससे पहले निर्माताओं ने द डिप्लोमैट का पहला गाना भारत जारी कर दिया है।भारत गाने को हरिहरन ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। इस गाने को एआर रहमान ने कंपोज किया है।फिल्म में सादिया खतीब, रेवती, कुमुद मिश्रा और शारिब हाशमी जैसे कलाकार भी हैं।द डिप्लोमैट एक भारतीय राजनयिक के पाकिस्तान से भारतीय लड़की को वापस लाने के प्रयासों की सच्ची कहानी पर आधारित है।इस फिल्म में जॉन इस्लामाबाद में भारत के पूर्व उप उच्चायुक्त जेपी सिंह की भूमिका में नजर आएंगे।फिल्म के बारे में बात करते हुए जॉन ने कहा, कूटनीति एक युद्ध का मैदान है, जहां शब्दों का वजन हथियारों से ज्यादा होता है। जेपी सिंह की भूमिका निभाने से मुझे एक ऐसी दुनिया का पता लगाने का मौका मिला जहां शक्ति को बुद्धि, लचीलापन और शांत वीरता से परिभाषित किया जाता है। उजमा की कहानी भारत की ताकत और साहस का प्रमाण है और मुझे इस प्रेरक यात्रा को स्क्रीन पर जीवंत करने पर गर्व है।

शमा सिकंदर ने हॉटनेस से सोशल मीडिया पर मचाया हंगामा

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर और हॉट लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं।इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।शमा सिकंदर की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने व्हाइट कलर का फर लुक में स्वेटर पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए कानों में इयररिंग्स, खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।शमा सिकंदर की इन फोटोज पर एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मट हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा है- हॉट एंड सेक्सी।बता दें कि शमा सिकंदर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही बवाल मचाने लगता है।

अनुपम खेर की नई फिल्म तुमको मेरी कसम का ऐलान

विक्रम भट्ट बॉलीवुड में अपनी हॉरर जॉनर की फिल्मों के लिए फेमस है। जल्द ही रिलीज होने वाली उनकी फिल्म तुमको मेरी कसम रिलीज होगी। इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है, जिसमें फिल्म की कहानी में थ्रिलर का तड़का है, साथ ही कोर्ट रूम ड्रामा भी नजर आ रहा है। फिल्म तुमको मेरी कसम में अनुपम खेर एक आईवीएफ हॉस्पिटल से जुड़े हुए नजर आ रहे हैं। वहीं इस फिल्म के टीजर में कोर्ट रूम सीन भी दिख रहे हैं। क्या है आईवीएफ और कोर्ट केस का नाता, यह तो फिल्म देखकर ही पता चलेगा। लेकिन टीजर में अनुपम खेर, अदा शर्मा और ईशा देओल के डायलॉग दमदार लग रहे हैं। विक्रम भट्ट निर्देशित फिल्म तुमको मेरी कसम मार्च के महीने में रिलीज होगी। यह फिल्म 21 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विक्रम भट्ट इस फिल्म को इंदिरा एंटरटेनमेंट एलएलपी ने प्रोड्यूस किया है। महेश भट्ट भी इंदिरा एंटरटेमेंट के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रेजेंट कर रहे हैं।फिल्म की प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्वेताबंरी भट्ट, कृष्णा भट्ट सरदा हैं। फिल्म तुमको मेरी कसम में अनुपम खेर, अदा शर्मा के अलावा इश्वाक सिंह, ईशा देओल, मेहरजान मज्दा और सुशांत सिंह भी नजर आ रहे हैं। अनुपम खेर के किरदार के आगे फिल्म की कहानी को बुना गया है। यह फिल्म डॉ. अजय मुर्डिया की जिंदगी से इंस्पायर बताई जा रही है। विक्रम भट्ट ने इस कहानी को निर्देशित करने के साथ लिखा भी है। फिल्म तुमको मेरी कसम के जरिए एक इमोशनल, थ्रिलर स्टोरी को विक्रम भट्ट दिखा रहे हैं लेकिन वह हॉरर फिल्मों के मास्टर माने जाते हैं।

पराशक्ति से विजय एंटनी की पहली झलक आई सामने, हिंदी समेत चार भाषाओं में होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता-संगीतकार और निर्माता विजय एंटनी काफी समय से अपने करियर की 25वीं फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशक की कमान निर्देशक अरुण प्रभु ने संभाली है।यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है, जिसका प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।अब निर्माताओं ने इस फिल्म के शीर्षक से पर्दा उठ गया है। इसके साथ फिल्म से विजय की पहली झलक भी सामने आ चुकी है।विजय की आगामी फिल्म का नाम पराशक्ति रखा गया है। सामने आए पोस्टर में अभिनेता का धांसू अवतार दिख रहा है। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है, जो हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी।इस फिल्म में वागई चंद्रशेखर, सुनील कृपलानी, सेल मुरुगन, तृप्ति रवींद्र और बाल कलाकार मास्टर केशव जैसे सितारे भी नजर आएंगे।विजय एंटनी की पिछली फिल्म मझाई पिडिक्कथा मनिथन दर्शकों को प्रभावित करने में विफल रही, लेकिन विशाल अभिनीत माधा गज राजा के लिए उनके संगीत को प्रशंसकों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

विजय एंटनी गगन मार्गन का भी हिस्सा हैं, जो निर्माण के अंतिम चरण में पहुँच गया है। पराशक्ति और अन्य आगामी परियोजनाओं के साथ विजय एंटनी की पैक लाइनअप उनके प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक वर्ष का वादा करती है।जैसा कि विजय एंटनी इस गर्मी में पराशक्ति की रिलीज़ के लिए तैयार हैं, प्रशंसक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि अभिनेता उनके लिए क्या लेकर आए हैं। अपने संगीत और अभिनय कौशल के साथ विजय एंटनी फिल्म उद्योग में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं और उनकी 25वीं फिल्म एक खास होने की उम्मीद है। खास बात यह है कि विजय इस फिल्म के निर्माता हैं। इतना ही नहीं, वह फिल्म के संगीतकार भी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक़्क़तें हो सकती हैं। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। कोई नया रिश्ता न सिर्फ़ लंबे वक़्त तक क़ायम रहेगा, बल्कि फ़ायदेमंद भी साबित होगा। बिना गहराई से समझे-बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। आपके घर का कोई करीबी शख़्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपकी बीती ज़िन्दगी का कोई राज़ आपके जीवनसाथी को उदास कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत अच्छी रहेगी। घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ग़ैर-ज़रूरी चीज़ों पर रुपये ख़र्च कर आप अपने जीवन-साथी को नाराज़ कर सकते हैं। नए प्रेम-संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। आज मौसम का मिजाज कुछ ऐसा रहेगा कि आप बिस्तर से उठने को राजी नहीं होंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। नाते-रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बिखरी रहेगी और अजनबी भी जाने-पहचाने से महसूस होंगे। भागीदारी वाले व्यवसायों और चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करें। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती हैं आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक विशिष्ट दौर से गुज़रेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आराम करना बहुत अहम है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलते हैं, तो कोई अच्छी पोशाक ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत को देखभाल की ख़ास ज़रूरत है। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। इस बारे में बिना देर किए बातचीत करें, क्योंकि एक बार इस समस्या के हल हो जाने पर घर में जीवन बहुत आसान हो जाएगा और परिवार के लोगों को प्रभावित करने में आपको कोई कठिनाई नहीं आएगी। विवाहेतर प्रेम संबंध आपकी प्रतिष्ठा धूमिल कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 23 फरवरी 2025, रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी दोपहर 01:59 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 06:43 तक
योग : वज्र प्रातः 11:18 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:59 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:20 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 06:12 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 01:59 तक , गण्डमूल रात्रि 06:43

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कार्यकर्ता के अथक परिश्रम से दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी भाजपा : भजनलाल

जयपुर,22 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध रूप से मदन राठौड़ का चयन किया गया। साथ ही, 25 राष्ट्रीय परिषद् सदस्यों की भी घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने नव-निर्वाचित भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री राठौड़ को बधाई दी तथा उनका मुंह मीठा करवाया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि संगठन और सत्ता एक दूसरे के पूरक होते हैं। 21 अक्टूबर 1951 को छोटे से संगठन के रूप में शुरू हुई जनसंघ आज भारतीय जनता पार्टी के रूप में दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र है तो पार्टी में भी लोकतंत्र जरूरी है और हमारी पार्टी की यह खासियत है कि हमारे यहां आंतरिक लोकतंत्र मजबूत है। उन्होंने कहा कि देश के अधिकतर राज्यों में आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, तो यह कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से ही संभव हो पाया है। हमारी पार्टी बूथ, मंडल, जिला, प्रदेश तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित सभी पदों पर सहमति बनाते हुए सहयोग के साथ आगे बढ़ती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम सब उनके विकसित भारत के विज़न को पूरा करने के लिए काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भी संकल्प-पत्र में किए गए 50 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा कर चुकी हैं तथा कार्यकर्ताओं के सहयोग एवं विश्वास से संकल्प-पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, देवास परियोजनाओं जैसे

परियोजनाओं से जहां राजस्थान में पानी की कमी को पूरा करने का काम किया हैं, वहीं किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य के साथ हम काम कर रहे हैं। हमारी सरकार युवाओं को आगामी 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरियां देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में लगातार सरकारी नौकरियों के लिए भर्तियां की जा रही हैं।

शर्मा ने कहा कि बजट घोषणाओं के धरातल पर त्वरित क्रियान्वयन के लिए मंत्रीगणों को निर्देशित किया गया है कि वे 23 फरवरी को अपने-अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा करेंगे तथा बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन एवं प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं के पास विधानसभा वार बजटीय घोषणाओं की सूची भेजी जाएंगी जिससे वे अपने क्षेत्र में जाकर इसका प्रचार-प्रसार कर आमजन को लाभ पहुंचाएं।

शर्मा ने नव-निर्वाचित भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को बधाई देते हुए कहा कि वे एक ऐसे व्यक्तित्व है जिन्होंने अपनी मेहनत, निष्ठा और जनसेवा के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। विद्यार्थी परिषद् में काम करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में शुरुआत करने वाले राठौड़ ने विभिन्न पदों पर रहते हुए संगठन को मजबूत किया। उन्होंने विश्वास जताया कि राठौड़ के ऊर्जावान नेतृत्व में राजस्थान में भाजपा नई ऊँचाइयों को छुएगी।

जयपुर में ऑनलाइन सट्टे का जाल

5 करोड़ की काली कमाई का खुलासा

जयपुर,22 फरवरी (एजेंसियां)। रात का अंधेरा गहरा रहा था, लेकिन जयपुर पुलिस की टीम एक बड़े शिकार की तलाश में सतर्क थी। मुखबिर से मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने मालवीय नगर की शहीद कॉलोनी में एक संदिग्ध मकान को घेर लिया। दरवाजा तोड़ा गया और पुलिस टीम ने अंदर दाखिल होते ही जो देखा, वह चौंकाने वाला था-40 मोबाइल, 4 लैपटॉप, 64 बैंक पासबुक, 42 एटीएम कार्ड और लाखों के ऑनलाइन लेन-देन के रिकॉर्ड!

यह कोई आम ठग नहीं थे, बल्कि एक संगठित गिरोह था, जो ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर सट्टा खिलाकर लोगों की गाढ़ी कमाई लूट रहा था। पुलिस ने 7 बदमाशों को गिरफ्तार किया, जिनके तार देश के अलग-अलग हिस्सों से जुड़े हुए थे। यह गैंग रेडी पैनल नाम से ऑनलाइन सट्टा चलाता था।

इन सट्टेबाजों ने अपनी धोखाधड़ी को छिपाने के लिए अलग-अलग बैंक खातों और ऑनलाइन वॉलेट्स का इस्तेमाल किया। पैसे ट्रांसफर कर तुरंत निकाल लिया जाता और इस तरह डिजिटल फर्जीवाड़े का एक मजबूत नेटवर्क खड़ा किया गया था।

मदन राठौड़ की ताजपोशी पर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का संदेश

एकजुट, नो गुट,एक मुख

जयपुर,22 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा में एक बार फिर संगठनात्मक मजबूती का प्रदर्शन करते हुए मदन राठौड़ को प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब पार्टी को एक संगठित नेतृत्व की जरूरत थी। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने इस मौके पर स्पष्ट संदेश दिया- एकजुट, नो गुट, एक मुख। यानी पार्टी में गुटबाजी से ऊपर उठकर सभी को एक स्वर में संगठन के साथ खड़ा रहना होगा। उनके इस बयान को आगामी चुनावों की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान भाजपा के चुनाव प्रभारी विजय रूपाणी ने राठौड़ के नाम की घोषणा की। प्रदेश से 25 राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का भी निर्वाचन किया गया, जो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भाग लेंगे। यह दूसरी बार है जब 7 महीनों के भीतर मदन राठौड़ को यह कमान मिली है। खास बात यह रही कि प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए किसी और नेता ने नामांकन नहीं भरा, जिससे उनका दोबारा अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा था।भाजपा के इस निर्णय को आगामी रणनीति और पार्टी के भीतर एकजुटता स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि राठौड़ इस जिम्मेदारी को किस तरह निभाते हैं और पार्टी को आगे किस दिशा में ले जाते हैं।

राजस्थान में बढ़ता दलित उत्पीड़न

अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार को घेरा

जयपुर,22 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में दलितों पर बढ़ते अत्याचारों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलितों के साथ अन्याय और उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे सामाजिक तानाबाना कमजोर हो रहा है।

उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में शादियों के दौरान दलित दूल्हों की बारात निकालने पर धमकियां और मारपीट की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने अजमेर, सांचौर और झुंझुनूं जैसी जगहों का उदाहरण देते हुए बताया कि दलित दूल्हों की बारात पुलिस सुरक्षा में निकालनी पड़ी, जो दर्शाता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था कमजोर पड़ रही है।

गहलोत ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि दलित समाज को अपने धार्मिक और सांस्कृतिक क्रियाकलापों के लिए भी पुलिस सुरक्षा की जरूरत पड़ रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पुलिस का इकबाल इतना कमजोर हो गया है कि आमजन को अपनी परंपराओं को निभाने के लिए प्रशासन का सहारा लेना पड़ रहा है?

उन्होंने मांग की कि पुलिस को ऐसे ठोस कदम उठाने चाहिए जिससे भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और समाज में सौहार्द बना रहे। उन्होंने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा शासन में दलितों के खिलाफ हिंसा और भेदभाव की घटनाएं बढ़ी हैं। सरकार को इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि दलित समुदाय को न्याय मिल सके।

गहलोत ने कहा कि अगर प्रशासन इन मामलों में निष्क्रिय रहा तो सामाजिक असमानता और भेदभाव बढ़ता जाएगा, जिससे प्रदेश का माहौल खराब होगा। उन्होंने सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि संविधान सभी को समान अधिकार देता है और हर नागरिक को अपनी परंपराओं का पालन करने का अधिकार है। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति जाति, धर्म या सामाजिक स्थिति के आधार पर भेदभाव का शिकार न हो।

अनिल विज जहां अटैच हो जाता है वहां विजय श्री अपने आप आ जाती है

अम्बाला,22 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि ''नगर परिषद, अम्बाला छावनी में भाजपा के पक्ष में माहौल है और हम इन चुनावों में क्लीन स्वीप करेंगे''। उन्होंने कहाकि ''केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार है, वे स्वयं अम्बाला छावनी से भाजपा विधायक है और यदि नगर परिषद में भाजपा प्रधान व भाजपा पार्षद होंगे, तो विकास की मशीनरी एक साथ तेजी से चलेगी''। विज आज नगर परिषद, अम्बाला छावनी चुनाव को लेकर प्रधान एवं सभी 32 वार्डों से पार्षद पद के भाजपा प्रत्याशियों की केंद्रीय चुनाव कार्यालय में संयुक्त बैठक की और बैठक में चुनाव संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए। वहीं, बैठक के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे सभी उम्मीदवार पूरी तरह से उत्साहित हैं। आज बैठक में फीडबैक ली गई है और हमें पूरा विश्वास है कि नगर परिषद अम्बाला छावनी चुनाव में हम क्लीन स्वीप करने जा रहे है। उन्होंने कहा भाजपा के डर से कांग्रेस अपनी लिस्ट जारी करने की हिम्मत तक नहीं कर सकी और मैदान में उतरी ही नहीं। कांग्रेस ने अभी से भाजपा को विजय मान लिया है। कुछ इक्का-दुक्का आजाद प्रत्याशी खड़े हैं, मगर अंबाला छावनी का विकास हम (भाजपा) करांएगें।

अमेरिका का भारतीयों को सीधे भारत भेजने के बजाए कोस्टारिका को सौंपना अपमानजनक : सैलजा

चंडीगढ़,22 फरवरी (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि अमेरिका ने पहले तो भारतीयों को हथकड़ी और बेड़ियों में बांधकर भारत भेजकर देश को अपमानित किया और अब भारतीयों को सीधे भारत भेजने के बजाए वह उन्हें कोस्टारिका को सौंपेगा, पता नहीं कोस्टारिका अब उनके साथ क्या सलूक करेगा। प्रधानमंत्री को अब तो इस मामले में चुप्पी तोड़ते हुए अपने खास मित्र अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बात करनी चाहिए और ये भी पता करें कि आखिर ट्रंप के मन में भारत को लेकर क्या चल रहा है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि पनामा और ग्वाटेमाला के नक्शेकदम पर चलते हुए, कोस्टारिका ने भी घोषणा की कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका से निकाले जाने वाले अवैध प्रवासियों को अपने देश में लाने के लिए तैयार है, जो अन्य देशों के नागरिक हैं। अमेरिका राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से एक बयान में कहा गया था कि भारतीय प्रवासियों को वह कोस्टोरिका को सौंपेगा।

कुमारी सैलजा ने कहा कि जब भारतीय को अपने ही देश में रोजगार नहीं मिलता तभी उनके मन में विदेश में जाकर धन कमाने की बात आती है। वे अपने और अपने बच्चों के बेहतर जीवन यापन के लिए खतरनाक यात्राएं करके, दुर्गम इलाकों, जंगली जानवरों और आपराधिक गिरोहों का सामना करते हुए दूसरे देशों में पहुंचते है। कुमारी सैलजा ने कहा कि जो लोग अपना घर, दुकान, जेवर बेचकर या गिरवी रखकर धन कमाने के लिए विदेश गए है उनकी ससम्मान वापसी की दिशा में केंद्र सरकार को कदम उठाने चाहिए।

हरियाणा सरकार ने किसानों मजदूरों को दी बड़ी राहत

40 मंडियों में खुलेगी अटल कैंटीन

चंडीगढ़,22 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के किसानों और मजदूरों के लिए बड़ी राहत भरी खबर आई है। राज्य सरकार ने अनाज मंडियों में अटल किसान-मजदूर कैंटीन

खोलने का फैसला किया है। इस योजना के तहत राज्य की 40 अनाज मंडियों में कैंटीन बनाई जाएंगी, जहां किसानों, मजदूरों और आढ़तियों को मात्र 25 रुपये में भरपेट भोजन मिलेगा। इसके लिए संबंधित मार्केट कमेटी के सचिवों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं और जल्द ही कैंटीन का संचालन शुरू हो जाएगा। राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है कि कैंटीन में भोजन की गुणवत्ता बनी रहे और किसानों और मजदूरों को किफायती दरों पर पौष्टिक भोजन मिल सके। इसके लिए सेल्फ हेल्थ ग्रुप को भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी गई है। प्रत्येक थाली की कीमत 25 रुपये होगी, जिसमें से मार्केट कमेटी की ओर से 15 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। इस तरह किसानों और मजदूरों को मात्र 10 रुपये में अच्छा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

लोगों का उत्साह बता रहा है, भारी मतों से जीतेगी मेयर प्रत्याशी सुमन बहमनी : नायब सैनी

यमुनानगर,22 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा की मेयर प्रत्याशी के समर्थन में निकाले गए रोड शो में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता का आशीर्वाद भाजपा के साथ और निकाय चुनाव में ट्रिपल इंजन की मजबूत सरकार हरियाणा में बनने जा रही है। सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता दी है। भाजपा की सरकार हर वर्ग के हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रोड शो में उमड़े अपार जनसमूह से गदगद सीएम सैनी ने दावा करते हुए कहा कि भाजपा की मेयर पद की प्रत्याशी सुमन बहमनी और 22 वार्डों के सभी पार्षद प्रत्याशी बड़े मार्जिन से जीत दर्ज करेंगे।

हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को यमुनानगर जगाधरी नगर निगम चुनावों में प्रचार को और गति देने पहुंचे। उन्होंने भाजपा की मेयर पद उम्मीदवार सुमन बहमनी व नगर निगम के सभी 22 वार्डों के भाजपा पार्षद प्रत्याशियों के समर्थन में भव्य रोड शो

निकाला। रोड शो जगाधरी के वार्ड नंबर 1 से शुरू हुआ और गौशाला चौक, झंडा चौक, खेड़ा बाजार में पहुंचा। खेड़ा बाजार जगाधरी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित सभी भाजपा नेताओं ने खेड़ा महाराज जी के चरणों में शीश नवाया व सभी आमजन की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। इसके पश्चात रोड शो पत्थर वाला बाजार, पुलिस चौकी, बुडिया चौक, अग्रसेन चौक ,सफायर चौक से होते हुए प्यारा चौक, मधु चौक, शहीद भगत सिंह चौक रेलवे स्टेशन अग्रसेन चौक से होते हुए, स्टेशन चौक अग्रसेन चौक पर स्थित प्राचीन देवी मंदिर पहुंचा। मुख्यमंत्री ने यहां माता के दरबार में शीश नवाया व सभी की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

रोड शो के दौरान जगह-जगह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का लोगों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और लोगों ने जमकर भारत माता की जय, मोदी जिंदाबाद, नायब सैनी जिंदाबाद के नारे लगाए। मुख्यमंत्री ने भी सभी लोगों का अभिवादन किया और भाजपा प्रत्याशियों को प्रचंड वोटों से जिताने की अपील की। रोड शो के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लोगों का उत्साह और मिल रहे समर्थन से भाजपा प्रत्याशियों की जीत तय है। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा सरकार की नीतियों और विकास कार्यों से संतुष्ट है। सैनी ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा को जबरदस्त जनसमर्थन मिल रहा है। सैनी ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी और हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी।विशाल रोड शो में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ भाजपा मेयर प्रत्याशी सुमन बहमनी, कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व नगर निगम मेयर मदन चौहान भाजपा नेत्री बंतो कटारिया,पूर्व चेयरमैन रामनिवास गर्ग, पूर्व चेयरमैन रामेश्वर चौहान, जिला परिषद चेयरमैन रमेश ठसका, जिला महामंत्री कृष्ण सिंगला, राकेश त्यागी,भावना पवन बिट्टू, पूर्व विधायक बलवंत सिंह, ईश्वर पलाका, बिशन लाल सैनी सहित सभी वार्डों के भाजपा प्रत्याशी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

ऑर्केस्ट्रा की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

16 किशोरियों में से दो लड़कियों को मां ने ही बेचा

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया में पुलिस ने ऑर्केस्ट्रा की आड़ में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने सेक्स रैकेट के ठिकानों पर छापामारी की तो बड़ा खुलासा हुआ। इस दौरान पुलिस टीम ने 16 नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया।

जानकारी के मुताबिक, बेतिया में यह खेल पिछले दो साल से चल रहा था। ऑर्केस्ट्रा संचालक अलग-अलग जिलों में इन लड़कियों को डांस कराने के नाम पर भेजता था। दो घंटे तक डांस करवाने के बाद ऑर्केस्ट्रा संचालक उनसे शारीरिक संबंध बनाते थे। जो लड़की इसके लिए मना करतीं थीं, उनके साथ मारपीट की जाती थी। इस मामले की जानकारी मिशन मुक्ति फाउंडेशन को पिछले एक साल

से मिल रही थी। लेकिन वे यहां तक पहुंच नहीं पा रहे थे।

16 वर्षीय किरण (बदला हुआ नाम) ने बताया कि उसे पायल नाम की एक लड़की यहां लेकर आई थी। उसने मेरी मम्मी से कहा कि इससे डांस करवाएंगे। इसे बहुत पैसे मिलेंगे। पैसों के लालच में मेरी मां ने 10 हजार में मुझे बेच दिया। साथ ही मेरी छोटी बहन को भी पांच हजार रुपये में बेच दिया। मेरे साथ रामसागर नामक व्यक्ति ने गलत काम किया है। उसने दो और लड़कों से गलत काम करवाया है।

पीड़िता ने आगे बताया कि ऑर्केस्ट्रा में डांस के नाम पर यहां लाए थे। ये लोग हमारे कमरे में लड़कों को भेजते हैं। इसमें मेरे माता-पिता भी शामिल हैं। मेरे पेट में अभी रामसागर नाम के शख्स का बच्चा है। इसमें दो लड़कियों की मां ने 10 और पांच हजार में ऑर्केस्ट्रा संचालक को बेच दिया था। वहीं, कुछ लड़कियों को उनके दोस्तों ने पैसे की लालच में फंसाकर ऑर्केस्ट्रा में धकेल दिया था।

बताया जा रहा है कि 14 लड़कियां पश्चिम बंगाल और दो नेपाल की रहने वाली हैं। इन लड़कियों को नौतन, बैरिया और जगदीशपुर से बरामद किया गया है। दो साल से लड़कियों के साथ गंदा काम हो रहा था।

डीआईजी हरिकिशोर राय ने 20 फरवरी को मिशन मुक्ति फाउंडेशन के साथ मिलकर एक टीम बनाई। 20 फरवरी की रात दो बजे से कार्रवाई शुरू करते हुए शुक्रवार 21 फरवरी की अहले सुबह चार बजे सभी लड़कियों को बरामद किया। इसके साथ ही 10 ऑर्केस्ट्रा संचालक को गिरफ्तार किया गया।

गौरतलब है कि 14 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली ने बेतिया के डीआईजी हरिकिशोर राय को लेटर लिखा। 15 फरवरी तक डीआईजी को इस लेटर के बारे में जानकारी हुई। इसके बाद मिशन मुक्ति फाउंडेशन के संचालक ने भी इसकी जानकारी डीआईजी को दी।

वहीं, मिशन मुक्ति फाउंडेशन के डायरेक्टर वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया की इन 16 लड़कियों में से एक लड़की को आरोपी ने दो बार गर्भवती कर दिया। पहली बार प्रेग्नेंट होने पर आठ महीने में उसका अबॉर्शन करवाया गया। ये घटना एक साल पहले की है। उस समय लड़की की जान को जोखिम में डाल दिया गया था, लेकिन वह बच गई। दूसरी बार फिर से उसे प्रेग्नेंट कर दिया गया। फिलहाल लड़की एक महीने की प्रेग्नेंट है। इस लड़की को जिस ऑर्केस्ट्रा वाले ने खरीदा था, वो दो-तीन लड़कों से पैसा लेकर इसके साथ गलत काम करवाता था।

इधर, सदर एसडीपीओ विवेक दीप ने कहा कि मिशन मुक्ति फाउंडेशन के जरिए हमें जानकारी मिली कि नाबालिग लड़कियों से जबरदस्ती ऑर्केस्ट्रा में डांस करवाया जा रहा है। हमने रात तीन बजे छापामारी की। इस दौरान 16 लड़कियों को बरामद किया गया है।

अपराधियों ने ट्रैक्टर चालक को गोली मारकर किया घायल, इलाके में दहशत

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय जिले में अपराधियों का कहर लगातार जारी है। ताजा घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के गोसाईं टोल के पास की है, जहां अपराधियों ने एक ट्रैक्टर चालक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गोली लगने के बाद घायल युवक को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के मुताबिक, गोली लगने से घायल युवक की पहचान सिंघौल थाना क्षेत्र के कमरुद्दीनपुर वार्ड-5 निवासी विशो यादव के 24 वर्षीय पुत्र ज्योतिष कुमार के रूप में हुई है। ज्योतिष ट्रैक्टर चलाने का काम करता है। घटना के वक्त वह पैदल जा रहा था, तभी दो बदमाशों ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज करने लगे। जब उसने विरोध किया, तो अपराधियों ने उसे गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। गोली लगने के बाद आसपास के लोगों ने उसे गंभीर हालत में उठाकर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, इस वारदात में अवैध खनन माफिया का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। ट्रैक्टर चालक ज्योतिष कुमार ने भी इस संबंध में संकेत दिया है। अवैध खनन को लेकर जिले में पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं, जिसमें विरोध करने वालों को अपराधियों ने निशाना बनाया है।

घटना की सूचना मिलते ही मटिहानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। हालांकि पुलिस का कहना है कि उन्हें पहले सिर्फ मारपीट की सूचना मिली थी, लेकिन अब मामले की गहराई से जांच की जा रही है। मटिहानी थाना पुलिस का कहना है कि हमलावरों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस अब इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है, ताकि अपराधियों की पहचान हो सके।

इस घटना के बाद इलाके के लोगों में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि अवैध खनन माफिया और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव सहित दो लोगों को कारावास की सजा

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा व्यवहार न्यायालय के एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश करुणानिधि प्रसाद आर्य ने अलीनगर के भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव सहित सुरेश यादव को तीन महीने की कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही साथ 500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश करुणा निधि प्रसाद आर्य की अदालत ने मारपीट के एक मामले में शुक्रवार को अलीनगर के भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव सहित दो को सजा सुनाई है। इससे पूर्व कोर्ट ने विधायक और गोसाईं टोल पचाढ़ी निवासी सुरेश यादव को दोषी करार दिया। दोनों को भादवि की धारा 323 में तीन माह का कारावास और पांच सौ रुपये

अर्थदंड की सजा सुनाई। समैला निवासी उमेश मिश्र ने 29 जनवरी 2019 की आपराधिक घटना को लेकर 30 जनवरी को प्राथमिकी संख्या 4/19 दर्ज कराई थी।

इस मामले के सूचक का आरोप था कि 29 जनवरी 2019 की सुबह छह बजे मार्निंग वाक दौरान गोसाईं टोल के पास मिश्रीलाल यादव और सुरेश यादव सहित 20 से 25 लोग हरवे हथियार से लैस होकर कदम चौक पर घेर लिया। सभी गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर मिश्रीलाल यादव ने सिर पर फरसा से प्रहार कर दिया। इससे सिर कट गया । इस बीच सुरेश यादव रॉड और लाठी से प्रहार कर दिया। जेब से रुपये भी निकाल लिया। परिजन उन्हें इलाज के लिए पीएचसी ले गये, जहां चिकित्सक उनका प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच के लिए रेफर कर दिया। इस मामले में अनुसंधानक ने 12 अक्टूबर 2019 को कोर्ट में आरोप पत्र समर्पित किया गया था। कोर्ट ने 17 अप्रैल 2020 को संज्ञान लिया था।

सरकारी स्कूल में हंगामा, हेडमास्टर और शिक्षिका के पति के बीच जमकर मारपीट

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मोतिहारी जिले के रक्सौल प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय पिपरिया में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब विद्यालय परिसर रणभूमि में तब्दील हो गया। विद्यालय के हेडमास्टर ओमप्रकाश बैठा और वहीं कार्यरत शिक्षिका गुड्डी कुमारी के पति ओम प्रकाश पासवान के बीच जमकर मारपीट हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह विवाद प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, गुड्डी कुमारी के पति ओम प्रकाश पासवान खुद भी एक शिक्षक हैं। वह शुक्रवार को अपने विद्यालय से छुट्टी लेकर अपनी पत्नी के विद्यालय पहुंचे और हेडमास्टर से गुड्डी कुमारी को छुट्टी देने की बात कही। इसी बात को लेकर हेडमास्टर और शिक्षिका के पति के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। मारपीट के दौरान हेडमास्टर ओमप्रकाश बैठा ने अपने भाई को फोन कर बुला लिया, जिसके बाद दोनों भाइयों ने मिलकर शिक्षिका के पति को बुरी तरह पीट दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

विद्यालय परिसर में हो रही मारपीट को देख ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने हेडमास्टर और उनके भाई को बंधक बना लिया। इसके बाद ग्रामीणों ने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हेडमास्टर, उनके भाई, शिक्षिका और उनके पति को हिरासत में लेकर भेलाही थाना ले आई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हेडमास्टर ओमप्रकाश बैठा का आचरण पहले से ही संदिग्ध था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हेडमास्टर और शिक्षिका के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसकी भनक शिक्षिका के पति को लग गई थी। इसी वजह से वह विद्यालय पहुंचकर हेडमास्टर से भिड़ गए।

इस पूरे मामले को लेकर भेलाही थाना अध्यक्ष मो. शाहरुख ने बताया कि दोनों पक्षों को थाने लाया गया था। लेकिन उन्होंने आपसी सहमति से समझौता कर लिया। किसी भी पक्ष ने कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई, इसलिए किसी पर भी कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है।

इस घटना के बाद शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। विद्यालय जहां बच्चों को शिक्षा दी जाती है, वहां अगर शिक्षक खुद इस तरह का व्यवहार करेंगे, तो बच्चों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? ग्रामीणों और अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से हेडमास्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बीपीएससी ने कहा- अभ्यर्थी सावधान रहें

भ्रम फैला रहे खान सर, दो जिलाधिकारियों की रिपोर्ट का दिया हवाला

पटना (एजेंसियां)।

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं पीटी परीक्षा रद्द करने की मांग लेकर फिर से शुरू करने वाले शिक्षक खान सर उर्फ फैसल खान पर बड़ा आरोप लगा है। यह आरोप किसी और ने नहीं बल्कि बीपीएससी ने लगाया है। आयोग ने कहा कि 13 दिसंबर को ली गई 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के बारे में खान सर छात्रों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। वह परीक्षा को लेकर झूठा आरोप लगाकर छात्रों को बहका रहे हैं। आयोग ने दो जिलो के डीएम की रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह बातें कही हैं।

बीपीएससी ने खान सर के इंटरव्यू का कुछ वीडियो शेयर किया, जिसमें वह गया और नवादा के सेंटर पर प्रश्न गायब होने की बात कह रहे हैं। इस वीडियो को

शेयर करते हुए आयोग ने लिखा कि कहा कि उक्त 'गुरु' द्वारा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लगातार साक्षात्कार देकर आयोग के प्रति अभ्यर्थियों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न की जा रही है। कुछ दिन पहले, इनके द्वारा नवादा एवं गया जिले के कोषागार से एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा.) प्रतियोगिता परीक्षा के प्रश्न-पत्र गायब/चोरी हो जाने संबंधी मनगढ़ंत आरोप लगाकर अभ्यर्थियों को इस कथन के साथ दिग्भ्रमित करने की कोशिश की गई कि इसका प्रमाण उनके पास मौजूद है।

बीपीएससी ने कहा कि खान सर जैसे शिक्षकों के ऐसे खोखले दावे, जिला पदाधिकारी, गया एवं नवादा के निम्न प्रतिवेदनों से स्वतः खारिज हो जाते हैं। बिहार के सभी युवाओं, छात्रों औ अभिभावकों को सतर्क किया जाता है कि ऐसे 'गुरुओं एवं विशेषज्ञों' के काल्पनिक, भ्रामक एवं बेबुनियाद दावों पर भरोसा न करें। अभ्यर्थी किसी भी जानकारी के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट एवं सोशल मीडिया हैंडल्स का अनुसरण करें।

नवादा जिले के डीएम रवि प्रकाश ने बीपीएससी के सचिव को लिखा कि संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा हेतु उपलब्ध कराए गए प्रश्न-पत्र सेट के संबंध में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म एवं अन्य समाचार चैनलों पर नवादा जिले के कोषागार से दो सेट अप्रयुक्त प्रश्न पत्र गायब होने संबंधी खबरें की जांच के लिए एक टीम का गठन किया गया। टीम ने जांच में पाया कि विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म एवं अन्य समाचार चैनलों पर नवादा जिले के कोषागार से दो सेट, अप्रयुक्त प्रश्न पत्र गायब होने संबंधी खबरें पूर्णतः तथ्यहीन, भ्रामक एवं सत्य से परे हैं।

गया डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने कहा कि 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा के संबंध में मीडिया के स्त्रोतों से गया जिला में आयोजित उक्त परीक्षा के संबंध में कुछ लोग द्वारा प्रश्न-पत्र गायब, कबाड़ी दुकान में बेचे जाने इत्यादि संबंधित आरोप लगाये गये हैं। इस संबंध में स्पष्ट करना है कि सभी परीक्षा केन्द्रों में बीपीएससी परीक्षा के आयोजन पूरी पारदर्शिता एवं स्वच्छता के साथ आयोजित की गई है। परीक्षा केन्द्र के उपरान्त सभी गोपनीय सामग्री पूरी तरह सुरक्षित एवं गोपनीय तरीके से आयोग में जमा की गई है। शिक्षा विभाग गया के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) द्वारा दण्डाधिकारी के रूप में कार्य करते हुए इस कार्य को सम्पन्न कराया गया है। इसलिए गड़बड़ी का आरोप पूर्णत: बेबुनियाद, निराधार है। बीपीएससी परीक्षा के आयोजन की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के विफल कराने के उद्देश्य से लगाये गए आरोप प्रतीत होते हैं।

सिपाही का जज्बा: रेलवे स्टेशन से कंधे पर उठाकर यात्री को पहुंचाया अस्पताल, समय रहते बची जान

समस्तीपुर (एजेंसियां)।

समस्तीपुर के एक सिपाही ने इंसानियत और कर्तव्यपरायणता की अनूठी मिसाल पेश की। शुक्रवार की रात समस्तीपुर जंक्शन पर तैनात सिपाही राजेश कुमार सिंह ने एक गंभीर रूप से बीमार यात्री को बिना एंबुलेंस का इंतजार किए अपने कंधे पर उठाकर रेलवे अस्पताल पहुंचाया, जिससे उसकी जान बच गई।

जानकारी के मुताबिक, यह घटना तब घटी जब कुंभ स्पेशल ट्रेन जयनगर से समस्तीपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर पहुंची और अपने निर्धारित समय के अनुसार आगे बढ़ रही थी। तभी ट्रेन की चेन पुलिंग कर दी गई, जिससे वह अचानक रुक गई। चेन पुलिंग की सूचना मिलते ही सिपाही राजेश कुमार सिंह और आरक्षी वाटर कैरियर लखन सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे और संबंधित

कोच की जांच शुरू की। वहां उन्होंने रामकिशन यादव नामक एक यात्री को बेहोशी की हालत में पाया, जिसके मुंह से झाग निकल रहा था। यात्री के परिजनों ने घबराकर ट्रेन की चेन पुलिंग कर दी थी ताकि उसे समय रहते चिकित्सा सहायता मिल सके।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सिपाही राजेश कुमार सिंह ने बिना एंबुलेंस का इंतजार किए रामकिशन यादव को अपने कंधे पर उठा लिया। साथी आरक्षी लखन सिंह के सहयोग से वह उसे रेलवे अस्पताल तक ले गए। रेलवे अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद यात्री की स्थिति सामान्य हुई और उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

डॉक्टरों के मुताबिक, यात्री को हार्ट अटैक आया था और अगर समय रहते उसे इलाज नहीं मिलता, तो उसकी जान भी जा सकती थी। रेलवे पुलिस के जवानों की संवेदनशीलता और तत्परता ने उसकी जान बचा ली। वहीं, इस घटना के बाद सिपाही राजेश कुमार सिंह के कार्य की सराहना हर तरफ हो रही है। रेलवे विभाग ने भी उन्हें सम्मानित करने की घोषणा की है। स्थानीय लोग और यात्री भी उनकी इस बहादुरी की तारीफ कर रहे हैं।

बाबा गरीबनाथ मंदिर के महंत अमरनाथ पाठक बने महामंडलेश्वर, शहर में खुशी की लहर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर के बाबा गरीब नाथ मंदिर के महंत अमरनाथ पाठक उर्फ पिंकू पाठक को महामंडलेश्वर की उपाधि मिलने पर पूरे जिले में जश्न का माहौल है। यह न केवल मंदिर परिवार बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व का क्षण है।

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में बाबा गरीब नाथ मंदिर परिवार ने श्रद्धालुओं की सेवा के लिए एक विशेष शिविर लगाया था। इस शिविर में श्रद्धालुओं को नि:शुल्क सेवा दी जा रही थी। सेवा कार्यों से प्रभावित होकर वृहद शुक्रताल योगपीठ द्वारा अमरनाथ पाठक को महामंडलेश्वर की उपाधि प्रदान की गई।

महंत अमरनाथ पाठक ने कहा कि यह क्षण बिहार और मुजफ्फरपुर के लिए गर्व की बात है। संत नरेशानंद जी महाराज ने मुझे

महामंडलेश्वर नियुक्त किया है, जिससे बाबा गरीब नाथ मंदिर का सम्मान बढ़ा है। मैं इस उपलब्धि को मंदिर परिवार, भक्तों और जिले के लोगों को समर्पित करता हूं।

महंत अमरनाथ पाठक जब प्रयागराज से लौटे, तो शहर में भव्य स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में पुरोहितों और श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर और माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। बैंड-बाजे के साथ भव्य जुलूस निकाला गया, जो पूरे शहर में घूमते हुए बाबा गरीब नाथ मंदिर पहुंचा। वहां महंत ने बाबा गरीब नाथ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। बाबा गरीब नाथ मंदिर के प्रधान पुजारी और प्रशासक पंडित विनय पाठक ने कहा कि अमरनाथ पाठक को महामंडलेश्वर की उपाधि मिलना पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है। उनकी समाज सेवा, पुरोहित धर्म के प्रति निष्ठा और महाकुंभ में किए गए कार्यों के कारण यह सम्मान दिया गया है। वहीं, बाबा गरीब नाथ मंदिर के महंत पंडित अभिषेक पाठक ने कहा कि मुजफ्फरपुर की धरती से किसी ने इतने बड़े पद को प्राप्त किया है, जिससे बिहार का कद और बढ़ गया है। पूरा सनातन समाज इस उपलब्धि पर गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com